शुभ लाभ DAILY

खबरें जो सोच बदल दे

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

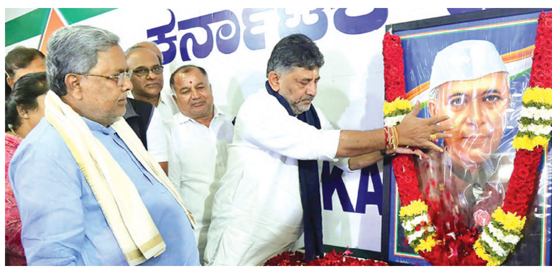

भाजपा के सत्ता में आने से पहले इतना भ्रष्टाचार नहीं था: सीएम सिद्धरामैया @ नम्मा बेंगलूर

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | बुधवार, 28 मई, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु. | वर्ष-7 | अंक-146

पहलगाम पहुंचे जम्मू कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री

जहां हिंदुओं का खून बहा, वहां गोल्फ खेल रहे फारूक अब्दुल्ला

पहलगाम, 27 मई (एजेंसियां)। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में एक महीने पहले आतंकवादियों ने चुन-चुन कर हिंदू पर्यटकों को मारा था। पाकिस्तान के खिलाफ शुरू हुआ ऑपरेशन सिंदूर उस जख्म को भरने की धीरे-धीरे कोशिश कर रहा है। उस घटना से पूरा देश आज तक हतप्रभ है। जिस जगह धर्म के नाम पर अधर्म का नृशंस कृत्य हुआ, ठीक उसी जगह पर आज जम्मू कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री और सत्तारूढ़ पार्टी नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला शाहंशाहाना अंदाज में गोल्फ खेलते नजर आए। देश के लोगों को यह समझ में नहीं आया कि दो दर्जन से अधिक हिंदुओं की हत्या पर फारूक अब्दुल्ला गोल्फ-क्रीड़ा के जरिए श्रद्धांजलि दे रहे थे या मखौल उड़ा रहे थे। पार्टी कहती है कि पहलगाम घटना के बाद कश्मीर से उजड़े पर्यटन को बहाल करने के लिए फारूक अब्दुल्ला गोल्फ खेल रहे थे और उनके मुख्यमंत्री-पुत्र उमर अब्दुल्ला पर्यटन माहौल सामान्य करने के लिए बैठकें करेंगे।

जम्मू कश्मीर का माहौल सामान्य करने के लिए फारूक अब्दुल्ला या उनके मुख्यमंत्री-पुत्र उमर अब्दुल्ला को पहलगाम के दिखने में हरियालीभरे लेकिन असलियत में खून से सने मैदान में गोल्फ खेलने के बजाय हिंदू पर्यटकों को विशेष न्यौता देकर बुलाना चाहिए था और उनके बीच माहौल को सरल और

सामान्य बनाने की कोशिश करनी चाहिए थी। लेकिन फारूक अब्दुल्ला का यह गोल्फ-कृत्य जख्म पर नमक रगड़ने जैसा और हिंदुओं का मजाक उड़ाने जैसा ही साबित हुआ। जिस जगह 26 हिंदू पर्यटकों को चुन-चुन कर मारा गया, उसी

श्रद्धांजलि दे रहे थे या मखौल उड़ा रहे थे?

पहलगाम में फारूक अब्दुल्ला बाकायदा गोल्फ-आउटफिट (लाल टी शर्ट और काले ट्राउजर) में पहलगाम गोल्फ कोर्स में नजर आए। वह जमीन 26 हिंदुओं के खून से रंगी है, उसी जगह फारूक अब्दुल्ला अपने बेशकीमती गोल्फ स्टिक से महंगे गोल्फ-बॉल पर निशाना आजमा रहे थे। दूसरी तरफ पहलगाम में ही मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला कल कैबिनेट बैठक की अध्यक्षता कर रहे होंगे। मुख्यमंत्री ने कहा है कि जम्मू-कश्मीर के प्रति लोगों के मन में बैठे डर को निकालने की जरूरत है। इस बारे में उमर अब्दुल्ला ने अपने पिता फारूक अब्दुल्ला से जरूर राय-मशविरा किया होगा। तभी पिता गोल्फ-मैदान में उतरे और पुत्र बैठक-मैदान में। प्रदेश में पहलगाम आतंकवादी हमले का असर कम करने की कवायद का अगर यही भावनात्मक स्तर है, तो यह गैर मुस्लिम पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए है या विकर्षित करने के लिए, इसका आभास देश को हो रहा है।

बैठकें करने और गोल्फ खेलने से अगर हिंदू पर्यटकों के हृदय से डर चला गया होता तो आज तक कश्मीरी हिंदू जिन्हें पूरा देश कश्मीरी पंडित कह कर अलग कर देता है, उनके मन से डर खत्म हो गया होता। फारूक अब्दुल्ला के गोल्फ खेलने से कश्मीरी पंडितों की टारगेटेड हत्या का सिलसिला क्या रुक गया? क्या बेमानी बैठकों से हिंदुओं को चुन-चुन कर मारे जाने का घृणित कृत्य रुक गया? क्या कश्मीर और पूरे देश की मस्जिदों से पहलगाम में मारे गए 26 हिंदुओं के शोक में मर्सिया पढ़ा गया? क्या ऐसी बदजात हिंसा के खिलाफ इस्लामिक धर्मपीठों से फतवा जारी हुआ? इसके लिए फारुक अब्दुल्ला या उमर अब्दुल्ला ने अपने धर्मगुरुओं से बात क्यों नहीं की? गोल्फ खेलने के बजाय वे अगर ऐसा प्रयास करते तो हिंदुओं के कलेजे पर लगा जख्म थोड़ा कम होता और इससे स्थिति सामान्य होने के तरफ बढ़ती।

गांधीनगर में बोले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनना लक्ष्य

गांधी नगर, 27 मई (एजेंसियां)। दो दिवसीय गुजरात दौरे के दूसरे दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गांधीनगर के महात्मा मंदिर में 5,536 करोड़ की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। कार्यक्रम के दौरान पीएम मोदी ने कहा, हमें अपने देश के ब्रांड पर गर्व करना चाहिए। हमें मेड इन इंडिया पर गर्व करना चाहिए। हम अपनी जरूरत की ज्यादातर चीजों के लिए दूसरे देशों पर निर्भर रहे हैं। पर ये चीजें अब देश में ही उपलब्ध हैं। हमारी जरूरत की 90 प्रतिशत से अधिक और अच्छी चीजें देश में ही उपलब्ध हैं। हमें उनका इस्तेमाल करना चाहिए।

पीएम मोदी ने कहा, मुझे याद है कि हमने छठे से पांचवें स्थान पर पहुंचने का जश्न मनाया था। यह क्षण विशेष रूप से महत्वपूर्ण था, क्योंकि हमने उसी देश को पीछे छोड़ दिया, जिसने 250 वर्षों तक हम पर शासन किया। अब, जब हम चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं, तो तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का दबाव बढ़ रहा है। उससे भी अधिक दृढ़ संकल्प की जरूरत है। यह देश अब इंतजार नहीं करना चाहता। अगर कोई सुझाव देता है कि हमें धैर्य रखना चाहिए, तो आप आवाजें सुन सकते हैं कि मोदी है तो मुमकिन है। इसलिए हमारा स्पष्ट लक्ष्य 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाना है।

पीएम मोदी ने ने कहा कि 2014 में 26 मई को मुझे पहली बार देश के प्रधानमंत्री के रूप में शपथ लेने का

भारत चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका

अब हमें अपने देश के ब्रांड पर गर्व करना है

में 11वें स्थान पर थी। इस दौरान हमने कोरोना से लड़ाई लड़ी, पड़ोसियों से भी मुसीबतें झेलीं। प्राकृतिक आपदा भी झेली इसके बावजूद इतने कम समय में हम 11वें नंबर की अर्थव्यवस्था से चौथे नंबर की अर्थव्यवस्था बनने में कामयाब रहे। पीएम ने कहा कि हम विकास चाहते हैं, प्रगति चाहते हैं। पीएम ने कहा, हमारा लक्ष्य है, 2047 में हिंदुस्तान को विकसित होना ही चाहिए। हम आजादी के 100 साल ऐसे मनाएंगे कि दुनिया में विकसित भारत का झंडा फहरता रहेगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि पहलगाम हिंसा और ऑपरेशन सिंदूर का संदर्भ लेते हुए कहा, शरीर कितना भी सेहतमंद क्यों न हो, अगर कांटा चुभता

हमने तय कर लिया है कि उस कांटे को निकाल कर ही दम लेंगे। आतंकवादियों ने जब पीओके पर अवैध कब्जा किया, अगर उसी दिन उन मुजाहिदीनों को मौत के घाट उतार दिया गया होता तो आज ये हालात न होते। सरदार पटेल चाहते थे कि जब तक पीओके हमें वापस न मिल जाए, सेना वापस नहीं आनी चाहिए, लेकिन उनकी बात नहीं मानी गई। मैं दो दिन से गुजरात में हूं। कल वडोदरा, दाहोद, भुज, अहमदाबाद और आज गांधीनगर में हूं। मैं जहां-जहां गया वहां गर्जना करता सिंदूरिया सागर और लहराता तिरंगा जन-जन के हृदय में मातृभूमि के प्रति अपार प्रेम और देशभक्ति का ज्वार देखने को मिल रहा है। ये दृश्य सिर्फ गुजरात में नहीं है, हिंदुस्तान के कोने-कोने में है, हर हिंदुस्तानी के दिल में है। यह अविस्मरणीय है।

प्रधानमंत्री ने कहा, मुजाहिदीनों के मुंह में खून लग गया था। यह सिलसिला 75 साल से चल रहा है। पहलगाम में भी उसी का विकृत रूप था। 75 साल तक हम इसे झेलते रहे। पाकिस्तान के साथ जब-जब युद्ध की नौबत आई, हर बार भारत की सैन्य शक्ति ने पाकिस्तान को धूल चटा दी। पाकिस्तान समझ गया कि लड़ाई में वह भारत से जीत नहीं सकता। इसीलिए उसने छद्म-युद्ध (प्रॉक्सी-वार) का सहारा लिया। उसने आतंकी तैयार करने शुरू किए। उन्हें भारत भेजने लगा। हम जब उनके आतंकियों को घर में घुसकर मारते हैं तो वे सम्मान के साथ दहशतगर्दों को विदाई देते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि जब आतंकवाद के 9 ठिकानों को तय करके 22 मिनट में ध्वस्त कर दिया, तब सब कुछ कैमरे के सामने किया गया। ऐसा इसलिए कि यहां कोई सबूत न मांगने लगे। अब हमें सबूत नहीं देना पड़ा रहा है। सामने वाला खुद ही सबूत पर सबूत दे रहा है। 6 मई की रात जो लोग मारे गए, पाकिस्तान में उन जनाजों को स्टेट ऑनर दिया गया। उनके ताबूतों पर पाकिस्तान के झंडे लगाए गए, वहां की सेना ने उनको सैल्यूट किया। यह सिद्ध करता है कि आतंकवादी गतिविधि प्रॉक्सी-वार नहीं है, ये पाकिस्तान की सोची-समझी युद्ध की रणनीति है। आप वार ही कर रहे हैं, तो उसका जवाब भी वैसे ही मिलेगा। ▶10 पर

उपराष्ट्रपति धनखड़ ने दिया राष्ट्रीय सुरक्षा पर जोर

देश के लिए एकजुटता और स्वदेशी ताकत जरूरी

नई दिल्ली, 27 मई (एजेंसियां)। राज्यसभा इंटर्नशिप कार्यक्रम-चरण 7 के उद्घाटन सत्र में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने हमारी मानसिकता को बड़े पैमाने पर बदल दिया है। हम पहले से कहीं अधिक राष्ट्रवादी हुए हैं। उपराष्ट्रपति ने राष्ट्रीय सुरक्षा पर जोर दिया और कहा कि हमें एकजुट होने की जरूरत है। साथ ही राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए स्वदेशी ताकत से सम्पन्न होना भी जरूरी है। उन्होंने एक बार फिर ऑपरेशन सिंदूर की तारीफ की।

उपराष्ट्रपति एन्क्लेव में राज्यसभा इंटर्नशिप कार्यक्रम-चरण 7 के उद्घाटन सत्र में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने हमारी मानसिकता को बड़े पैमाने पर बदल दिया है। हम पहले से कहीं अधिक राष्ट्रवादी हुए हैं। यह हमारे शांति के संदेश और आतंकवाद के प्रति हमारी पूर्ण असहिष्णुता को बढ़ावा देने के लिए विदेश गए प्रतिनिधिमंडलों में सभी राजनीतिक परिदृश्यों की भागीदारी में परिलक्षित होता है।

उन्होंने कहा, हाल की घटनाओं को देखते हुए हमारे पास एकजुट रहने और मजबूत होने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए हमें स्वदेशी ताकत की आवश्यकता है। युद्ध को ताकत की स्थिति में टाला जाना चाहिए। शांति तब सुरक्षित होती है जब आप युद्ध के लिए हमेशा तैयार रहते हैं और इसलिए ताकत तकनीकी कौशल, पारंपरिक हथियारों के अलावा लोगों से भी आती है।

उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने मंगलवार को नेत्र रोग विशेषज्ञ एमएल राजा को एक साल के लिए डॉ एस राधाकृष्णन चेयर के लिए नामित किया। डॉ. एस राधाकृष्णन चेयर की स्थापना 2009 में राज्य सभा द्वारा भारत में संसदीय लोकतंत्र के विभिन्न पहलुओं पर अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए हुई थी। इस चेयर की शुरुआत प्रथम उपराष्ट्रपति के नाम पर हुई। जो बाद में राष्ट्रपति बने। धनखड़ के कार्यकाल के दौरान इसे क्रियाशील बनाया गया था। उपराष्ट्रपति ने कहा कि राजा एक नेत्र रोग विशेषज्ञ, पुरालेख विशेषज्ञ, पुरातत्वविद् और इतिहासकार के रूप में असाधारण बहु-विषयक विशेषज्ञता लेकर आए हैं। वे वर्तमान में अविनाश (एकेडमी ऑन वाइब्रेंट नेशनल आर्ट्स एंड साइंटिफिक हेरिटेज) और रिच ▶10 पर

ऑपरेशन सिंदूर की वार-रूम बुकलेट जारी

सैन्य समन्वय की बेहतरीन बानगी

नई दिल्ली, 27 मई (एजेंसियां)। भारतीय सेना ने हाल ही में ऑपरेशन सिंदूर को लेकर खास किताब (बुकलेट) निकाली है। इस किताब में पहली बार उस खास कमरे की तस्वीरें दिखाई गई हैं, जहां से इस बड़े ऑपरेशन पर नजर रखी जा रही थी। इन तस्वीरों में आप देखेंगे कि सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी, नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी और वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह मिलकर इस ऑपरेशन पर लगातार ध्यान दे रहे थे। यह दिखाता है कि हमारी तीनों सेनाएं किस प्रकार एकजुट होकर समन्वय के साथ काम करती हैं।

यह खास कमरा असल में भारतीय सेना का कमांड सेंटर था। ▶10 पर

सुप्रीम कोर्ट का नया फरमान, आपको कर देगा हैरान

नाबालिग वोट नहीं दे सकते लेकिन सेक्स कर सकते हैं..!

नई दिल्ली, 27 मई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट भारतवर्ष की सांस्कृतिक सामाजिक संरचना को तहस-नहस करने पर तुला है। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से कहा है कि वह प्रोटेक्शन ऑफ चिल्ड्रन फ्रॉम सेक्सुअल ऑफेंसेज कानून यानि पॉक्सो एक्ट में संशोधन करे, ताकि नाबालिगों (18 साल से

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र से कहा पॉक्सो एक्ट में संशोधन करें

कम) के सेक्स संबंध अपराध की श्रेणी में नहीं आएं। सुप्रीम कोर्ट का यह मानना है कि 18 साल से कम उम्र के बच्चे सहमति से यौन संबंध बनाने का निर्णय लेने के योग्य होते हैं। सुप्रीम कोर्ट की यह न्यायिक समझदारी तब कहां चली जाती है, जब चुनाव आयोग वोट डालने की न्यूनतम उम्र 18 साल तय करता है?

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से आग्रह किया है कि वह POCSO एक्ट में संशोधन पर विचार करे। कोर्ट का कहना है कि सरकार को यह जांचना चाहिए कि क्या इस कानून का उपयोग उन किशोरों के खिलाफ नहीं किया जाना चाहिए जो आपसी सहमति से संबंध बनाते हैं।

वोट डालने की न्यूनतम उम्र पहले 21 साल थी, जिसे घटा कर 18 साल कर दिया गया। चुनाव आयोग ने यह माना कि 18 साल की उम्र तक वोट डालने और अपना प्रतिनिधि चुनने की समझदारी आ जाती है। तब सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग से यह क्यों नहीं कहा था कि 14 साल की उम्र में सेक्स संबंध बनाने का

नाबालिग सहमति से सेक्स करें तो वह अपराध नहीं होगा

निर्णय लेने की समझ आ जाती है तो वोट देने का अधिकार भी 14 साल पर ही तय किया जाए। सुप्रीम कोर्ट का ऐसा रवैया चलता रहा तो आप समझ लें कि इस देश को भारी अराजकता की ओर जाने से कोई नहीं रोक सकता। ▶10 पर

बीएसएफ की महिला जवानों ने दिखाया पराक्रम

सांबा में पोस्ट का नाम सिंदूर रखने का प्रस्ताव

जम्मू, 27 मई (ब्यूरो)। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान बीएसएफ की महिला कर्मियों ने अग्रिम ड्यूटी चौकियों पर बहादुरी के साथ लड़ाई लड़ी। बहादुर महिला कर्मियों और सहायक कमांडेंट नेहा भंडारी ने एक अग्रिम चौकी की कमान संभाली। कांस्टेबल मंजीत कौर, कांस्टेबल मलकीत कौर, कांस्टेबल ज्योति, कांस्टेबल सम्पा और कांस्टेबल स्वप्ना और अन्य ने इस ऑपरेशन के दौरान पाकिस्तान के खिलाफ अग्रिम चौकियों पर लड़ाई लड़ी। जम्मू में बीएसएफ के आईजी जम्मू शशांक आनंद ने यह जानकारी दी। आईजी ने बताया, पाकिस्तान की ओर से बीएसएफ चौकियों पर ड्रोन हमले और गोलाबारी में हमने ▶10 पर

जीतो बेंगलूरु साउथ द्वारा टॅली प्राइम विद जीएसटी विशेषज्ञता कार्यक्रम का शुभारंभ

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
आज के तेजी से बदलते व्यवसायिक जगत में, विकास और सफलता के लिए वित्तीय प्रबंधन अत्यंत महत्वपूर्ण है। इस आवश्यकता को पूरा करने के लिए जीतो बेंगलूरु साउथ, जीतो सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीएफई) के तत्वावधान में, एक 3-सप्ताह, 5-दिवसीय, 30-घंटे का टॅली प्राइम विद जीएसटी स्पेशलाइजेशन कार्यक्रम शुरू किया है। इस व्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य व्यवसायियों को वित्तीय प्रबंधन की आवश्यक कौशल और ज्ञान से सशक्त बनाना है, जिससे वे प्रतिस्पर्धी व्यवसायिक परिदृश्य में आगे रह सकें। यह कार्यक्रम उच्च मांग वाले क्षेत्र में रोजगार के अवसर पैदा करने के लिए भी डिजाइन किया गया है। कार्यक्रम का शुभारंभ नवकार मंत्र के पाठ के साथ हुआ, जिसके बाद हितेंद्र जैन, कन्वीनर (सीएफई) ने स्वागत भाषण दिया।

हितेंद्र जैन ने सीखने की प्रक्रिया में ध्यान और सावधानी के महत्व पर जोर दिया और वेन्यू पार्टनर के रूप में सहयोग के लिए ईआईएमआर बिजनेस स्कूल को धन्यवाद दिया। दीपक कुमार श्रीश्रीमाल, ईआईएमआर बिजनेस स्कूल के संस्थापक और जीतो बेंगलूरु साऊथ के पूर्व मुख्य सचिव ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि इस पाठ्यक्रम को अपने करियर के विकास और पेशेवर विकास के लिए चुनना बहुत महत्वपूर्ण है। सुप्रित, निदेशक एनआईसीटी ने इस बात पर जोर दिया कि सीखे गए कौशल को कहाँ और कैसे लागू करना है, यह जानना बहुत महत्वपूर्ण है। प्रशिक्षक, माधुरी, और तकनीकी सहायक आनंद, कार्यक्रम के दौरान विशेषज्ञ मार्गदर्शन और समर्थन प्रदान करेंगे।

प्रकित गांधी, सचिव ने प्रतिभागियों को कक्षा में सिखाई गई कौशल को सीखने और लागू करने के लिए प्रोत्साहित किया। रणजीत सोलंकी, चेयरमैन जीतो बेंगलूरु साउथ और नितिन लुनिया, मुख्य सचिव जीतो बेंगलूरु साउथ ने इस समय पर कार्यक्रम के आयोजन के लिए टीम को बधाई दी। अन्य गणमान्य उपस्थित लोगों में रौनक गुलेच्छा और श्विजय मेहता, जीतो बेंगलूरु साउथ की प्रबंधन समिति के सदस्य शामिल थे।

40 प्रतिभागी इस कार्यक्रम में भाग ले रहे हैं, जो टॅली द्वारा प्रमाण पत्र जारी करने के साथ समाप्त होगा, जिससे उनके प्रोफाइल में मूल्य जुड़ जाएगा। जीतो बेंगलूरु साउथ का उद्देश्य अपने सदस्यों और समाज के बीच उद्यमिता, नवाचार और विकास को बढ़ावा देना है। जीतो सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीएफई) जीतो की एक प्रमुख पहल है जिसका उद्देश्य अपने सदस्यों और समुदाय के लिए प्रशिक्षण और विकास कार्यक्रम प्रदान करना है।

अमावस्या पर जरूरतमंदों को कराया भोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
यहां के मैसूरु बैंक सर्कल स्थित श्रीहनुमान मंदिर के समीप में श्री गुरु गणेश सेवा समिति कर्नाटक बेंगलूरु (रजि.) द्वारा प्रतिमाह की अमावस्या को आयोजित की जाने वाली महाप्रसादी का 88वां आयोजन मंगलवार को संपन्न हुआ, जिसमें करीब साढ़े तीन हजार से अधिक जरूरतमंद लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। समिति के मासिक सदस्यों के सौजन्य से हुए इस आयोजन की जानकारी देते हुए अध्यक्ष किरण चन्द बोहरा ने बताया कि इस दौरान महाप्रसादी में सेवा देने वालों में स्वयं समिति के चेयरमैन गौतमचंद धारीवाल, मनोहर लाल बाफना, प्रकाशचंद बाफना, मानमल बाफना, राजू आंचलिया, मंजूनाथ राव, गौतमचंद मरलेचा, प्रकाश ओस्तवाल, विनोद चोरड़िया, यशवंत सालेचा, अनिल बाफना, मयूर बाफना, दर्श धारीवाल आदि सेवा हेतु उपस्थित थे। कार्यक्रम की शुरुआत में संतश्री गणेशलालजी को याद कर सामूहिक नवकार मंत्र का उच्चारण व मंगल पाठ किया गया। उन्होंने बताया कि महाप्रसादी का वितरण हर मास की अमावस्या पर अनेक लाभार्थी परिवारों की ओर से मैसूरु बैंक सर्किल, एवेन्यू रोड पर सफलता पूर्वक होता है। महाप्रसादी का यह अभिनव कार्यक्रम सभी गुरु भगवंतों की प्रेरणा से चल रहा है। समिति के कोषाध्यक्ष मनोहर लाल बाफना ने अन्नदान के दौरान करीब चार से पांच घंटे तक के कार्यक्रम में सेवा देने वाले समस्त जनों को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए आभार जताया।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। *अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की राष्ट्रीय अध्यक्ष सरिता डागा, महामंत्री नीतू ओस्तवाल एवं विजयनगर महिला मंडल अध्यक्ष मंजू गादिया, मंत्री दीपिका गोखरू, गांधीनगर सभा के पूर्व संगठन मंत्री प्रकाश मांडोत ने राज्यपाल थावरचंद गहलोत से शिष्टाचार भेंट की। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने अभातेमम की योजनाओं एवं कार्यों से राज्यपाल को अवगत कराया तथा नारीलोक एवं साहित्य भेंट की।*

जेपीएन प्रीमियर लीग का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
जेपीएन प्रीमियर लीग 2025 (जेपीएल-2025), एक उच्च-ऊर्जा बॉक्स क्रिकेट टूर्नामेंट, जेपीएन बेंगलूरु साउथ और जेपीएन नॉर्थ द्वारा जेपीएन ट्रेंडसेटर अचीवर्स के नेतृत्व में पासे अकादमी बेंगलूरु में सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। इस आयोजन में 150 से अधिक जेपीएन सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जिन्होंने 12 प्रतिस्पर्धी टीमों का गठन किया। सभी प्रतिष्ठित चैंपियनशिप ट्रॉफी के लिए प्रतिस्पर्धा कर रहे थे। कार्यक्रम नवकार महामंत्र के आह्वान के साथ शुरू हुआ। यश जैन ने गणमान्य व्यक्तियों और प्रतिभागियों का स्वागत किया, जबकि ध्वज छजेड़ और जितेंद्र खिमसुरा ने कार्यक्रम का प्रबंधन किया। उन्होंने सदस्यों से विभिन्न जेपीएन अध्यायों में नेटवर्किंग के अवसरों का अधिकतम लाभ उठाने का आग्रह किया। भाग लेने वाली 12 टीमों में मैजिक फेयर्स अचीवर्स, किंग्स नाइट राइडर्स, सिनअप सुपरस्टार्स, जस्ट इन्वेस्ट वॉरियर्स, एम क्यूब टाइटन्स, एचवीएसी स्ट्राइकर्स, एडवांटेज - द रॉयल स्ट्राइकर्स, यूनिकॉर्न वॉरियर्स, सैफायर स्टैलियंस, बीटीएस सुपर स्ट्राइकर्स, जीत द सुपर किंग्स, रुद्राक्ष किंग्स शामिल थी। कार्यक्रम के पेबल आर्किटेक्ट्स टाइटल स्पॉन्सर, मातुश्री गोल्ड जर्सी स्पॉन्सर, फूड स्पॉन्सर, रामदेव ग्रुप, निवीरा प्रोडक्शंस मीडिया स्पॉन्सर,

स्वामित्व ग्रुप ट्रॉफी स्पॉन्सर थे। अमित जैन और मयंक नागोरी के नेतृत्व में मैजिक फेयर्स अचीवर्स ने जीत हासिल की। जीत जैन और दर्श सियाल के नेतृत्व में जीत द सुपर किंग्स उपविजेता रही।

दर्श सियाल को मैन ऑफ द सीरीज चुना गया, जबकि मोक्ष जैन को सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज और यश जैन को सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज चुना गया। विभा को महिला ऑफ द सीरीज चुना गया। जेपीएन प्रीमियर लीग 2025 एक भव्य सफलता थी, जिसमें जेपीएन सदस्यों के बीच खेल भावना, टीम वर्क और सौहार्द का प्रदर्शन किया गया। इस आयोजन ने विभिन्न जेपीएन अध्यायों में नेटवर्किंग और संबंध बनाने के लिए एक अद्वितीय अवसर प्रदान किया।

भारी बारिश के कारण ग्रामीण मेंगलूरु में व्यापक बिजली आपूर्ति बाधित

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
पिछले चार-पांच दिनों से लगातार हो रही बारिश के कारण पुत्तूर तालुक के कई ग्रामीण इलाकों में बिजली की भारी कमी के कारण अंधेरा छा गया है। इनमें सुल्लिया, बेल्टांगडी और कडाबा शामिल हैं। मानसून की पहली भारी बारिश के कारण पेड़ गिर गए और बिजली के खंभे उखड़ गए, जिससे ग्रामीण बिजली आपूर्ति व्यवस्था पूरी तरह से अस्त-व्यस्त हो गई। मेस्कॉम विभाग में लाइनमैन की कमी के कारण बिजली की बहाली में काफी देरी हो रही है, जिससे लोगों में निराशा बढ़ रही है। ईश्वरमंगला और आसपास के गांवों के निवासी पिछले तीन दिनों से मेस्कॉम से शिकायत कर रहे हैं और तत्काल समाधान की मांग कर रहे हैं। हालांकि, लगातार बारिश के कारण मरम्मत के काम में बाधा आ रही है, जिससे

विभाग के कर्मचारियों को स्थिति को संभालने में काफी मशक्कत करनी पड़ रही है। शहरी सीमा के भीतर भी, पहली भारी बारिश के कारण मामूली भूस्खलन हुआ है। रविवार को शहर के कई इलाकों में दीवारें और मिट्टी ढह गई। घटनाओं में नगरपालिका परिसर के पास भूस्खलन, परलाडका सर्किल के पास मिट्टी का कटाव, महिला पुलिस स्टेशन के पास आंशिक इमारत का गिरना और जीएलओ वन मॉल के पास नुकसान शामिल है। आगे भी भारी बारिश की आशंका के चलते भूस्खलन की संभावना है, जिससे स्थानीय अधिकारियों से त्वरित कार्रवाई की मांग की जा रही है। पुत्तूर विधायक अशोक राय ने कहा कि उन्हें ग्रामीण क्षेत्रों के निवासियों से लगातार फोन कॉल आ रहे हैं, जिसमें लंबे समय तक बिजली कटौती की शिकायत की जा रही है। हालांकि, जूनियर इंजीनियरों को किए गए कॉल अक्सर अनुत्तरित रहते हैं, उनके फोन बंद रहते हैं। विधायक ने कहा कि उन्होंने तुरंत पुत्तूर डिवीजन के मेस्कॉम के कार्यकारी अभियंता से संपर्क किया और समस्याओं के त्वरित समाधान का निर्देश दिया। उन्होंने आगे निर्देश दिया कि यदि अतिरिक्त श्रमिकों, वाहनों, उपकरणों या मशीनरी की आवश्यकता है, तो उन्हें प्राप्त करने के लिए तुरंत कदम उठाए जाने चाहिए। अशोक राय ने कहा मैं अपनी ओर से जो भी सहायता आवश्यक होगी, वह प्रदान करूंगा, लेकिन किसी भी परिस्थिति में लोगों को अंधेरे में नहीं छोड़ा जाना चाहिए। मैंने निर्देश दिया है कि किसी भी विभाग का कोई भी अधिकारी अपना फोन बंद न रखे। पुत्तूर डिवीजन के मेस्कॉम के कार्यकारी अभियंता रामचंद्र ए के अनुसार, पहली बारिश के दौरान बिजली की समस्याओं का समाधान करना विशेष रूप से चुनौतीपूर्ण है। गर्मियों के दौरान, बिजली की लाइनें सूख जाती हैं, और अचानक बारिश शुरू होने से नमी केबलों को प्रभावित करती है, जिससे फॉल्ट हो जाते हैं। मेस्कॉम विभाग को पहले ही हाई अलर्ट पर रखा गया है। किसी भी कर्मचारी को छुट्टी नहीं दी गई है, और मरम्मत के काम में तेजी लाई जा रही है। वर्तमान में, विभाग में आवश्यक लाइनमैन के केवल 50 प्रतिशत ही उपलब्ध हैं। हालांकि, 53 गैंगमैन तैनात किए गए हैं, और समस्याओं को ठीक करने के लिए काम चल रहा है। कार्यभार को प्रबंधित करने के लिए, मरम्मत के काम भी आउटसोर्स किए जा रहे हैं। उन्होंने आश्वासन दिया कि सामान्य स्थिति बहाल करने के प्रयास जोरों पर हैं और अगले दो दिनों के भीतर अधिकांश क्षेत्रों में बिजली की आपूर्ति बहाल कर दी जाएगी।

मंत्री मुनियप्पा ने 101 जाति समुदायों से अपनी पैतृक जातियों को पंजीकृत करने की अपील की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
राज्य के खाद्य मंत्री के.एच. मुनियप्पा ने कहा है कि आंतरिक आरक्षण के क्रियान्वयन पर किए जा रहे व्यापक सर्वेक्षण में सभी 101 जाति समुदायों को अपनी मूल जाति दर्ज करानी चाहिए। वह आरबी थिम्मापुरा के नेतृत्व में गांधी भवन में आयोजित बृहत बेंगलूरु महानगर पालिका क्षेत्र के मडिगा नेताओं की बैठक में बोल रहे थे। न्यायमूर्ति एच.एन. नागमोहनदास की अध्यक्षता वाले एकल सदस्यीय आयोग के निर्देशों के अनुसार, सरकार अनुसूचित जातियों का व्यापक सर्वेक्षण कर रही है और तदनुसार, संबंधित क्षेत्रों के नेताओं को बेंगलूरु शहर की सीमाओं के भीतर और अधिक सर्वेक्षण करने का निर्देश दिया गया है। मंत्री ने सभी नागरिकों से सर्वेक्षण में भाग लेने और ऑनलाइन पंजीकरण करने

की अपील की, क्योंकि अब तक 45 प्रतिशत सर्वेक्षण बेंगलूरु शहर में और 84 प्रतिशत पूरे राज्य में आयोजित किया गया है। यह सर्वेक्षण 5 मई से घर-घर जाकर किया जा रहा है तथा 29 मई तक चलेगा। ऑनलाइन पंजीकरण 1 जून तक खुला है और तदनुसार, 101 अनुसूचित जाति समुदायों ने नेताओं से अपनी पैतृक जातियों को पंजीकृत करने की अपील की है। यह समुदाय के अस्तित्व या विलुप्ति का प्रश्न है। यह आंतरिक आरक्षण बच्चों के भविष्य तथा समुदायों के आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक सशक्तिकरण के लिए आवश्यक है। उन्होंने कहा कि किसी भी व्यक्ति की उपेक्षा न की जाए तथा व्यापक सर्वेक्षण में मूल जातियों के नाम ही दर्ज किए जाएं। इससे पहले, पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की स्मृति में उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर पूर्व मंत्री एच. अंजनेय, पूर्व सांसद चंद्रप्पा, पूर्व विधायक धर्मसेन, सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी गोनल भीमप्पा, तेगनूर, बाबूराम हुदाबी, भीमाशंकर, नेता कोगिलु वेंकटेश, आर लोकेश, विजयसिम्हा, गौतम, नारायण डोडेरी वेंकटेश, मुत्तुराज और समुदाय के नेता उपस्थित थे।

पार्टी विरोधी गतिविधियों का मामला

भाजपा ने विधायक एस टी सोमशेखर और शिवराम हेब्बार को छह साल के लिए निष्कासित किया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की कर्नाटक इकाई ने एक निर्णायक कदम उठाते हुए वरिष्ठ विधायकों एस टी सोमशेखर और शिवराम हेब्बार को पार्टी विरोधी आचरण जारी रखने का हवाला देते हुए छह साल की अवधि के लिए निष्कासित कर दिया है। यह घोषणा मंगलवार को राज्य पार्टी अध्यक्ष बी वाई विजयेंद्र ने की। विजयेंद्र के अनुसार, पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व के साथ व्यापक चर्चा के बाद यह कार्रवाई की गई। उन्होंने कहा आलाकमान द्वारा उचित विचार-विमर्श के बाद यह निर्णय लिया गया। यशवंतपुर से विधायक सोमशेखर और येल्लापुर का प्रतिनिधित्व करने वाले हेब्बार दोनों ही राजनीतिक दिग्गज हैं, जिन्होंने 2019 के राजनीतिक उथल-पुथल में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, जिसके कारण कांग्रेस-जद (एस) गठबंधन टूट गया और भाजपा सरकार बनी। उस समय वे कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हुए थे। हालांकि, एक राजनीतिक मोड़ में, दोनों नेताओं को हाल ही में कांग्रेस के नेतृत्व वाली घटनाओं के साथ खुद को जोड़ते हुए देखा गया है और उन्होंने सार्वजनिक रूप से मौजूदा राज्य सरकार को समर्थन दिया है।

अधिक तीव्र मानसून ने राज्य के तटीय और दक्षिणी आंतरिक भागों में जनजीवन को अस्त-व्यस्त किया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
कर्नाटक के तटीय और दक्षिणी आंतरिक भागों में लगातार बारिश ने पिछले साल की तुलना में समय से पहले और अधिक तीव्रता से दस्तक दी, जिससे सोमवार को सामान्य जनजीवन प्रभावित हुआ। रविवार देर रात से लेकर सोमवार शाम तक कर्नाटक के विभिन्न भागों में बारिश से संबंधित चार मौतें दर्ज की गईं। बेलगावी जिले के गोकक में सोमवार की सुबह दीवार गिरने से तीन वर्षीय बच्ची कीर्ति नागेश पाटिल की मौत हो गई। चिक्कमगलूरु जिले के सकलेशपुर तालुक में बागे के पास एनएच 75 पर सोमवार को एक कार के दुर्घटनाग्रस्त होने से बेंगलूरु के दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। भारी बारिश को दुर्घटना का एक कारण बताया जा रहा है। मृतकों की पहचान 27 वर्षीय अभिषेक और 28 वर्षीय शरत के रूप में हुई है। वे दो अन्य लोगों के साथ धर्मस्थल जा रहे थे। रविवार देर रात चिकमगलूरु जिले से ही एक अन्य घटना सामने आई, जिसमें कोप्पा

तालुक के गडीकल के पास ऑटोरिक्शा पर पेड़ गिरने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। मलनाड और तटीय क्षेत्रों में सड़कें जलमग्न हैं, यातायात बाधित है और कई इलाके बिजली आपूर्ति में व्यवधान के कारण अंधेरे में डूबे हुए हैं क्योंकि तेज हवाओं के कारण बिजली के खंभे उखड़ गए हैं। इन क्षेत्रों में कई घरों के क्षतिग्रस्त होने की खबरें हैं। दक्षिण कन्नड़ जिला प्रशासन ने भारी बारिश के मद्देनजर जिले के सभी प्री-यूनिवर्सिटी कॉलेजों, स्कूलों और आंगनवाड़ियों में मंगलवार और बुधवार को छुट्टी घोषित कर दी। चिकमगलूरु जिला प्रशासन ने भारी बारिश वाले तालुकों में आंगनवाड़ियों में बुधवार तक छुट्टी घोषित कर दी। प्रशासन ने पर्यटकों और अन्य लोगों को सलाह दी है कि वे ट्रेकिंग पर न जाएं और नदियों में न जाएं। लगातार हो रही बारिश के कारण शिरडी घाट (एनएच75) में भूस्खलन हुआ है, जो बेंगलूरु और मेंगलूरु को जोड़ता है। इस सड़क पर हर दिन हजारों वाहन चलते हैं। पिछले दो दिनों से वाहनों की आवाजाही बुरी तरह प्रभावित हुई है। कई वाहन घंटों तक राजमार्ग पर फंसे रहे। स्थानीय अधिकारियों ने वाहनों को एकतरफा जाने की अनुमति देकर यातायात को नियंत्रित किया, और परिणामस्वरूप, यात्रियों को मार्ग पार करने में अधिक समय लगा। 1 जनवरी से 26 मई, 2025 तक मौसमी संचयी वर्षा के अनुसार, कर्नाटक में 99.8 मिमी की सामान्य वर्षा के मुकाबले 257.6 मिमी वर्षा हुई, जिसमें 158 मिमी की गिरावट आई।

भाजपा के सत्ता में आने से पहले इतना भ्रष्टाचार नहीं था: सीएम सिद्धरामैया

स्वर्गीय जवाहरलाल नेहरू की स्मृति में कार्यक्रम आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राज्य के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने भाजपा और आरएसएस पर तीखा हमला करते हुए उन्हें पूंजीपति और पृथ्वी पर सबसे भ्रष्ट बताया है। केपीसीसी द्वारा पार्टी कार्यालय में आयोजित देश के प्रथम प्रधानमंत्री स्वर्गीय जवाहरलाल नेहरू की स्मृति में आयोजित कार्यक्रम में बोलते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा के सत्ता में आने से पहले इतना भ्रष्टाचार नहीं था। 1983 तक कांग्रेस सत्ता में थी। भ्रष्टाचार नियंत्रण में था। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा के सत्ता में आने के बाद भ्रष्टाचार बढ़ गया है। नेहरू परिवार अत्यधिक धनवान था। उन्होंने सब कुछ एक तरफ रख दिया और देश की सेवा के लिए आगे आये। नेहरू मूलतः समाजवादी थे, लेकिन प्रधानमंत्री बनने के बाद उन्होंने अपनी विचारधारा से समझौता नहीं किया। उन्होंने पूंजीवादी और समाजवादी विचारधाराओं के मिश्रण के साथ देश को आगे बढ़ाया। उन्होंने कहा कि अगर देश की समस्याओं का समाधान हुआ है तो वह सिर्फ कांग्रेस से हुआ है, भाजपा से नहीं। नेहरू ने योजना आयोग बनाया, सार्वजनिक उद्यम स्थापित किए, बांध बनवाए तथा कृषि और उद्योग को आधुनिक और वैज्ञानिक स्पर्श दिया। वह एक महान प्रतिभाशाली व्यक्ति और

अर्थशास्त्र विशेषज्ञ थे। उन्होंने कहा कि इसी कारण देश को मजबूत आधार मिला है। स्वतंत्रता के समय हम ऐसी स्थिति में थे कि हमें भोजन के लिए अन्य देशों की ओर रुख करना पड़ता था। नेहरू द्वारा उठाए गए कदमों के कारण खाद्यान्न आत्मनिर्भरता हासिल करना और अन्नभाग्य को लागू करना संभव हो सका। नेहरू, जो अपनी अंतिम सांस तक 17 वर्षों तक प्रधानमंत्री रहे, ने देश को आर्थिक, सामाजिक और औद्योगिक रूप से ऊर्जावान बनाया। भाजपा नेहरू का नाम मिटाने की पुरजोर कोशिश कर रही है। भाजपा के ग्राहक, जिन्होंने आजादी की लड़ाई नहीं लड़ी, हमें देशभक्ति का पाठ पढ़ाते हैं। भाजपा अचानक सरदार वल्लभभाई पटेल, सुभाष चंद्र बोस और अंबेडकर के प्रति प्रेम दिखाने लगी है। वे कांग्रेस पर अंबेडकर को हराने का झूठा आरोप लगाते हैं। अंबेडकर ने स्वयं लिखा था कि उन्हें हिंदू महासभा के अध्यक्ष सावरकर और कम्युनिस्ट डांगे ने हराया था।

विधान परिषद में विपक्ष के मुख्य सचेतक रवि कुमार ने भाषण देते हुए कहा कि कलबुर्गी जिले के डिप्टी कमिश्नर पाकिस्तान से आये होंगे। उन्होंने वहां मौजूद लोगों की तालियां बजाने के लिए आलोचना की। भाजपा हिंसा भड़का रही है। उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार, जो कि केपीसीसी के अध्यक्ष भी हैं, ने कहा नेहरू के बारे में कई दिनों तक बात करने के लिए पर्याप्त चीजें हैं। तुम्हें खुद पर भरोसा करना होगा। नेहरू ने कहा था कि तब सब कुछ अपने आप चलता रहेगा। घड़ी देखकर समय मत गिनें। नेहरू ने कहा अपने पास उपलब्ध समय में आपने क्या हासिल किया है, इसकी गणना करें।

नेहरू परिवार ने दिल्ली सहित कई स्थानों पर स्थित अपनी सैकड़ों करोड़ रुपए की संपत्ति सरकार को बट्टे खाते में डाल दी है। आज की भाजपा सरकार ईडी केस दर्ज करके नेहरू परिवार को परेशान कर रही है। नेहरू के बिना कोई देश नहीं है। उन्होंने बेंगलूरु में एचएएल सहित कई सार्वजनिक उद्यम शुरू किये। अम्बेडकर द्वारा लिखित संविधान देश का पाठ है। यह नेहरू ही थे जिन्होंने अंबेडकर को मान्यता दी और उन्हें कानून मंत्री बनाया। अंबेडकर ने उन्हें संविधान निर्माण की जिम्मेदारी सौंपी, चाहे वह चुनाव जीते या हारे। उन्होंने कहा कि देश को जिस दिशा में विकास करना चाहिए, वह पंचवर्षीय योजनाओं के माध्यम से दी गई है।

नेहरू के योगदान को भुलाया नहीं जा सकता। कांग्रेसियों को भाजपा की आलोचना का जवाब विकास परियोजनाओं के माध्यम से देना होगा। शिक्षा, सूचना, रोजगार अधिकार, भूमि अधिकार, ये सभी कांग्रेस की देन हैं। नेहरू और इंदिरा गांधी के दौर में विदेश नीति अच्छी थी। उन्होंने आलोचना करते हुए कहा कि अब कोई भी देश भारत के साथ नहीं है।

बुधवार प्रातः 9 बजे टाउन हॉल में जय हिन्द सभा का आयोजन किया जाएगा। प्रदेश प्रभारी के.सी.वेणुगोपाल समेत सभी प्रमुख नेता भाग लेंगे। यह देश के लिए लड़ने वाले सैनिकों के लिए आयोजित कार्यक्रम है। कांग्रेस के कार्यक्रम में आने वाले पार्टी नेताओं को हॉल के बाहर बैठकर कार्यक्रम देखना चाहिए। पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं को अंदर जाने की अनुमति नहीं है। टाउन हॉल की क्षमता 1200 सीटों की है, जिनमें सभी पर पूर्व सैनिक बैठेंगे। मैं पार्टी सदस्यों को सूचित कर रहा हूं। सभी को आकर आगे न बैठने की हिदायत दी गई।

बढ़ते मामलों के बीच कर्नाटक में कोविड-19 परीक्षण अनिवार्य किया गया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कोविड-19 मामलों में हाल ही में हुई वृद्धि के मद्देनजर, कर्नाटक स्वास्थ्य विभाग ने पूरे राज्य में कोविड-19 परीक्षण अनिवार्य करने के लिए नए दिशा-निर्देश जारी किए हैं। पिछले दो दिनों में भारत में नए मामलों और मौतों की सूचना के साथ, अधिकारियों ने नागरिकों से मास्क पहनने और सामाजिक दूरी बनाए रखने का आग्रह किया है। संभावित नए लॉकडाउन के बारे में चिंताएँ सामने आने के बावजूद, स्वास्थ्य अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि घबराने की कोई जरूरत नहीं है। हालाँकि, एहतियात के तौर पर अब परीक्षण अनिवार्य कर दिया गया है।

स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी नए परिपत्र के अनुसार, सभी एसएआरआई (गंभीर तीव्र श्वसन संक्रमण) मामलों के लिए आरटी पीसीआर परीक्षण अनिवार्य है। तकनीकी सलाहकार समिति की सिफारिशों के आधार पर राज्य में प्रतिदिन 150 से 200 मामलों की जाँच का लक्ष्य निर्धारित करता है। सभी परीक्षण नमूने उसी दिन निर्दिष्ट प्रयोगशालाओं में जमा किए जाने चाहिए, और परीक्षण सख्ती से सरकारी प्रयोगशालाओं में ही किए जाने चाहिए। उपलब्ध कोविड-19 परीक्षण किट का उपयोग पहले-आओ-पहले-जाओ क्रम में किया जाना चाहिए, और यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं कि देरी या गलत तरीके से इस्तेमाल किए जाने के कारण किट अनुपयोगी न हो जाएँ। दिशा-निर्देशों में सभी गंभीर तीव्र श्वसन संक्रमण मामलों के लिए अनिवार्य आरटीपीसीआर परीक्षण अनिवार्य किया गया है। इसके अतिरिक्त, लक्षण दिखाने वाले बुजुर्ग व्यक्तियों, बच्चों और गर्भवती महिलाओं के लिए परीक्षण आवश्यक है। अधिकारियों ने यह भी निर्देश दिया है कि समय पर प्रसंस्करण और रिपोर्टिंग सुनिश्चित करने के लिए सभी एकत्र किए गए नमूने उसी दिन निर्दिष्ट प्रयोगशालाओं में पहुँच जाने चाहिए। मामलों में वृद्धि के साथ, अस्पतालों को गर्भवती और प्रसवोत्तर महिलाओं की निगरानी बढ़ाने के निर्देश दिए गए हैं। इस समूह के लिए कई अस्पतालों में कोविड-19 परीक्षण किए जा रहे हैं। लक्षण दिखने वालों को तुरंत चिकित्सा सहायता लेने की सलाह दी जाती है। गर्भवती महिलाओं और नई माताओं को अतिरिक्त सावधानी बरतने की सलाह दी जाती है, जिसमें नवजात शिशुओं पर किसी भी तरह के प्रभाव को रोकने के लिए मास्क पहनना और भीड़-भाड़ वाले इलाकों से बचना शामिल है। प्रसूति रोग विशेषज्ञों से चिकित्सा सलाह लेने की भी सिफारिश की जाती है। कोविड-19 मामलों में वृद्धि के बीच, राज्य ने परीक्षण फिर से शुरू कर दिया है। शुरुआत में सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पतालों और जिला अस्पतालों में जांच की जाएगी। विभाग ने बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए आठ आरटी-पीसीआर जांच प्रयोगशालाओं को फिर से खोलने का भी फैसला किया है।

स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडू राव ने कहा कि कोविड को लेकर बढ़ती चिंता के बीच चुनिंदा सरकारी अस्पताल जांच करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि कोविड के अधिकांश मौजूदा मामलों में केवल हल्के लक्षण होते हैं और उन्हें अस्पताल में भर्ती होने की आवश्यकता नहीं होती है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि मरीजों को घर पर ही रहना चाहिए, खासकर नई माताओं को, और एहतियात के तौर पर सभी को मास्क पहनना चाहिए। मंत्री ने कहा बेवजह घबराने की जरूरत नहीं है। मास्क पहनना हमारे लिए अच्छा है।

पूर्व क्रिकेटर अनिल कुंबले को वन विभाग का राजदूत नियुक्त किया गया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। वन, जीव और पर्यावरण मंत्री ईश्वर बी. खंड्रे ने कहा कि प्रसिद्ध खिलाड़ी और पूर्व क्रिकेटर अनिल कुंबले को वन और वन्यजीव राजदूत के रूप में नामित किया जाएगा।

एक संवाददाता सम्मेलन में बोलते हुए उन्होंने कहा कि अनिल कुंबले, जो पहले कर्नाटक वन्यजीव बोर्ड के उपाध्यक्ष के रूप में कार्य कर चुके हैं, दुनिया भर में प्रसिद्ध हैं और वे वन संरक्षण, वन पुनर्जनन, वृक्ष संरक्षण और वन्यजीव संरक्षण के बारे में जनता के बीच जागरूकता पैदा करेंगे। अनिल कुंबले को वन्यजीवों की बहुत चिंता है। उन्हें जंगल से बहुत प्यार है। उन्होंने स्पष्ट किया कि इसलिए वह बिना किसी पारिश्रमिक प्राप्त किए राजदूत बनने के लिए सहमत हो गए हैं।

विश्व ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन के प्रभावों का सामना कर रहा है। इस अवधि के दौरान हरित आवरण को बढ़ाना वन संरक्षण एवं प्रबंधन विभाग की जिम्मेदारी है। पिछले 2 वर्षों में लगभग 8848 वन महोत्सव आयोजित किये गये हैं। मंत्री ने विस्तार से बताया कि वन क्षेत्रों, सड़कों के किनारे और सरकारी भूमि पर लगभग 8.5 करोड़ पौधे लगाए गए हैं और उनका पोषण किया गया है तथा वर्ष 2023-24 और 2024-25 में कुल 120,975 हेक्टेयर वृक्षारोपण, 25 नए वृक्षारोपण और 35 दिव्य वन बनाए गए हैं। ईश्वर खंड्रे ने कहा कि पिछले 2 वर्षों में किसानों को उनकी अपनी भूमि और अन्य भूमि पर रोपण के लिए कुल 3.70 करोड़ पौधे वितरित किए गए हैं। संवाददाता सम्मेलन में वन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव अजुम परवेज, प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख मीनाक्षी नेगी सहित अन्य उपस्थित थे।

भारत चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बना: विजयेंद्र

प्रधानमंत्री मोदी को दी बधाई

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक बी.वाई. विजयेंद्र ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व के कारण भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में उभरा है। मल्लेश्वरम में भाजपा के प्रदेश कार्यालय जगन्नाथ भवन में मीडिया से बात करते हुए उन्होंने प्रधानमंत्री के रूप में 11 साल पूरे करने पर मोदी को बधाई दी। उन्होंने गुजरात के मुख्यमंत्री और भारत के प्रधानमंत्री के रूप में मोदी के शासन की प्रशंसा की और इस बात पर प्रकाश डाला कि उन्होंने देश का प्रभावी ढंग से नेतृत्व किया है। विजेंद्र ने कहा कि पिछले 11 वर्षों में मोदी के साहसिक नेतृत्व ने कई जन-केंद्रित योजनाएं शुरू की हैं, जिससे भारत जापान को पीछे छोड़कर चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। डिजिटल इंडिया, जन धन योजना, स्वच्छ भारत मिशन, मेक इन इंडिया, पीएम किसान सम्मान निधि, जल जीवन मिशन और स्टार्टअप इंडिया जैसी पहलों ने भारत के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने कर्नाटक के लिए मोदी के समर्थन पर जोर देते हुए कहा कि 2014 से राज्य को रेलवे विकास के लिए 2,702 करोड़ रुपये मिले हैं, जिसमें एनडीए-2 के दौरान विद्युतीकरण सहित 5,000 करोड़ रुपये से अधिक खर्च किए गए हैं। कर्नाटक को 10 वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनें और राजमार्ग विकास सहित कई क्षेत्रों में सहायता भी

दी गई है। उन्होंने कर्नाटक के लोगों की ओर से मोदी को बधाई दी। विजयेंद्र ने सिद्धरामैया के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार की आलोचना की और उस पर बार-बार तर्कहीन निर्णय लेने का आरोप लगाया। उन्होंने हाल ही में मोदी की अध्यक्षता में नीति आयोग की बैठक में सिद्धरामैया की अनुपस्थिति पर सवाल उठाया और बताया कि हिमाचल प्रदेश और तेलंगाना जैसे अन्य कांग्रेस शासित राज्यों के सीएम ने भी इसमें भाग लिया था। उन्होंने कहा कि बैठक में भाग न लेकर सिद्धरामैया ने कर्नाटक के हितों का अनादर किया और उनके साथ विश्वासघात किया। उन्होंने सिद्धरामैया से स्पष्टीकरण मांगा कि क्या वह कर्नाटक के लोगों का प्रतिनिधित्व करते हैं या केवल कांग्रेस पार्टी का। उन्होंने राज्य सरकार द्वारा केंद्र के साथ लगातार टकराव की निंदा की और इसे अक्षम्य अपराध बताया। विजयेंद्र ने कथित तौर पर तकनीकी कारणों से सरकारी अस्पतालों में जन औषधि केंद्रों को बंद करने के सरकार के फैसले की निंदा की और इस कदम को मूर्खतापूर्ण बताया। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी ने 2014 में गरीबों को सस्ती दवाइयाँ उपलब्ध कराने के लिए इन केंद्रों की शुरुआत की थी। पूर्व केंद्रीय मंत्री अनंत कुमार ने कर्नाटक में इस कार्यक्रम को लागू करने में मदद की थी। कथित तौर पर इन केंद्रों ने देशभर में गरीबों के 30,000-40,000 करोड़ बचाए हैं और सैकड़ों युवाओं के लिए रोजगार पैदा किए हैं।

उन्होंने राज्य सरकार पर केंद्रीय योजनाओं का विरोध करने और गरीबों के साथ अन्याय करने का आरोप लगाया। उन्होंने पूछा कि क्या मोदी की पृष्ठभूमि और फोटो मौजूदा सरकार के लिए असहनीय है। उन्होंने मांग की कि इस फैसले को वापस लिया जाए, अन्यथा भाजपा विरोध प्रदर्शन करेगी। विजयेंद्र ने रामनगर जिले का नाम बदलकर बेंगलूरु साउथ करने के फैसले की आलोचना की और सवाल किया कि क्या ये फैसले सिर्फ मंत्रियों को खुश करने के लिए लिए जा रहे हैं। उन्होंने मनमर्जी से जिलों का नाम बदलने के विचार का मजाक उड़ाया और पूछा कि इस तरह की कार्रवाई का स्थानीय किसानों पर क्या असर होगा। उन्होंने इसे तर्कहीन और लापरवाह नीति निर्माण बताया। उन्होंने अभिनेत्री तमन्ना भाटिया को 6.5 करोड़ में मैसूर सैंडल सोप का ब्रांड एंबेसडर नियुक्त करने के सरकार के कदम पर भी सवाल उठाया और इसे बेकार बताया और बताया कि साबुन ब्रांड एक साल में 60 लाख का मुनाफा भी नहीं कमा सकता। उन्होंने राज्य सरकार पर वित्तीय रूप से अव्यवस्थित होने का आरोप लगाया और आबकारी नीतियों की आलोचना की, जिसने दरों में 200-250 प्रतिशत की वृद्धि की। उन्होंने चेतावनी दी कि राजस्व बढ़ाने के लिए इससे शराबखोरी बढ़ सकती है। उन्होंने मांड्या में हुई एक दुखद घटना का जिक्र किया, जहां एक बच्चे की मौत उस समय हो गई, जब पुलिस ने कुत्ते के काटने के बाद इलाज के लिए जाते समय उसके माता-पिता को यातायात जांच के लिए रोका था। उन्होंने इस घटना के लिए यातायात पुलिस पर दबाव बनाने का आरोप लगाया और जवाबदेही की मांग की। उन्होंने कांग्रेस सरकार पर भाजपा विधायकों के खिलाफ मामले दर्ज करके विपक्ष को दबाने का आरोप लगाया। उन्होंने कलबुर्गी की घटनाओं का जिक्र किया, जहां मंत्री प्रियांक खड़गे के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के कारण भाजपा विधायक भरत शेट्टी और अन्य के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई।

सरकार की निष्क्रियता की आलोचना

विजयेंद्र ने आरोप लगाया कि हाल ही में 18 विधायकों का निलंबन और फिर उनकी बहाली सरकार के दबाव के कारण हुई और इसे लोकतंत्र पर हमला बताया। भाजपा द्वारा जारी किए गए पर्चे का जिक्र करते हुए, जिसका शीर्षक था एक वसूली सरकार जो कर्नाटक पर अभिशाप है, विजयेंद्र ने इसे पिछले दो वर्षों में कांग्रेस सरकार के भ्रष्टाचार, मूल्य वृद्धि और जबरन वसूली को उजागर करने वाला आरोप पत्र बताया। उन्होंने भाजपा के खिलाफ दायर मानहानि के मुकदमे पर सवाल उठाते हुए कहा, अगर आपकी मानहानि की जाती है, तो क्या यह स्वाभाविक मामला नहीं है? उन्होंने कृष्णा अपर बैंक परियोजना के लिए धन की मांग की और किसानों के मुद्दों पर राज्य सरकार की निष्क्रियता की आलोचना की।

मद्दूर की घटना ने पुलिस विभाग का सिर झुका दिया है: परमेश्वर

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। गृहमंत्री डॉ. जी. परमेश्वर ने कहा कि मांड्या में घटी घटना वास्तव में दुर्भाग्यपूर्ण है और इससे विभाग को शर्मिंदगी उठानी पड़ी है। पुलिस को वाहन निरीक्षण के दौरान अपनाए जाने वाले मानक दिशा-निर्देशों के संबंध में स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि पुलिस को निर्देश दिए जाएंगे कि वे इस बात का ध्यान रखें कि राज्य में कहीं भी ऐसी घटनाएं दोबारा न हों। उन्होंने कहा कि वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों की बैठक में इस संबंध में कड़ा संदेश दिया जाएगा। यदि स्थानीय पुलिस थोड़ी और सतर्क होती तो मद्दूर की घटना में बच्चे की मौत नहीं होती। इस घटना के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि कुछ को पहले ही निलंबित किया जा चुका है। माता-पिता ने कहा कि वे अपने बच्चे को अस्पताल ले जा रहे हैं, क्योंकि उसे कुत्ते ने काट लिया था। हालांकि, पुलिस द्वारा मानवता दिखाए बिना निर्दयतापूर्वक कार्य करना उचित नहीं है। यदि उन माता-पिता को भेज दिया गया होता तो यह देश के कानून का उल्लंघन नहीं होता। उन्होंने इस बात पर असंतोष व्यक्त किया कि हमारी पुलिस को संवेदनशील स्थितियों में अपने विवेक का प्रयोग करते हुए कार्य करना चाहिए। मैं यह नहीं कह रहा हूं कि पुलिस को जांच नहीं

करनी चाहिए। लेकिन सही दिशानिर्देशों का पालन किया जाना चाहिए। कुछ लोगों का किसी कोने या गुप्त स्थान पर खड़े होकर अचानक सामने आ जाना, जिससे वाहन चालकों का ध्यान भंग हो, उचित नहीं है। वाहन चालकों को पता होना चाहिए कि पुलिस उनके सामने खड़ी है। उन्होंने कहा कि वाहन पार्क करते समय आवश्यक सुरक्षा उपायों का पालन किया जाना चाहिए। कई मुद्दों के लिए निरीक्षण आवश्यक है, जिनमें नशे में गाड़ी चलाना, हेलमेट न पहनना और यातायात नियमों का पालन न करना शामिल है। लेकिन जनता को अनावश्यक असुविधा से बचाने के लिए कार्रवाई की जानी चाहिए। बिना हेलमेट के यात्रा करना आम जनता के जीवन के लिए खतरा है। उन्होंने कहा कि ऐसे विचारों को बढ़ावा देने और लोगों तक पहुंचाने की जरूरत है। यदि कोई मोटर चालक तेज गति से गाड़ी चलाते हुए अचानक अपना रास्ता बदल लेता है, तो उसे ब्रेक लगाना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि मद्दूर की घटना इस बात का उदाहरण है कि इससे कितना बड़ा खतरा पैदा हो सकता है। बारिश से आपदाएं बढ़ रही हैं, जिससे लोगों को परेशानी हो रही है। बीबीएमपी अधिकारियों को सावधान रहना चाहिए था और जो लोग लापरवाह थे उनके खिलाफ कार्रवाई की गई है। वाहन टोइंग को पुनः शुरू करने के संबंध में चर्चा की गई है। इस बारे में निर्णय लिया जाएगा ताकि लोगों को असुविधा न हो। मुख्यमंत्री ने टोइंग शुरू करने की बात कही है। लेकिन उन्होंने कहा कि वह इसके पक्ष और विपक्ष की जांच करेंगे और कार्रवाई करेंगे। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा है कि कोविड संक्रमण को लेकर फिलहाल चिंता की कोई स्थिति नहीं है। उन्होंने कहा कि सरकार जो भी सलाह देगी उसका हर जगह पालन किया जाएगा। मंत्रिमंडल विस्तार के संबंध में मुख्यमंत्री के पास विवेकाधीन शक्ति है। उन्होंने कहा कि उन्हें इस बारे में कोई जानकारी नहीं है। उन्होंने कहा कि वह मुख्यमंत्री से पिछले दो वर्षों में राज्य सरकार की उपलब्धियों के बारे में गलत जानकारी देने और झूठा प्रचार करने के लिए भाजपा के खिलाफ मामला दर्ज करने की संभावना पर चर्चा करेंगे और उचित कार्रवाई करेंगे।

शुभ लाभ DAILY
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

भारत में बनेगा 5वीं पीढ़ी का लड़ाकू विमान

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने दी औपचारिक मंजूरी

नई दिल्ली, 27 मई (एजेंसियां)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने एडवांस मीडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एएमसीए) कार्यक्रम क्रियान्वयन मॉडल को मंजूरी दी है, जिसे एयरोनॉटिकल डेवलपमेंट एजेंसी उद्योग साझेदारी के साथ लागू करेगी। यह कदम भारत की स्वदेशी रक्षा क्षमता और एयरोस्पेस क्षेत्र में आत्मनिर्भरता बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

एयरोनॉटिकल डेवलपमेंट एजेंसी (एडीए) इस कार्यक्रम को उद्योगों के साथ साझेदारी के जरिए लागू करने वाली है। यह कदम भारत की स्वदेशी विशेषज्ञता, क्षमता और संसाधनों का उपयोग करके एएमसीए प्रोटोटाइप विकसित करने की दिशा में मील का पत्थर है। इससे एयरोस्पेस क्षेत्र में आत्मनिर्भरता बढ़ेगी। एएमससीए परियोजना में एक एक मध्यम वजन का गहराई तक हमला करने वाले लड़ाकू विमान का निर्माण होगा। इसमें उन्नत रडार से बचने की तकनीक होगी,

जिससे देश की हवाई ताकत को मजबूती मिलेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता वाली कैबिनेट सुरक्षा समिति ने पिछले साल इस लड़ाकू विमान परियोजना को सैद्धांतिक मंजूरी दी थी। इस परियोजना की शुरुआती विकास लागत करीब 15,000 करोड़ रुपए आंकी गई है। भारतीय वायु सेना इस परियोजना को अपने दीर्घकालिक जरूरतों को देखते हुए लगातार आगे बढ़ाने की मांग कर रही है। लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट तेजस की सफलता के भारत का आत्मविश्वास अब एएमसीए जैसे उन्नत लड़ाकू विमान को विकसित करने में भी काफी बढ़ गया है।

इसे एडीए कार्यक्रम के तहत आगे बढ़ाया जाएगा। एएमसीए के विकास चरण की जल्द ही शुरुआत होगी, जिसके लिए एक्सप्रेशन ऑफ इंटरेस्ट (ईओआई) जारी किया जाएगा। इसके तहत देश की कंपनियां इसमें भाग लेंगी। इसमें कंपनी अकेले या किसी दूसरी कंपनी के साथ मिलकर बोली लगा सकेगी।

इसमें केवल वहीं कंपनियां शामिल हो सकेंगी, जो भारत के कानून और नियमों का पालन करती हों। सार्वजनिक या निजी क्षेत्र दोनों से बोली लगा सकेंगे। इसका मतलब यह है कि भारत को विदेशी लड़ाकू विमानों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। एयरोस्पेस उद्योग को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही घरेलू कंपनियों को अत्याधुनिक तकनीक पर काम करने का अवसर मिलेगा।

इसके अलावा, इससे रोजगार के अवसर भी पैदा होंगे। इंजीनियरिंग और तकनीकी से जुड़ी हजारों नौकरियां आएंगी। यही नहीं देश भविष्य में खुद के लड़ाकू विमानों की अन्य देशों को बिक्री करने की स्थिति में भी आ सकेगा।

मुर्मू ने किया 69 हस्तियों को पद्म पुरस्कारों से सम्मानित

नई दिल्ली, 27 मई (एजेंसियां)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने पद्म पुरस्कारों के वितरण समारोह के दूसरे चरण में मंगलवार को 69 व्यक्तियों को सम्मानित किया।

राष्ट्रपति भवन में आज शाम आयोजित भव्य नागरिक अलंकरण समारोह में उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, गृह मंत्री अमित शाह, केन्द्रीय मंत्रिमंडल के अन्य सदस्य और गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

समारोह में उच्चतम न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश जगदीश सिंह खेहड़, कथक नृत्यांगना दिवंगत कुमुदनी लखिया, लोक गायिका दिवंगत डॉ शारदा सिन्हा को पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया।

भारत नाट्यम नृत्यांगना एवं अभिनेत्री डॉ शोभना चंद्रकुमार, सिल्क उद्योग क्षेत्र की जानी-मानी हस्ती नलिनी कुपुस्वामी शेट्टी, प्रख्यात अर्थशास्त्री डॉ विवेक देवराय, पुरातत्व विशेषज्ञ एवं लेखक कैलाश नाथ दीक्षित, सात्रीय नृत्य के अग्रणी कलाकार एवं शास्त्रीय अकादमी के संस्थापक जतिन गोस्वामी, सामाजिक कार्यकर्ता एवं राजनीतिज्ञ डॉ मनोहर जोशी, फिल्म निदेशक अनंत नाग, जाने-माने पत्रकार एवं बुद्धिजीवी राम बहादुर राय और आध्यात्मिक नेता एवं समाजसेवी साध्वी रिताम्भरा को पद्म भूषण से सम्मानित किया गया।

समारोह में 57 लोगों को पद्म श्री से सम्मानित किया गया, जिनमें लेखक सीनी विश्वनाथ, फुटबाल खिलाड़ी आई एम विजयन, असमिया और नेपाली भाषा के साहित्यकार गीता उपाध्याय, सेंटर फॉर पालिसी स्टडीज के अध्यक्ष एम गोड्डामाने, पैरा तीरनंदाजी हरविंदर सिंह भी शामिल हैं।

आयकर रिटर्न दाखिल करने की अंतिम तिथि बढ़कर हुयी 15 सितंबर

नई दिल्ली, 27 मई (एजेंसियां)। केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने आंकलन वर्ष 2025-26 के लिए 31 जुलाई 2025 तक दाखिल होने वाली आयकर रिटर्न (आईटीआर) की अंतिम तिथि को बढ़ाकर अब 15 सितंबर 2025 कर दी है।

सीबीडीटी ने मंगलवार को यहां यह जानकारी देते हुये कहा कि आंकलन वर्ष 2025-26 के लिए अधिसूचित आईटीआर में संरचनात्मक और सामग्री संशोधन किए गए हैं, जिनका उद्देश्य अनुपालन को सरल बनाना, पारदर्शिता बढ़ाना और सटीक रिपोर्टिंग को सक्षम बनाना है। इन परिवर्तनों के कारण सिस्टम विकास, एकीकरण और संबंधित उपयोगिताओं के परीक्षण के लिए अतिरिक्त समय की आवश्यकता

है। इसके अलावा, 31 मई, 2025 तक दाखिल होने वाले टीडीएस विवरणों से उत्पन्न क्रेडिट जून की शुरुआत में दिखाई देने लगेंगे, जिससे इस तरह के विस्तार के अभाव में रिटर्न दाखिल करने की प्रभावी विंडो सीमित हो जाएगी।

सीबीडीटी ने कहा कि अधिसूचित आईटीआर में पेश किए गए व्यापक परिवर्तनों और आंकलन वर्ष 2025-26 के लिए आयकर रिटर्न उपयोगिताओं के रोलआउट और सिस्टम की तैयारी के लिए आवश्यक समय को देखते हुए रिटर्न दाखिल करने की अंतिम तिथि बढ़ाने का फैसला किया गया है। करदाताओं के लिए एक सहज और सुविधाजनक फाइलिंग अनुभव की सुविधा के लिए यह निर्णय लिया गया है कि आईटीआर दाखिल करने की नियत तिथि, 31 जुलाई, 2025 को बढ़ाकर 15 सितंबर, 2025 कर दिया गया है।

इस आशय की एक औपचारिक अधिसूचना अलग से जारी की जा रही है। इस विस्तार से हितधारकों द्वारा उठाई गई चिंताओं को कम करने और अनुपालन के लिए पर्याप्त समय प्रदान करने की उम्मीद है, जिससे रिटर्न दाखिल करने की प्रक्रिया की अखंडता और सटीकता सुनिश्चित होगी।

लद्दाख को कार्बन मुक्त क्षेत्र बनाने की राह में रोड़ा

आज भी लेह और करगिल के गांवों में जेनरेटरों से मिलती है बिजली

सुरेश एस डुग्गर
जम्मू, 27 मई।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा लद्दाख को कार्बन मुक्त क्षेत्र बनाने की घोषणा के बावजूद, लेह और करगिल के कई गांव बिजली के लिए डीजल जेनरेटर (डीजी) सेट पर निर्भर हैं। दरअसल चांगथांग, ज़ांस्कर और नुबरा सहित लद्दाख के कई दूरदराज के क्षेत्र अभी भी राष्ट्रीय बिजली ग्रिड से जुड़े नहीं हैं। लद्दाख पावर डेवलपमेंट डिपार्टमेंट (एलपीडीडी) के अनुसार, वर्तमान में लद्दाख में 41 डीजी सेट हैं, जिनमें नुबरा में 18, चांगथांग में 15 और जंस्कार में 8 शामिल हैं।

सरकार इन जेनरेटर को चलाने के लिए सालाना लगभग 25 करोड़ रुपए खर्च करती है। हालांकि, डीजी सेट पर निर्भर गांवों को 24 घंटे बिजली की आपूर्ति नहीं मिलती है। उन्हें शाम को छह घंटे और सुबह दो घंटे बिजली मिलती है, केवल ईद और लोसार (लद्दाख नव वर्ष) जैसे विशेष अवसरों पर अतिरिक्त आपूर्ति होती है। सर्दियों के दौरान, लद्दाख की बिजली की मांग 74 मेगावाट से अधिक हो जाती है, नुबरा, जंस्कार और चांगथांग के राष्ट्रीय ग्रिड से जुड़ जाने के बाद इस क्षेत्र की बिजली पर निर्भरता और बढ़ जाएगी।

वर्ष 2019 में, प्रधानमंत्री ने एलेस्टैंग (श्रीनगर) से द्रास, करगिल और खालसी होते हुए लेह तक 220 केवी ट्रांसमिशन लाइन चालू की थी। 300 एमवीए की क्षमता वाले चार जीआईएस सबस्टेशनों द्वारा समर्थित इस परियोजना ने लद्दाख के 72 परसेंट गांवों को उत्तरी ग्रिड से जोड़ दिया है, जिससे चौबीस घंटे बिजली की आपूर्ति सुनिश्चित हो गई है। अधिकारियों ने बताया कि एलपीडीडी वर्तमान में बिजली की उपलब्धता बढ़ाने के लिए कई परियोजनाओं को लागू कर रहा है। प्रधान मंत्री विकास पैकेज (पीएमडीपी) के तहत, नुबरा और जंस्कार को 220 केवी लाइनों और डिस्किट (नुबरा) और पदुम (जंस्कार) में 220/33 केवी सबस्टेशनों के माध्यम से उत्तरी ग्रिड से जोड़ा जाएगा। नुबरा का कनेक्शन अक्टूबर 2025 तक होने की उम्मीद है, जबकि चांगथांग को रिवैम्प्ड डिस्ट्रीब्यूशन सेक्टर स्कीम (आरडीएसएस) के तहत 2026-27 तक जोड़ा जाना है। लद्दाख सौर ऊर्जा में अपनी अपार संभावनाओं के लिए प्रसिद्ध है। गैर-परंपरागत ऊर्जा परियोजनाओं को लागू करने के लिए जिम्मेदार लद्दाख अक्षय ऊर्जा विकास एजेंसी ने प्रदूषणकारी डीजल जेनरेटर के विकल्प के रूप में लंबे समय से सौर ऊर्जा को बढ़ावा दिया है। 2012 में, लद्दाख अक्षय ऊर्जा विकास एजेंसी ने पांच साल के भीतर हाइड्रो, सोलर या जियोथर्मल पावर के माध्यम से लद्दाख को बिजली देने का लक्ष्य रखा। हालांकि, 13 साल बाद भी यह विजन काफी हद तक साकार नहीं हो पाया है।

एजेंसी ने लद्दाख अक्षय ऊर्जा पहल सहित कई परियोजनाओं को लागू किया, जिसका उद्देश्य 11 माइक्रो-हाइड्रो प्रोजेक्ट (कुल 11.2 मेगावाट) विकसित करना और अलग-अलग क्षमताओं के 125 सौर फोटोवोल्टिक प्लांट लगाना था। जबकि कुछ परियोजनाएँ पूरी हो गईं, लेकिन कुल मिलाकर क्रियान्वयन उम्मीदों से बहुत कम रहा। जैसे-जैसे लद्दाख हरित भविष्य की ओर बढ़ रहा है, महत्वाकांक्षा और क्रियान्वयन के बीच की खाई को पाटना एक महत्वपूर्ण चुनौती बनी हुई है। एलपीडीडी फ्यांग/फे में 25 मेगावाट एसी और 40 मेगावाट बीईएसएस तथा 12 मेगावाट सौर संयंत्र के साथ 50 मेगावाट पी डीसी की स्थापित क्षमता वाली मेगा सौर परियोजना स्थापित कर रहा है। यह एलपीडीडी यूटी लद्दाख की स्थानीय बिजली उत्पादन होगी, जिससे बिजली शुल्क कम करने तथा सिस्टम में हरित ऊर्जा जोड़ने में मदद मिलेगी।

हाईकोर्ट के 21 न्यायधीशों के तबादले की सिफारिश

नई दिल्ली, 27 मई (एजेंसियां)। उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई की अध्यक्षता वाले कॉलेजियम ने विभिन्न उच्च न्यायालयों के 21 न्यायाधीशों के तबादले की सिफारिश की है।

शीर्ष अदालत की ओर से मंगलवार को एक बयानी जारी कर यह जानकारी दी गई। बयान के मुताबिक 26 मई को आयोजित बैठक में कॉलेजियम ने न्यायाधीशों के स्थानांतरण करने संबंधी फैसला किया।

न्यायमूर्ति सुजॉय पॉल को तेलंगाना से कलकत्ता उच्च न्यायालय स्थानांतरित करने की सिफारिश की गई है जबकि न्यायमूर्ति वी कामेश्वर राव को कर्नाटक उच्च न्यायालय से दिल्ली उच्च न्यायालय तबादला करने की

सिफारिश की गई।

इसी प्रकार न्यायमूर्ति लानुसुंगकुम जमीर को गुवाहाटी से कलकत्ता उच्च न्यायालय, न्यायमूर्ति मानस रंजन पाठक को गुवाहाटी से उड़ीसा उच्च न्यायालय, न्यायमूर्ति नितिन वासुदेव साम्ब्रे को बॉम्बे से दिल्ली उच्च न्यायालय, न्यायमूर्ति अश्विनी कुमार मिश्रा को इलाहाबाद से पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय भेजने की सिफारिश की गई है।

न्यायमूर्ति सुमन श्याम को गुवाहाटी से बॉम्बे उच्च न्यायालय तबादला करने की सिफारिश की गई। न्यायमूर्ति संजीव प्रकाश शर्मा को पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय से वापस राजस्थान स्थानांतरित करने की संस्तुति की गई है।

इसी प्रकार से न्यायमूर्ति विवेक चौधरी को इलाहाबाद से दिल्ली उच्च न्यायालय, न्यायमूर्ति दिनेश कुमार सिंह को केरल से कर्नाटक उच्च न्यायालय, न्यायमूर्ति विवेक कुमार सिंह को मद्रास से मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय तथा न्यायमूर्ति बट्टू देवानंद को मद्रास उच्च न्यायालय से वापस आंध्र प्रदेश स्थानांतरित करने की सिफारिश की गई है।

कॉलेजियम ने न्यायमूर्ति ओम प्रकाश शुक्ला को इलाहाबाद से दिल्ली उच्च न्यायालय, न्यायमूर्ति श्री चंद्रशेखर को राजस्थान से बॉम्बे उच्च न्यायालय तथा न्यायमूर्ति सुधीर सिंह को पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय से वापस पटना स्थानांतरित करने की संस्तुति की गई है।

शीर्ष अदालत कॉलेजियम ने न्यायमूर्ति अनिल क्षेत्रपाल को पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय से दिल्ली उच्च न्यायालय, न्यायमूर्ति अरुण कुमार मोंगा को राजस्थान से दिल्ली उच्च न्यायालय, न्यायमूर्ति जयंत बनर्जी को इलाहाबाद से कर्नाटक उच्च न्यायालय तथा न्यायमूर्ति सी सुमालता को कर्नाटक से तेलंगाना उच्च न्यायालय में वापस स्थानांतरित करने की सिफारिश की गई है। कॉलेजियम ने न्यायमूर्ति ललिता कन्नेगंती को कर्नाटक से तेलंगाना और न्यायमूर्ति अनिरेड्डी अभिषेक रेड्डी को पटना उच्च न्यायालय से तेलंगाना वापस स्थानांतरित करने की संस्तुति की है।

प्रधानमंत्री मोदी ने भारत की जीडीपी को 10वें से चौथे स्थान पर लाया : अमित शाह

मुंबई, 27 मई (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कामों की तारीफ की, खास तौर पर भारत की जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) को 10वें स्थान से चौथे स्थान पर लाने के लिए।

माधवबाग में लक्ष्मी-नारायण मंदिर की 150वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में बोलते हुए उन्होंने कहा, जब कुछ लोग पूछते हैं कि मोदी ने पिछले एक दशक में क्या किया है, तो मेरा जवाब है कि उन्होंने देश की जीडीपी को 10वें स्थान से चौथे स्थान पर ला दिया है, साथ ही, हमारी सुरक्षा में सेंध लगाने की कोशिश करने वालों को करारा जवाब दिया है।

उन्होंने कहा प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश की सुरक्षा अब मजबूत हुई है। हम आतंकवादियों को मुंहतोड़ जवाब देने में सक्षम हैं। सौ साल से अधिक समय तक भगवान राम की मूर्ति एक टेंट में थी, लेकिन श्री मोदी ने अब वहां मंदिर बना दिया है। इसके अलावा काशी विश्वेश्वर कॉरिडोर बनाया है और योग और आयुर्वेद को दुनिया में ले गए हैं। उन्होंने कहा कि श्री मोदी ने ये सभी बदलाव किए हैं और देश का इतिहास स्वर्ण अक्षरों में लिखा जाएगा। इस अवसर पर शाह ने माधवबाग के ट्रस्टियों को मुंबई में 150 वर्षों तक इतनी बड़ी संस्था चलाने के लिए बधाई भी दी। उन्होंने कहा कि 150 साल पुरानी संस्था ने मध्यम वर्ग की समस्याओं का समाधान किया है और ट्रस्टियों से कहा कि वे अपनी मातृभाषा सिखाने के लिए यहां एक भाषा प्रशिक्षण केंद्र शुरू करें। इस अवसर पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने भी संबोधित किया।

600 साल पुराने मंदिर के नजदीक प्रशासन ने शुरू की पैमाइश

मुजफ्फरनगर, 27 मई (एजेंसियां)। मीरापुर कस्बे के मोहल्ला मुस्तर्क में मुस्लिम बस्ती के बीच स्थित प्राचीन मनकेश्वर महादेव मंदिर के आसपास बने मुस्लिम समाज के मकानों की पैमाइश शुरू कर दी गई है। राजस्व विभाग की टीम ने मंगलवार को पहुंचकर कार्रवाई की। राजस्व विभाग निरीक्षक संजीव शर्मा, लेखपाल ओमबीर सिंह टीम के साथ प्राचीन मनकेश्वर महादेव मंदिर पहुंचे। मंदिर प्रबंध समिति के अध्यक्ष मूलचंद शर्मा व अन्य को साथ लेकर टीम ने आसपास बने मुस्लिम समाज के मकानों की भूमि की पैमाइश की। लेखपाल ओमबीर सिंह ने बताया कि बुधवार को भी जांच की जाएगी। पैमाइश के बाद उच्चाधिकारियों को रिपोर्ट प्रेषित की जाएगी। कुछ दिन पहले यशवीर महाराज ने करीब 600 वर्ष पुराने शिव मंदिर को जाग्रत किया था। उन्होंने मंदिर की भूमि पर कब्जा किए जाने का आरोप लगाते हुए प्रशासन से आसपास के मुस्लिम मकानों के बैनामों की जांच, मकानों की पैमाइश की मांग की थी। इसके बाद एसडीएम जानसठ ने राजस्व विभाग की टीम को जांच के लिए भेजा।

एनसीआरटी 'आपरेशन सिंदूर' पाठ्यक्रम में शामिल करने पर कर सकती है विचार: प्रधान

नई दिल्ली, 27 मई (एजेंसियां)। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने मंगलवार को कहा कि राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) 'ऑपरेशन सिंदूर' को इतिहास के पाठ्यक्रम में शामिल करने पर विचार कर सकती है।

श्री प्रधान ने यहां शिक्षा क्षेत्र पर एनडीटीवी टीवी चैनल के सम्मेलन में चर्चा के दौरान इस विषय में एक सवाल पर कहा, देश के पराक्रम और शक्ति बढ़ाने के लिए जन-जिन विषयों में सरकार की श्रद्धा है, वे सब बच्चों के अंदर आनी चाहिए। उन्होंने कहा, ' जिन राज्य सरकारों ने इस दिशा में पहल की है उन्होंने अच्छा काम किया है, एनसीईआरटी हमेशा इस तरह के अच्छे विषयों पर ध्यान देती आई है. एनसीईआरटी इन सभी विषयों

पर भी निश्चित ही ध्यान देगी। उन्होंने कहा , इतिहास भविष्य में चलने के लिए दर्पण का काम करता है और अपने इतिहास को सही तरह से दिखाना हमारा दायित्व है, क्यों कि हमें भविष्य को और प्रभावशाली और स्पष्ट करना है।

बातचीत में उन्होंने यह भी कहा, ' हम इतिहास को मिटाने वाले लोग नहीं हैं. हम लंबी लकीर खींचने वाले लोग हैं। इस देश में अनेकों गुमनाम और अज्ञात हैं, क्या देश में कभी शहीद जोरावार और फतेह सिंह की वीरगाथा के बारे में बच्चों को पढ़ाया जाता था? क्या कोहिमा के बच्चे उन शहीदों की वीरगाथा जानते थे?' उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार इतिहास के तमाम गुमनाम नायकों की कहानियों को देश की नयी पीढ़ी के सामने लाने का काम कर रही है। लेकिन कुछ लोग इस पर सवाल उठाते हैं कि ये क्यों लाया जा रहा है।

खबरें जो सोच बदल दे शुभ लाभ हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

अंतरराष्ट्रीय तस्कर गिरोह कर रहा अमानवीय प्रयोग

चार तस्करों के पेट से निकले सोने के कैप्सूल

मुरादाबाद, 27 मई (एजेंसियां)। मुरादाबाद में चार तस्करों के पेट से एक करोड़ से ज्यादा के सोने के कैप्सूल निकले गए हैं। चौथे के पेट में अब भी दो कैप्सूल बाकी हैं, उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। तीन तस्करों को जेल भेजा गया है। मुरादाबाद में सोने की तस्करी करने वाले अंतरराष्ट्रीय गिरोह का पुलिस ने पर्दाफाश किया है। इस गिरोह के चार तस्करों के पेट से सोने के 27 कैप्सूल (वजन 1.052 किग्रा.) निकाले गए हैं। तस्कर यह सोना दुबई से पेट में छिपाकर लाए थे।

सोमवार को पुलिस ने मूंढापांडे थाने में केस दर्ज कर चारों तस्करों को गिरफ्तार किया। इस मुकदमे में नौ फाइनेंसरों और चिकित्सकों को भी आरोपी बनाया गया है। चारों तस्करों को सोमवार को कोर्ट में पेश किया, जहां से तीन को जेल भेज दिया गया, जबकि एक के पेट में सोने के कैप्सूल होने के कारण पुलिस ने उसे रिमांड पर लिया है। एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह ने बताया कि शुक्रवार दोपहर करीब दो बजे दिल्ली-लखनऊ हाईवे पर पुराने टोल प्लाजा के पास दुबई और सऊदी अरब से लौट रहे तस्करों की कार को बदमाशों ने रुकवा ली थी। बदमाशों ने खुद को पुलिसकर्मी बताकर कार की जांच शुरू कर दी। इस दौरान बदमाश ने कार सवारों को हथियारों के बल पर अगवा कर लिया और मूंढापांडे क्षेत्र में ले गए।

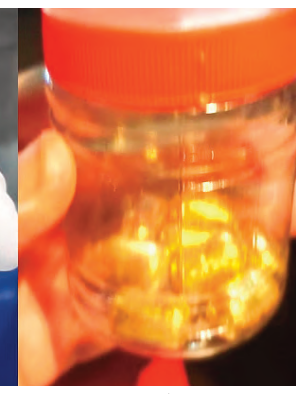

यहां बदमाशों ने उनको धमकाया और कहा कि तुम्हारे पेट में सोना है। सोना निकालने के लिए बदमाशों ने सभी का पेट चीरने की तैयारी शुरू कर दी। इसी दौरान जुल्फेकार कूद कर भाग गया था।

उसकी सूचना पर पुलिस ने घेराबंदी कर उसके अन्य छह साथियों को छुड़ा लिया था। चालक को छोड़कर बाकी सभी छह आरोपियों का अल्ट्रासाउंड कराया गया, जिसमें से चार के पेट में सोना होने की पुष्टि हुई।

शनिवार शाम सभी को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों की टीम ने चारों तस्करों के पेट से 27 कैप्सूल निकाले हैं। एसपी सिटी ने बताया कि चारों अंतरराष्ट्रीय सोना तस्कर गिरोह के सदस्य हैं। इन गिरोह को फाइनेंसर चला रहे हैं। जिसमें ट्रैवल एजेंट, डॉक्टर और अन्य शामिल हैं। मूंढापांडे में सभी के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। पुलिस ने तस्करों से फर्जी आधार कार्ड और पासपोर्ट भी बरामद किए हैं।

डॉक्टरों की टीम के काफी प्रयास के बाद भी एक तस्कर के पेट से सोने के दो कैप्सूल नहीं निकल पाए। पुलिस ने उसे कोर्ट में पेश किया और रिमांड मांगी। कोर्ट से तस्कर की पुलिस रिमांड मंजूर होने के बाद उसे दोबारा जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। रामपुर के टांडा थाना क्षेत्र के यूसुफ चौक निवासी मुत्तलीब के पेट से आठ कैप्सूल निकल चुके हैं, लेकिन दो कैप्सूल उसके गेट में ही फंसे हैं। एसपी सिटी कुमार रण विजय सिंह ने बताया कि आरोपी तस्कर मुत्तलीब को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। चारों तस्करों पर पुलिस ने दस हजार रुपये खर्च कर दिए हैं। पेट में फंसे सोने के कैप्सूल निकालने के लिए पुलिस ने इन्हें कोल्ड ड्रिंक, बिरयानी, केले और अन्य फल खिलाए हैं।

मूंढापांडे थाने में अपराध निरीक्षण जितेंद्र कुमार की ओर से चारों तस्करों और नौ नामजद फाइनेंसरों और कुछ अज्ञात के खिलाफ बीएनएस की धारा 111, 318(4), 338, 336(3), 340 और 135 कस्टम एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है। एसपी सिटी ने बताया कि बरामद सोने की जांच कराई गई है, जिसमें पता चला कि बरामद सोना 99.9 प्रतिशत शुद्ध है। मुरादाबाद में मुठभेड़ के दौरान पकड़े गए तस्करों में शाने आलम, निवासी मोहल्ला रांड, थाना टांडा, रामपुर, मुत्तलीब, निवासी मोहल्ला यूसुफ चौक टांडा बादली, थाना टांडा, रामपुर, अजहरुद्दीन, निवासी मोहल्ला यूसुफ चौक, टांडा बादली, रामपुर और जुल्फिकार अली, निवासी मोहल्ला नज्जूपुरा, थाना टांडा, रामपुर शामिल हैं। इनमें शाने आलम के पेट से तीन कैप्सूल वजन 113.71 ग्राम सोना निकला। मुत्तलीब के पेट से आठ कैप्सूल, वजन 311 ग्राम सोना, अजहरुद्दीन के पेट से आठ कैप्सूल वजन 320.12 ग्राम सोना और जुल्फिकार के पेट से आठ कैप्सूल वजन 311.72 ग्राम सोना निकला।

सामूहिक विवाह योजना पर योगी सरकार का ऐलान

अब कन्याओं के लिए किया जाएगा सिंदूर-दान

लखनऊ, 27 मई (एजेंसियां)। पाकिस्तान पर सेना द्वारा किए ऑपरेशन सिंदूर के बाद यूपी सरकार ने बड़ा ऐलान किया है। अब प्रदेश में सामूहिक विवाह योजना में कन्याओं को सरकार की तरफ से सिंदूर-दान भी दिया जाएगा। इसके लिए शासनादेश भी जारी कर दिया गया है।

उत्तर प्रदेश सरकार ने ऑपरेशन सिंदूर के बाद एक बड़ा फैसला लिया है। अब सामूहिक विवाह योजना के तहत मिलने वाले उपहारों में कन्या को सिंधौरा (सिंदूर-दान) भी दिया जाएगा। इतना ही नहीं लाभ लेने के लिए कन्या पक्ष की अधिकतम आय सीमा भी दो लाख रुपए से बढ़ाकर तीन लाख रुपए कर दी गई है। प्रति जोड़ा खर्च 51 हजार रुपए से बढ़ाकर एक लाख रुपए किए जाने का शासनादेश भी जारी किया गया है।

शासनादेश के अनुसार, कन्या के अभिभावक का यूपी का मूल निवासी होना चाहिए। विवाह योग्य आयु की पुष्टि के लिए स्कूल का रिकॉर्ड, जन्म प्रमाणपत्र, मतदाता पहचान पत्र, मनरेगा जॉब कार्ड और आधार कार्ड मान्य होंगे। योजना में निराश्रित कन्या, विधवा महिला की पुत्री, दिव्यांग अभिभावक की पुत्री व दिव्यांग बेटी को प्राथमिकता दी जाएगी।

जिलास्तर पर डीएम की निगरानी में समाज कल्याण अधिकारी सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन कराएंगे। कन्या के खाते में 60 हजार रुपए डीबीटी के माध्यम से भेजे जाएंगे। 25 हजार रुपए मूल्य की वैवाहिक उपहार सामग्री दी जाएगी। प्रति जोड़ा 15 हजार रुपए आयोजन पर खर्च होगा। इस राशि में विवाह सम्पन्न कराने वाले पुजारी और मौलवी की दक्षिणा और पारिश्रमिक भी शामिल होगा। 100 या उससे अधिक जोड़ों के विवाह समारोह के लिए जर्मन हैंगर की व्यवस्था की जाएगी। यह पंडाल काफी उम्दा किस्म का होता है।

यूपी में लागू हुई केंद्र की राहवीर योजना

घायल को अस्पताल पहुंचाने पर मिलेगा 25 हजार

लखनऊ, 27 मई (एजेंसियां)। केंद्र द्वारा प्रस्तावित राहवीर योजना यूपी में लागू कर दी गई है। घटना के एक घंटे के भीतर जख्मी को अस्पताल ले जाने वाले को 25 हजार का ईनाम मिलेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रारंभ की गई राहवीर योजना को उत्तर प्रदेश में लागू कर दिया गया है, जिसके तहत दुर्घटना में घायल व्यक्ति को गोल्डन-ऑवर में अस्पताल पहुंचाने वाले मददगार को 25,000 रुपए का इनाम मिलेगा। इस योजना के तहत सरकार सड़क हादसों में घायल लोगों को अस्पताल पहुंचाने वाले लोगों को इनाम देगी। यह योजना लखनऊ सहित पूरे उत्तर प्रदेश में लागू की गई है। योजना के तहत, अगर कोई नागरिक घायल व्यक्ति को गोल्डन ऑवर या दुर्घटना के तुरंत बाद अस्पताल या ट्रॉमा सेंटर पहुंचाता है तो उसे 25 हजार रुपए तक की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। यदि कोई नागरिक सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति को गोल्डन-ऑवर (पहले 1 घंटे) के भीतर अस्पताल पहुंचाता है और घायल की जान बच जाती है, तो उस मददगार को 25,000 रुपए का इनाम दिया जाएगा। यह पुरस्कार राशि पहले 5,000 थी, जिसे अब बढ़ाकर 25,000 कर दिया गया है। घायल को सीधे अस्पताल पहुंचाने पर अस्पताल द्वारा पुलिस को सूचना दी जाएगी और इसकी एक प्रति उस नागरिक को भी सौंपी जाएगी। पुलिस कलेक्टर को भी इस संबंध में पत्र लिखेगी और इसके बाद परिवहन विभाग द्वारा मददगार के बैंक खाते में सीधे राशि ट्रांसफर की जाएगी।

यूपी में 69000 करोड़ का निवेश करेंगी देश की दिग्गज कंपनियां

लखनऊ, 27 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में निवेश के लिए देश की कई दिग्गज कंपनियां सामने आ रही हैं। आने वाले समय में देश की बड़ी कंपनियां 69 हजार करोड़ का निवेश करेंगी। देश की कई दिग्गज कंपनियों ने यूपी में लगभग 69 हजार करोड़ रुपए के निवेश का करार किया है। यह समझौता मंगलवार को प्रदेश सरकार की निवेश प्रोत्साहन एवं सुविधा एजेंसी इन्वेस्ट यूपी द्वारा मुंबई के जिओ वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर में उच्चस्तरीय निवेशक राउंड टेबल आयोजन में किए गए। बैठक की अध्यक्षता मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह और संचालन इन्वेस्ट यूपी के सीईओ विजय किरन आनंद ने किया। निवेशकों ने डाटा सेंटर, हरित ऊर्जा, सीमेंट और सेमीकंडक्टर जैसे क्षेत्रों में बड़े निवेश का ऑफर दिया।

इस अवसर पर यूपी के मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह ने कहा कि उत्तर प्रदेश भारत का सबसे आकर्षक निवेश गंतव्य बनकर उभरा है। हम प्रगतिशील उद्यमों का स्वागत करते हैं। राउंड टेबिल में हीरानंदानी समूह के अध्यक्ष डॉ. निरंजन हीरानंदानी ने कहा कि 30 मेगावाट क्षमता का डाटा सेंटर 18 महीनों में तैयार होगा। उन्होंने क्षमता में 30 मेगावाट की वृद्धि करने की घोषणा की और 28,440 करोड़ की चिप निर्माण परियोजना (टार्क सेमीकंडक्टर्स नोएडा) की जानकारी दी।

अवाडा ग्रुप की उपाध्यक्ष सिंदूर मित्तल ने 20,000 करोड़ के अतिरिक्त निवेश की घोषणा की। अल्ट्राटेक सीमेंट के प्रबंध निदेशक के.सी. झंवर ने बताया कि अलीगढ़, बारा, डाला, दादरी, टांडा, सिकंदराबाद और लखनऊ में विस्तार के बाद अब अलीगढ़, शाहजहांपुर और टांडा में 1,981 करोड़ का निवेश करेंगे। टाटा पावर रिन्यूएबल एनर्जी के सीईओ व एमडी संजय बंगा ने 13,700 करोड़ के निवेश से दो 800 मेगावाट अल्ट्रा-सुपरक्रिटिकल पावर यूनिट्स स्थापित करने की घोषणा की। यूपीडीएफ के अध्यक्ष पंकज जायसवाल ने लखनऊ में निवेशक सम्मेलन और दुबई में रोड शो का प्रस्ताव रखा। कृष्णानंद समूह लखनऊ और नोएडा में 25 करोड़ से रेडी मिक्स प्लास्टर प्लांट लगाएगा। ईएन कम्युनिकेशन के राजीव रंजन सिंह ने यीडा में 1500 करोड़ रुपए के निवेश से महाभारत संग्रहालय का प्रस्ताव रखा। रिमेंस डीएसपी इंफ्रा ने लखनऊ में 5 करोड़ से कोल्ड इमल्शन-आधारित रोड पैच मिक्स प्लांट और लॉर्ड्स ग्रुप ने रूफ टॉप सोलर के लिए 1500 करोड़ रुपए की फैक्ट्री का ऐलान किया। डायसिस इंडिया 10 करोड़ रुपए से अपने प्लांट की क्षमता दोगुना करेगी।

प्रदेश सरकार ने बलरामपुर चीनी मिल्स के साथ लखीमपुर खीरी के कुंभी चीनी मिल में 250 टीपीडी (टन प्रतिदिन) क्षमता का पॉलीलैक्टिक एसिड (पीएलए) प्लांट स्थापित करने के लिए एमओयू किया इस समझौते में 2,850 करोड़ का निवेश शामिल है और इससे 225 लोगों को रोजगार मिलेगा। ये समझौता इन्वेस्ट यूपी के सीईओ विजय किरण आनंद और बलरामपुर चीनी मिल्स की कार्यकारी निदेशक अवंतिका सरोगी के बीच हुआ।

सिखों को ईसाई बनाने का चल रहा कुचक्र, 3000 सिख धर्मांतरित

पीलीभीत, 27 मई (एजेंसियां)। यूपी के पीलीभीत में धर्मांतरण का धंधा तेजी से चल रहा है। ऑल इंडिया सिख पंजाबी वेलफेयर काउंसिल के अध्यक्ष हरपाल सिंह ने यह दावा किया है। पीलीभीत गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के सदस्य परमजीत सिंह के मुताबिक पीलीभीत में 3 हजार सिखों को ईसाई बनाया गया है। नेपाल-भारत सीमा से लगे एक गांव में तो अब चर्च भी बन रहा है। सिख संगठन के मुताबिक यह साजिश इन इलाकों में डेमोग्राफिक बदलाव के लिए की जा रही है। संगठन का आरोप है कि नेपाल से ड्रग्स और दूसरे नशीले पदार्थ की बड़ी खेप मंगाई जाती है।

इस इलाके में नेपाल से होते हुए कुछ पादरी ईसाई धर्म के प्रचार के लिए 2002 में आए थे। 2025 तक यहां की फिजा बदल गई है। पिछले 23 साल में यहां विदेशी फंडिंग से खूब पैसा आया। लोगों को पैसों और घर का लालच देकर धर्मांतरण कराया जा रहा है। नौकरी का झांसा भी दिया जाता है और बेरोजगार लोगों को फंसाया जाता है। इन घरों में दक्षिण कोरिया का कैलेंडर देखा जा सकता है। पीलीभीत में टाइगर रिजर्व के साथ घने जंगल हैं लेकिन शारदा नदी पार करते ही आराम से बेल्हा गांव पहुंच सकते हैं जो भारत का यहां अंतिम गांव है। इससे सटे भागीरथ और सिंघाड़ा गांव हैं। इन तीनों गांवों में पादरी की पैठ काफी है और लोग बड़ी संख्या में ईसाई धर्म अपना रहे हैं। यहां से सिर्फ 2 किलोमीटर की दूरी पर नेपाल का कंचनपुर का रिछा टाउन है जहां काफी विशालकाय चर्च बना हुआ है।

नेपाल-भारत का ये बॉर्डर दूसरी सीमाओं से बिल्कुल अलग है। यहां कटीले तार नहीं, बल्कि पिलर बने हैं, जिस पर नंबर लिखा हुआ है। इनके बीच काफी गैप है। इससे होकर लोग आराम से आना-जाना करते हैं। दोनों ओर खड़ी फसल खेतों में लहलहा रही होती है इसके बीच से लोगों को आते जाते एसएसबी के जवान भी नहीं रोक पाते। धर्मांतरण के मामले में यूपी प्रशासन ने 8 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज किया है। दो लोगों को नारकोटिक्स का मामला दर्ज किया गया है।

निजीकरण के खिलाफ आंदोलन : सरकार धमकाने पर उतरी

29 मई से होने वाली बिजली कर्मियों की हड़ताल स्थगित

लखनऊ, 27 मई (एजेंसियां)। यूपी में 29 मई से बिजलीकर्मियों द्वारा होने वाली हड़ताल फिलहाल स्थगित कर दी गई है। जिला मुख्यालयों में होने वाला विरोध प्रदर्शन चलता रहेगा। पावर कारपोरेशन की ओर से हर स्तर पर कड़ाई करने, कार्य बहिष्कार को हड़ताल की श्रेणी में मानते हुए निरंतर कार्रवाई करने, वैकल्पिक व्यवस्था का रास्ता अपनाने के बाद निजीकरण के विरोध में आंदोलन चला रहे बिजली अभियंताओं एवं अन्य कार्मिकों ने भी रास्ता बदल दिया है। अब 29 को होने वाला अनिश्चितकालीन कार्य बहिष्कार स्थगित कर दिया गया है। इस दिन निजीकरण के विरोध में राष्ट्रव्यापी प्रदर्शन होगा। पावर कारपोरेशन प्रबंधन के साथ असहयोग आंदोलन चलता रहेगा।

नेशनल कोऑर्डिनेशन कमेटी ऑफ इलेक्ट्रिसिटी इम्प्लॉइज एंड इंजीनियर्स की मंगलवार को बैठक हुई। इसमें तय किया गया कि निजीकरण के विरोध में 29 मई से होने वाला अनिश्चितकालीन कार्य बहिष्कार स्थगित रखा जाएगा। इस दिन देशभर में विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। 29 मई से प्रबंधन के साथ पूर्ण असहयोग आंदोलन चलाया जाएगा। कार्पोरेशन के अध्यक्ष की वीडियो कांफ्रेंसिंग का बहिष्कार होगा, लेकिन उपभोक्ताओं को कोई कठिनाई नहीं होने दी जाएगी। नेशनल कोऑर्डिनेशन कमेटी ऑफ इलेक्ट्रिसिटी इम्प्लॉइज एंड इंजीनियर्स ने यह भी कहा है कि यदि प्रदेश सरकार निजीकरण के लिए एक भी कदम आगे बढ़ाती है। निजीकरण के लिए टेंडर नोटिस प्रकाशित करती है तो उत्तर प्रदेश के साथ ही अन्य राज्यों के 27 लाख बिजली कर्मचारी विरोध में सड़क पर उतरेंगे। विद्युत कर्मचरी संयुक्त संघर्ष समिति का दावा है कि मंगलवार शाम पांच बजे हुई वीडियो कांफ्रेसिंग में अभियन्ताओं ने हिस्सा नहीं लिया। ऐसे में उन्होंने कर्मचारियों और अभियन्ताओं का वेतन और समयबद्ध वेतनमान कम करने की धमकी दी है। उनके इस बयान से ऊर्जा निगमों में औद्योगिक अशांति का वातावरण बन गया है। विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति के पदाधिकारियों ने मंगलवार को प्रदेश के सभी जिलों एवं परियोजना मुख्यालयों पर विरोध प्रदर्शन जारी रखा। एलान किया कि अब बिजली कार्मिकों के साथ ही किसान व अन्य उपभोक्ता भी उनके साथ जुड़ रहे हैं। संघर्ष समिति की मंगलवार को लखनऊ में हुई बैठक में तय किया गया कि बिजली कर्मियों के 181 दिन से आंदोलन चल रहा है। अभी तक प्रबंधन पूर्वांचल एवं दक्षिणांचल के निजीकरण का टेंडर नहीं कर पाया है। भीषण गर्मी है। ऐसे में उपभोक्ताओं को कोई तकलीफ न हो। इसलिए भी 29 से होने वाले अनिश्चितकालीन कार्य बहिष्कार स्थगित किया जाता है। इस दौरान यह भी तय किया गया कि जिलों में और परियोजनाओं पर विरोध प्रदर्शन पहले की तरह चलता रहेगा। इस बीच किसी कार्मिक के खिलाफ प्रबंधन ने कार्रवाई की तो वे सड़क पर उतरने के लिए विवश होंगे। इस दौरान संजय सिंह चौहान, जितेंद्र सिंह गुर्जर, गिरीश पांडे, महेंद्र राय, पीके दीक्षित, सुहेल आबिद, चंद्रभूषण उपाध्याय आदि मौजूद रहे।

पावर कार्पोरेशन अध्यक्ष आशीष कुमार गोयल ने निर्देश दिया कि आंदोलन के जरिए बिजली आपूर्ति प्रभावित करने वाले अभियंताओं और कार्मिकों की पहचान की जाए। उनकी सूची तैयार करें। ऐसे लोगों को कॉर्पोरेशन की ओर से भेजी गई एडवाइजरी भी भेज दें। अध्यक्ष ने निर्देशित किया कि बायोमीट्रिक हाजिरी हर स्थान पर सुनिश्चित की जाए। वह मंगलवार को शक्ति भवन में वीडियो कांफ्रेसिंग के जरिए समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा है कि जितनी बिजली आपूर्ति हो, उसी हिसाब से राजस्व संग्रह होना चाहिए।

1750 राजकीय नलकूपों का होगा पुनर्निर्माण

सिंचाई क्षमता में होगी पौने दो लाख हेक्टेयर की वृद्धि

लखनऊ, 27 मई (एजेंसियां)। योगी सरकार किसानों की आय बढ़ाने और कृषि क्षेत्र में तकनीकी सशक्तिकरण की दिशा में लगातार कार्य कर रही है। अब सरकार राज्य के 1750 राजकीय नलकूपों का पुनर्निर्माण कर उन्हें ईको फ्रेंडली ट्यूबवेल में तब्दील करेगी। जिससे प्रदेश के करीब ढाई लाख कृषक परिवारों को सीधा लाभ मिलेगा। इसके साथ ही सिंचाई क्षमता में पौने दो लाख हेक्टेयर की वृद्धि भी होने जा रही है। ये सभी सिंचाई परियोजनाएं अगले दो वर्षों में पूरी कर ली जाएंगी, जो किसानों के लिए टर्निंग प्वाइंट साबित होंगी। सबसे खास बात ये है कि सौर ऊर्जा के माध्यम से हाईब्रिड मोड पर लघु डाल नहरों को संचालित करने का अभिनव प्रयोग किया जा रहा है। राजकीय नलकूपों को पर्यावरण अनुकूल बनाया जा रहा है। इसके अंतर्गत नलकूपों के चारों ओर पौधरोपण किया जाएगा और उन्हें ईको फ्रैंडली ट्यूबवेल के रूप में विकसित किया जाएगा। इससे पर्यावरण संतुलन भी बना रहेगा और हरित क्षेत्र में वृद्धि होगी। सतही जल के अधिकतम उपयोग को बढ़ावा देने के लिए 21 नवीन लघु डाल नहरों के निर्माण के लिए व्यापक सर्वेक्षण किया जा रहा है। इन नहरों को सौर ऊर्जा के माध्यम से हाईब्रिड मोड पर संचालित करने का अभिनव प्रयोग शुरू किया गया है। इससे ऊर्जा की बचत के साथ-साथ सतत सिंचाई संभव हो सकेगी।

सरकार की योजना केवल भौतिक संरचनाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि सिंचाई में आधुनिक तकनीकों को भी शामिल किया जा रहा है। इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) स्मार्टफोन टूल्स और सेंसर जैसी तकनीकों का उपयोग कर स्मार्ट सिंचाई प्रणाली लागू की जा रही है। इस तकनीक के जरिए पानी के प्रवाह को दूर से नियंत्रित किया जा सकता है, जिससे पानी की बर्बादी को रोका जा सकता है और आवश्यकतानुसार ही पानी का उपयोग सुनिश्चित किया जा सकता है। दो वर्षों के भीतर यह सभी सिंचाई परियोजनाएं पूरी कर ली जाएंगी।

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

धरती की तरफ तेजी से बढ़ रहा है चीन का एक पुराना स्पेस स्टेशन

चीन का पहला अंतरिक्ष स्टेशन 'तियांगोंग-1' धरती पर गिर सकता है। कुछ अंतरिक्ष विज्ञानियों ने दावा किया है कि चीन ने 'तियांगोंग-1' से नियंत्रण खो दिया है। साल के अंत तक इसके कुछ हिस्से के धरती पर गिरने का डर है। हालांकि अभी चीन ने इस बारे में सार्वजनिक घोषणा नहीं की है। कुछ वैज्ञानिकों का कहना है कि चीन अंतिम समय तक 'तियांगोंग-1' की कमान दोबारा हासिल करने की कोशिश करेगा। यही वजह है कि उसने फिलहाल इस मामले में चुप्पी साधे रखे है।

कहां हैं तियांगोंग-1 स्टेशन : तियांगोंग-1 स्टेशन पृथ्वी की निचली कक्षा में मौजूद था। यह धरती से 350 किलोमीटर की ऊंचाई पर चक्कर लगा रहा था। हालांकि अनुभवी सेटेलाइट ट्रैकर और अंतरिक्ष विज्ञानी थॉमस डोरमेन ने दावा किया है कि चीनी अंतरिक्ष एजेंसी ने 'तियांगोंग-1' से नियंत्रण खो दिया है। उसे पता नहीं है कि यह स्पेस स्टेशन धरती की कक्षा में कहां है। इससे पहले चीनी समाचार एजेंसी शिंहुआ ने मार्च में बताया था कि 'तियांगोंग-1' ने डाटा जुटाना बंद कर दिया है। डोरमेन के मुताबिक चीन अंतिम समय तक इस स्पेस स्टेशन पर दोबारा काबू पाने का प्रयास करेगा। यही वजह है कि उसने स्टेशन का नियंत्रण खोने की बात सार्वजनिक नहीं की है।

धरती की तरफ बढ़ेगा तो क्या खतरे होंगे : कुछ अंतरिक्ष विज्ञानियों की मानें तो चीनी स्पेस एजेंसी से संपर्क टूटने के बाद 'तियांगोंग-1' पृथ्वी की कक्षा में परिक्रमा तो करता रहेगा, लेकिन इसकी ऊंचाई धीरे-धीरे कम होती जाएगी। कुछ महीने बाद यह गुरुत्वाकर्षण के प्रभाव में आकर धरती की तरफ गिरने लगेगा। अमूमन जब कोई वस्तु धरती के वायुमंडल में प्रवेश करती है तो वह जलने लगती है।

अपना स्मार्टफोन रोजाना 2,617 बार छूते हैं हम

वाशिंगटन। स्मार्टफोन इस्तेमाल करने वालों को लेकर चौंकाने वाला सर्वेक्षण सामने आया है। इसके मुताबिक लोग रोजाना करीब 2,617 बार अपने स्मार्टफोन की टचस्क्रीन को छूते हैं।
सर्वेक्षण के लिए एक लाख से ज्यादा लोगों में से अलग-अलग जगह के 94 लोगों को चुना गया। इसके बाद खास टूल की मदद से स्मार्टफोन इस्तेमाल करने की उन सभी की आदत को परखा गया। फोन का बहुत ज्यादा इस्तेमाल करने वाले लोग रोजाना करीब 5,427 बार स्मार्टफोन स्क्रीन छूते हैं।
यानी सामान्यतौर पर लोग साल में करीब 10 लाख बार अपना स्मार्टफोन छूते हैं, वहीं ज्यादा इस्तेमाल करने वालों में यह संख्या 20 लाख तक पहुंच जाती है। सर्वेक्षण में पाया गया कि औसत इस्तेमाल करने वाले व्यक्ति के स्मार्टफोन की स्क्रीन 2.42 घंटे ऑन रहती है। वहीं बहुत ज्यादा इस्तेमाल करने वालों में यह समय 3.75 घंटे तक हो जाता है। यह वह समय है, जो लोग अपने फोन पर कुछ लिखते हुए या फ़ेसबुक जैसी सोशल साइट पर बिताते हैं। सर्वेक्षण में शामिल 87 फीसद लोगों ने रोजाना रात 12 बजे से सुबह पांच बजे के बीच एक बार फोन का इस्तेमाल जरूर किया।

घर पर बर्थ डे मनाने के एक से बढ़कर एक तरीके

आपके लिए साल का सबसे मैजिकल दिन कौन सा है? वो कौन का एक दिन है जिसका आप और आपके चाहने वाले सालभर बेसब्री से इंतज़ार करते हैं?

आपका जन्मदिन! : दोस्तों के साथ रेस्त्रां या पब में जाकर बर्थ डे मनाना अब बोरिंग हो गया है। हमारा मानना है कि घर पर ही पार्टी करना सबसे बढ़िया आइडिया है। ये न सिर्फ किफायती है ब्लकि अपने कंफर्ट जोन में जश्न मनाने का अपना मज़ा है क्योंकि आपके दोस्त जितनी देर पार्टी इंज्वॉय करना चाहते हैं कर सकते हैं और देर रात होने पर घर में रुक भी सकते हैं।

तो अगर आप इस बार कुछ अलग तरीके से सालगिरह का जश्न मनाना चाहते हैं तो घर पर इसका बंदोबस्त करें। पार्टी को मज़ेदार बनाने के लिए इन चीज़ों को भी शामिल कर सकते हैं।

शैंपेन ब्रंच : पार्टी और शैंपन का गहरा नाता है। अपने घर की टेरेस या लॉन में ब्रंच पार्टी रखें, लज़ीज़ खाना और बढ़िया शैंपन का प्रबंध करें, दोस्तों को घर बुलाएं और नाच-गाकर बर्थ डे मनाएं। इस अरेंजमेंट में ज्यादा वक्त भी नहीं लगेगा।

फोटो बूथ : वो पार्टी ही क्या जिसमें फोटो सेशन न हो! घर के एक दो कोने में बढ़िया सा फोटो बूथ तैयार करें। इंटरनेट पर आपको कई आइडियाज़ मिल जाएंगे। साथ ही कुछ मज़ेदार प्रॉप्स भी रखें। इस काम में बच्चों की भी मदद लें।

कैराओके नाइट : कैराओके मशीन रेंट पर लीजिए और घर पर ही कैराओके नाइट मनाइये। यकीन मानिए, जब आपके घर वालों और दोस्तों के साथ दिल खोलकर अपना पसंदीदा गाना गाएंगे, तो उससे यादगार लम्हा और जन्मदिन और कोई न होगा।

मूवी मैराथन पार्टी : अगर आप इसबार अपने जन्मदिन पर कुछ अलग करना चाहते हैं तो मूवी पार्टी रखें। घर पर होम थियेटर है तो अति उत्तम, नहीं तो रेंट पर इसका प्रबंध करें। दोस्तों को घर बुलाएं और बैक टू बैक फिल्में देंखें। ड्रेस कोड पजामा रखें। पॉपकॉर्न और स्नैक्स का बंदोबस्त करना न भूलें।

इस तरह करें बुरे दौर का सामना

बुरे दौर का सामना जिंदगी में हर किसी को कभी न कभी करना ही पड़ता है। यह ऐसा समय है जबकि चीजें ठीक नहीं होती हैं और कडी मेहनत के बावजूद सफलता दूर बनी रहती है। इस समय व्यक्ति अपनी योग्यता पर संदेह करने लगता है। कई मौकों पर तो उसकी हिम्मत भी टूटने लगती है। बुरे दौर का डटकर सामना करना आगे बढ़ने के लिए बहुत जरूरी है। इस दौर से पार पाने में कुछ तरीके आपके लिए मददगार हो सकते हैं।

बुरे को छोड़कर आगे बढ़ें

जब भी जिंदगी में कटु अनुभवों या बुरे दौर से आपका सामना हो तो खुद को उसमें उलझाए रखने के बजाय अपने काम पर ध्यान दें। ऐसे वक्त में अक्सर व्यक्ति अपनी कहानी दूसरों को सुनाकर उनसे सहानुभूति चाहता है लेकिन यह आपकी बहुत मदद नहीं करता है। जब भी आप इस कहानी को दूसरों के सामने रखते हैं तो बार-बार उसी कहानी में जिंदगी जीने लगते हैं। बिजनेस का नुकसान, रिश्तों में अलगाव और निराशा से खुद को बाहर निकालने के तरीकों के बारे में सोचना चाहिए। जिस स्थिति में आप खुद को पा रहे हैं उस स्थिति से बाहर निकलने के बारे में सोचने पर ध्यान केंद्रित करेंगे तो ज्यादा फायदा पाएंगे।

खुद को दोष देना बंद करें

'अगर आप ऐसा न करके वैसा करते तो शायद यह नहीं होता।' अक्सर इस तरह के वाक्यों के सहारे लोग अपने आप को दिलासा देने की कोशिश करते हैं लेकिन खुद को इस तरह कोसना ठीक नहीं है। अगर आप किसी मुसीबत में फंस गए हैं तो यह न सोचें कि आपने यह गलती कर दी है बल्कि यह सोचें कि इस कदम को आप ठीक कैसे कर सकते हैं। अगर, मगर, यदि, किंतु, परंतु जैसे वाक्यों के साथ अपने मन में नकारात्मक ख्याल लाने से आप आगे बढ़ने की क्षमता और योग्यता दोनों का नुकसान करते हैं। इस तरह के विचार को छोड़कर आगे बढ़ने के रास्तों को तलाशें।

दूसरा रास्ता चुनते तो?

आप अक्सर यह सोचते हैं कि आपने गलत रास्ता चुन लिया और इस मुसीबत में फंस गए लेकिन आप इस तरह सोचिए कि अगर आप दूसरा रास्ता चुनते तो शायद ज्यादा बड़ी मुसीबत में फंस सकते थे। अपनी मौजूदा स्थिति के बारे में खुद को कोसने के बजाय यह सोचिए कि आपने अपनी परिस्थितियों को देखते हुए निर्णय लिया था और उस वक्त वह निर्णय बिल्कुल ठीक था। फिर यहां खुद पर भरोसा भी रखना होगा कि आप इस स्थिति से भी खुद को बाहर निकाल लेंगे।

जो होगा अच्छा होगा

किसी भी गलत निर्णय के बाद आप खुद को बहुत सारी शंकाओं के बीच पाते हैं लेकिन याद रहे कि कोई भी स्थिति हमेशा नहीं रहने वाली है और समय के साथ आप हर तरह की स्थिति से अपने आप को बाहर निकाल लेते हैं। कोई खुशी हमेशा टिकने वाली नहीं होती और उसी तरह समस्या भी हमेशा नहीं रहती है। अगर आप अपनी जिंदगी के गुजरे वर्षों को देखेंगे तो पाएंगे आपने पहले भी कई मुश्किलों पर जीत दर्ज की है। ऐसे समय में अपनी पुरानी उपलब्धियों को देखना आपको आगे बढ़ने में मदद ही करेगा।

आगे की राह

जब भी आप अपने साथ हुए हादसे में ही फंसे रहते हैं तब तक उससे बाहर निकलने के रास्ते के बारे में नहीं सोच पाते हैं। इसलिए जितनी जल्दी हो सके अपने आपको कोसना बंद करें और आगे के बारे में सोचें। अपने साथ हुए बुरे को आप नई राह खुलने का संकेत भी मान सकते हैं। जैसे अगर आपकी नौकरी चली जाए तो उससे डिप्रेशन में जाने के बजाय आपको यह सोचना चाहिए अब आप अपना मनचाहा काम तलाश सकते हैं। कोई भी एक राह बंद होती है तो चार नई राहें खुलती हैं इस बात में यकीन रखें।

बारिश में इन तरीकों से अपने स्मार्टफोन को रखें सुरक्षित

बरसात में स्मार्टफोन का भीगना जाना आम बात है। अगर आपका स्मार्टफोन पानी में भीग जाता है तो ऐसे में आप कुछ सावधानियां बरतकर फोन को सुरक्षित रख सकते हैं। फोन की सुरक्षा का इंतजाम करने के लिए अपको किसी प्रकार का खर्च करने की जरूरत नहीं है, कुछ सावधानियों के माध्यम से ही इसे बचा सकते हैं।

जिप पाउच: प्लास्टिक का यह पाउच वाटरप्रूफ होता है और बेहद ही कम कीमत में बाजार में उपलब्ध है। बहुत तेज बारिश के दौरान भी इस पाउच में आप अपने फोन को पूरी तरह से सुरक्षित रख सकते हैं।

वाटरप्रूफ कवर : वाटरप्रूफ कवर भी फोन को बचाने के लिए बेहतर विकल्प है लेकिन कवर बहुत कम ही फोन के लिए उपलब्ध हैं। जैसे एप्पल आईफोन, सैमसंग गैलेक्सी, सोनी एक्सपीरिया और एचटीसी के महंगे फोन के लिए इस तरह के कवर लिये जा सकते हैं।

ब्लूटूथ या ईयरफोन : बरसात के दौरान ब्लूटूथ और ईयरफोन का उपयोग करना आपके फ़ोन को सुरक्षित बनाता है। अधिकतर ब्लूटूथ हेडसेट कुछ हद तक वाटरप्रूफ होते हैं। ऐसे में आप थोड़े बहुत बारिश में फोन से बात भी कर सकते हैं और फोन भी सुरक्षित होगा। ब्लूटूथ या ईयरफोन का उपयोग करने के दौरान फोन आपकी जेब या बैग में होता है जो बाहर रहने से कहीं ज्यादा सुरक्षित है।

यदि फोन पानी में भीग जाए तो क्या करें?
बिना ऑन किए बैटरी निकाल दें
यदि आपके फोन में थोड़ा बहुत भी पानी चला गया तो सबसे पहले बैटरी निकाल दें। इसके बाद उसे बाहर सूखने के लिए छोड़े दें।

कुछ इस तरह सीख सकते है आर्ट ऑफ लिसनिंग

हमेशा बोलते रहना, दूसरों की बात बिना सुने-समझे प्रतिक्रिया जताना, विषय की जानकारी न होने के बावजूद यह जाहिर करना कि उसके बारे में बहुत पता है... अगर यह आदत आपके भीतर भी है तो संभल जाएं। इन आदतों के कारण प्रोफ़ेशनल वर्ल्ड में पिछड़ सकते हैं। हो सकता है, आप अच्छे वक्ता हों, यह भी हो सकता है कि कुछ विषयों में आपकी नॉलेज बाकियों की तुलना में ज्यादा अच्छा हो, लेकिन अच्छा वक्ता होने के साथ-साथ अच्छा श्रोता भी बनना चाहिए। सुनने की कला सीख लें तो मंजिलें आसान हो सकती हैं। सुनने और मनन करने से विषय को गहराई से समझने में मदद मिलती ही है, उसे दूसरे के नजरिए से भी देख पाते हैं। किसी भी विषय को समग्रता में जानना आगे बढ़ने की जरूरी शर्त है।

फिर वही बोरिंग लेक्चर!

एक अध्ययन के अनुसार, हम जो भी सुनते हैं, उसका 50 प्रतिशत ही हमें याद रहता है। अगर सुने गए को हम नोट कर लें तो यह मेमोरी में बस 20 प्रतिशत तक ही शेष रह जाता है। अक्सर किसी मीटिंग, सेमिनार या वर्कशॉप में अपनी पसंद का विषय न होने पर लोग कहने लगते हैं, 'क्या पकाऊ लेक्चर है यार...।'' कई बार मीटिंग्स को बहाने बनाकर टाल देते हैं। ऐसा करना करियर के लिहाज से ठीक नहीं है। मीटिंग्स, सेमिनार, कंाफ्रेंस म ... बढ़ -

सुनने की कला

कुछ लोग जब बात करते हैं तो सामने वाले को इतना मौका तक नहीं देते कि वह भी अपनी राय रख सकें। सामने वाला आपकी बातों को ठीक से समझ रहा है कि नहीं, यह जाने बिना वे बोलते रहते हैं। कोई भी संवाद एकतरफा नहीं होता है। सुनते समय कई बार हम वक्ता की भावनाओं, ज्ञान, अनुभव, शारीरिक हाव-भाव के आधार पर परिस्थिति और वस्तुस्थिति का आकलन कर लेते हैं। ध्यान रहे, अच्छा श्रोता ही अच्छे लीडर में तब्दील हो सकता है।

चढ़कर हिस्सा नहीं लेंगे तो आपको अपने काम से संबंधित नई जानकारियां पता नहीं चल सकेंगी

स्टेप 1 ध्यान से सुनें

कम्युनिकेशन स्किल्स के अंतर्गत सामने वाले की बात को ध्यान से सुनना बेहद जरूरी है। वक्ता जब संवाद कर रहा हो तो इस बीच ध्यान भटकाने वाली चीजें न करें। इसकी जगह वक्ता को प्रोत्साहित करने के लिए हां में सिर हिलाएं, उपयुक्त बात पर मुस्कुराएं या अपनी बॉडी लैंग्वेज से यह जाहिर करें कि आप उनकी बात समझ रहे हैं। संवाद के बीच में भूलकर भी बालों को संवारने, बात खत्म हुए बिना बीच में बोलने, पैर हिलाने, पेन से खेलने जैसे कार्यों से बचें।

स्टेप 2 बॉडी लैंग्वेज सुधारें

कम्युनिकेशन का बड़ा हिस्सा है बॉडी लैंग्वेज। इसके माध्यम से पता चलता है कि किस स्थिति के लिए कैसे और क्या बात करनी चाहिए। जैसे कोई दुखद समाचा हो तो उस समय मुस्कुराने से स्थिति बिगड़ सकती है, इसलिए ऐसे मौकों पर गंभीर बने रहें।

स्टेप 3 भटकाव न हो

कभी-कभी हम सुनने के बजाए उतावले होकर संवाद के बीच में कूद पड़ते हैं। इस बात से जाहिर होता है कि आप सामने वाले की बात नहीं सुन रहे थे,बल्कि अपनी बारी का इंतजार कर रहे थे। जब तक सही मौका न हो या आपसे बोलने को न कहा जाए, तब तक आप अपनी प्रतिक्रिया न व्यक्त करें।

ऐसा न करें

1. सुनते वक्त बालों में हाथ फ़ेरना
2. पेन या किसी अन्य चीज से खेलना
3. जम्हाई या उबासी लेना
4. अन्य लोगों की तरफ देखना
5. बीच में बोल पड़ना
6. विषय पर कुछ और फीडबैक देना
7. हाथ-पैर हिलाना
8. जबर्दस्ती हंसना।

स्टेप 4 रोको, टोको मत

हो सकता है कि आप सामने वाले की बात से असमहत हों। ऐसी स्थिति में उस समय चुप रहना ही बेहतर विकल्प है। अपनी असहमति जताने के लिए उपयुक्त मौके या उसकी बात खत्म होने का इंतजार करें।

स्टेप 5 खुला रखें दिमाग

जब आप दिमाग खुला रखेंगे, तभी सामने वाले की बातों को समझ पाएंगे। जब आपका ध्यान सामने वाले व्यक्ति की बातों पर होगा तो आप कभी उतावले होकर बीच में नहीं बोलेंगे बल्कि मन ही मन बातों पर मनन करेंगे और उसे समझने की कोशिश करेंगे।

स्टेप 6 फीडबैक जरूरी

आप अच्छे श्रोता तभी कहलाएंगे, जब आप उचित संवाद पर अपना फीडबैक देंगे। इससे वक्ता को यह लगेगा कि आपने उसकी बातों को ध्यानपूर्वक सुना है। उचित फीडबैक देना एक अच्छे श्रोता की पहचान है। यह प्रतिक्रिया वक्ता की बात खत्म होने के बाद ही जतानी चाहिए।

स्टेप 7 नोट्स बनाएं

बातचीत के बीच-बीच में कुछ पॉइंट्स भी नोट करते जाएं, ताकि जहां बात न समझ आ रही हो या जहां मन में कुछ सवाल पैदा हो रहे हों, उन्हें बाद में अपने वक्तव्य में रख सकें। इससे वक्ता की कही गई सभी महत्वपूर्ण बातें याद रहेंगी और चुनिंदा बिंदुओं पर अपनी बात रखेंगे तो वक्ता पर भी इसका सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

स्टेप 8 माहौल में ढलें

सेमिनार हो या कोई वर्कशॉप, ऐसी जगहों पर खुद को माहौल के हिसाब से ढालने की कोशिश करें। ऐसा माहौल बनाएं कि वक्ता अपनी बातें अच्छी तरह प्रेजेंट कर पाए। बोलने वाले के लिए सिर्फ आपकी मौजूदगी ही जरूरी नहीं है, बातें शांतिपूर्ण माहौल में हों, यह भी जरूरी है। इसलिए अनुशासित रहें और अपनी बारी आने पर क्या बोलेंगे, इसकी भी तैयारी करके जाएं।

स्टेप 9 पूरी बात सुनें

कई बार हम सामने वाले की बातों से तुरंत निष्कर्ष निकाल लेते हैं, लेकिन बातों का हमेशा वही मतलब नहीं होता, जो हम समझ रहे हैं। कई बार वक्ता की बात पूरी होते-होते बदल जाती है। पूरा बात सुनें।

स्टेप 10 गौर फरमाएं

प्रेजेंटेशन या मीटिंग में अच्छे श्रोता बनने के कई मौके आते हैं। खुद को ज्यादा जानकार मानकर अपनी बातों पर अड़े न रहें। हो सकता है कि आपके कलीग्स आपसे बेहतर आइडिया दें। उनकी सराहना करें।

महिलाओं की प्रजनन क्षमता को बढ़ाता है अदरक, जाने और फायदे

अदरक हम सभी के घरों में मौजूद रहता है। लेकिन हम उसके सभी गुणों से वाकिफ नहीं रहेत। आज हम आपको बताएंगे अदरक के वो फायदे, जिसके बारे में आप बिलकुल भी नहीं जानते होंगे।

- अदरक के 10-20 मिलीलीटर रस में दो चम्मच शहद मिलाकर पीने से महिलाओं में वातज अंडकोष की वृद्धि मिटती है। इस तरह से ये महिलाओं की प्रजनन क्षमता को बढ़ाता है।
- एक चम्मच अदरक के रस को एक गिलास गर्म पानी में मिलाकर कुल्ला करें। इससे मुंह की दुर्गन्ध दूर हो जाती है।
- अदरक के छोटे-छोटे टुकड़ें कर लें। इसे नींबू के रस में भिगोकर इसमें सेंधा नमक मिला लें। रोजाना खाना खाने से पहले इसको खाएं। आपको ज्यादा भूख लगने लगेगी।
- अगर आपका गला खराब हो गया है तो अदरक, लौंग, हींग और नमक को पीस लें। अब इसकी छोटी-छोटी गोलियां बना लें। दिन में 3-4 बार एक-एक गोली चूसें। गला ठीक हो जाएगा।

रेसिपी

कम समय में बनाएं वेजिटेबल मोमोज

सामग्री

दो कटोरी गेहूं का आटा
1/4कटोरी किसी हुई गाजर
किसा हुआ पत्तागोभी
किसा हुआ फूलगोभी
1/4कटोरी उबले मैश किए हुए आलू
बारीक कटा हरा धनिया
हरी मिर्च
नमक स्वादानुसार
हरी चटनी
टमाटर सॉस
जीरा पावडर
चुटकीभर हींग
नींबू का रस।

विधि

गेहूं के आटे में तेल का मोयन व नमक डालकर गूंथ लें। एक पैन में तेल गर्म करके उसमें जीरा, हींग डालकर बघार बनाकर कटी हुई हरी मिर्च, किसी हुई गाजर, पत्तागोभी, फूलगोभी डालकर थोड़ा भपाएं और उसमें मैश किए आलू, नमक, जीरा पावडर, नीबू का रस डालें और ठंडा करें। गूंथे आटे की छोटी-छोटी रोटी बनाकर उसमें सब्जी वाला मिश्रण भरें। अलग-अलग आकार में बनाकर उसे छलनी पर रखकर भपाएं। चटनी और सॉस के साथ पेश करें गर्मागर्म मोमोज।

व्रत में खाने के लिए बनाएं साबूदाना मसाला डोसा

बैटर के लिए सामग्री

100 ग्राम साबूदाना
50 ग्राम राजगिरा आटा
50 ग्राम कुट्टू का आटा
50 ग्राम दही, सेंधा नमक स्वादानुसार
एक चम्मच तेल
चुटकी भर सोडा (यदि व्रत में खाते हों तो)।

मसाले के लिए सामग्री

200 ग्राम उबले आलू
कढ़ी पत्ता
मैथीदाना
जीरा
सेंधा नमक
एक चुटकी हल्दी
एक चम्मच लाल मिर्च पावडर
दो हरी मिर्च बारीक कटी
एक चम्मच बारीक कटा हरा धनिया
एक टेबल स्पून तेल।

विधि

सबसे पहले डोसे में भरने वाला मसाला तैयार कर लें। एक पैन में तेल गर्म करें। फिर उसमें जीरा और मैथीदाना तड़काकर कढ़ी पत्ता व हरी मिर्च डाल दीजिए। फिर इसमें हल्दी डालकर एक ही साइज में काटे हुए आलू डाल दें। ऊपर से सेंधा नमक, लाल मिर्च पावडर, हरा धनिया डालकर मिला लें। तैयार सब्जी को अलग रख लें।

पहले साबूदानों को तीन घंटे के लिए पानी में भिगोकर रखें। फिर इनका पानी निथारकर इन्हें दही के साथ मिक्सर में पीस लें। इस मिश्रण में राजगिरे और कुट्टू का आटा, नमक व सोडा मिलाएं। यदि थोड़ा पतला करना हो तो पानी की जगह छाछ डालें। फिर इस मिश्रण को कुछ समय के लिए रख दें। नॉन स्टिक पैन गर्म करके उस पर तेल डालें और फिर डोसे का बैटर फैला दें। अच्छी तरह से सिंकने पर इसमें आलू का मसाला भरें और हरी या लाल फलहारी चटनी के साथ खाएं।

संपादकीय

1991 का भारत-पाक करार

भारत और पाकिस्तान के दरमियान 6 अप्रैल, 1991 को एक करार हुआ था। दोनों देशों के तत्कालीन विदेश सचिवों ने उस दस्तावेज पर हस्ताक्षर किए थे। तब चंद्रशेखर भारत के कार्यवाहक प्रधानमंत्री थे। कांग्रेस उनकी सरकार से समर्थन वापस ले चुकी थी, लिहाजा व्यवहार में तो सरकार गिर चुकी थी, लेकिन यह संसदीय परंपरा रही है कि नई सरकार बनने तक 'कार्यवाहक प्रधानमंत्री' की व्यवस्था रहती है, ताकि देश नेतृत्वहीन न रहे और सरकार की व्यवस्थाएं सुचारू रूप से जारी रहें। पहला सवाल तो यही है कि क्या एक कार्यवाहक प्रधानमंत्री ऐसे द्विपक्षीय समझौते का प्रारूप तय कर सकता है और उसे अंजाम तक पहुंचा सकता है? क्या उस समझौते का प्रारूप 6 मार्च, 1991 के बाद तय किया गया, जब कांग्रेस ने चंद्रशेखर सरकार से समर्थन वापस लिया था? यदि समझौते का दस्तावेज कांग्रेस-समर्थन के दौरान तैयार किया गया, तो जाहिर है कि कांग्रेस की सहमति भी रही होगी! जिस सरकार के पास पर्याप्त जनादेश ही नहीं था, वह ऐसे द्विपक्षीय करार और वह भी पाकिस्तान के साथ कैसे कर सकती थी? नितांत असंवैधानिक और अवैध था! लोकसभा चुनाव हुए और तत्कालीन प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हा राव के नेतृत्व में सरकार बनी। अंततः करार दिसंबर, 1994 में लागू किया गया। जाहिर हो गया कि 1991 का करार कांग्रेस की ही कूटनीतिक और मानसिक उपज था। चूंकि मई, 2025 में उस करार के दस्तावेज को भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने सार्वजनिक किया है, लिहाजा कांग्रेस चंद्रशेखर सरकार पर लाद रही है, जबकि कांग्रेस सरकार ने ही वह करार लागू किया था। 2004-2014 तक केंद्र में कांग्रेस नेतृत्व की ही यूपीए सरकार थी। क्या मनमोहन सरकार को इस करार की जानकारी नहीं थी? यदि जानकारी थी और करार कांग्रेस ने नहीं तय किया था, तो करार रद्द क्यों नहीं किया गया? चूंकि करार भारत सरकार ने किया था, लिहाजा अब प्रधानमंत्री मोदी या विदेश मंत्री जयशंकर आधिकारिक तौर पर स्पष्ट करें कि उस द्विपक्षीय करार का सच क्या है? क्या करार आज भी प्रभावी है? यह भाजपा-कांग्रेस का विवाद नहीं है। देश की सरकार ने पाकिस्तान के साथ समझौता किया था, लिहाजा उसे पूरी तरह जानने का अधिकार देश को है। समझौता दोनों देशों की सेनाओं की गतिविधियों और युद्धाभ्यास आदि को लेकर था कि दोनों देश उसकी सूचनाएं साझा करते रहेंगे। कोई गलतफहमी नहीं होनी चाहिए। सीमा के 10 किमी के अंदर लड़ाकू विमान उड़ान नहीं भरेंगे। इसी तरह नौसेना के जहाजों की दूरी भी तय की गई थी। सेनाओं की गतिविधियों और आवाजाही की जानकारी लिखित में साझा करनी होगी। ऐसा ही समझौता परमाणु हथियारों के मद्देनजर किया गया था। कांग्रेस दलीलें दे रही है कि वह करार 'शांति-काल' के मद्देनजर था। ये दलीलें सर्वथा गलत हैं, क्योंकि भारत में तब कई तरह के आतंकवाद और उग्रवाद फैल चुके थे। कश्मीर घाटी से पंडितों और हिंदुओं को बेदखल किया जा चुका था और वे विस्थापित हो रहे थे। पंजाब में खालिस्तानी उग्रवाद का हिंसक दौर चरम पर था। तमिलनाडु में लिट्टे आतंकी सक्रिय थे, जिन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की 21 मई, 1991 को हत्या की थी। देश के पूर्वोत्तर राज्यों में अलग-अलग उग्रवादी गुट उभर आए थे। उसे 'शांति-काल' कैसे कहा जा सकता है? चूंकि मौजूदा परिदृश्य में विदेश मंत्री जयशंकर कांग्रेस और खासकर उसके नेता राहुल गांधी के निशाने पर हैं। कांग्रेस उन्हें 'देशद्रोही' और 'जयचंद' तक करार दे रही है। पार्टी नेताओं और प्रवक्ताओं की व्याख्या है कि पाकिस्तान में आतंकी अड्डों पर भारतीय सेना के प्रहार से पहले ही विदेश मंत्री ने हमले की जानकारी पाकिस्तान के साथ साझा की थी। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी इसे चूक नहीं, अपराध मानते हैं। हालांकि विदेश मंत्रालय और सेना बार-बार स्पष्ट कर चुके हैं कि ऐसा नहीं किया गया। दरअसल आतंकियों के अड्डे तबाह करने और करीब 170 आतंकियों को ढेर करने के बाद हमने पाकिस्तान को ब्रीफ किया था कि सेना ने सिर्फ आतंकवाद को निशाना बनाया है, पाकिस्तान की फौज और अवाम को नहीं। कांग्रेस मानने को तैयार ही नहीं है। ऐसे हालात में 1991 का करार सामने आया है। हम मोदी सरकार से अपेक्षा करते हैं कि वह 1991 के करार का सच स्पष्ट करे। इस समय पूरे देश को एकजुट होकर चलना चाहिए तथा आतंकवाद पर करारी चोट करनी चाहिए।

कांग्रेस उनकी सरकार से समर्थन वापस ले चुकी थी, लिहाजा व्यवहार में तो सरकार गिर चुकी थी, लेकिन यह संसदीय परंपरा रही है कि नई सरकार बनने तक 'कार्यवाहक प्रधानमंत्री' की व्यवस्था रहती है, ताकि देश नेतृत्वहीन न रहे और सरकार की व्यवस्थाएं सुचारू रूप से जारी रहें। पहला सवाल तो यही है कि क्या एक कार्यवाहक प्रधानमंत्री ऐसे द्विपक्षीय समझौते का प्रारूप तय कर सकता है और उसे अंजाम तक पहुंचा सकता है? क्या उस समझौते का प्रारूप 6 मार्च, 1991 के बाद तय किया गया, जब कांग्रेस ने चंद्रशेखर सरकार से समर्थन वापस लिया था? यदि समझौते का दस्तावेज कांग्रेस-समर्थन के दौरान तैयार किया गया, तो जाहिर है कि कांग्रेस की सहमति भी रही होगी! जिस सरकार के पास पर्याप्त जनादेश ही नहीं था, वह ऐसे द्विपक्षीय करार और वह भी पाकिस्तान के साथ कैसे कर सकती थी? नितांत असंवैधानिक और अवैध था! लोकसभा चुनाव हुए और तत्कालीन प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हा राव के नेतृत्व में सरकार बनी। अंततः करार दिसंबर, 1994 में लागू किया गया।

एमएसएमई क्षेत्र के उद्यमियों और निर्यातकों को भी नई चुनौतियों के मद्देनजर तैयार होना होगा

अब व्यापार घाटे पर नियंत्रण जरूरी

इन दिनों विदेश व्यापार पर प्रकाशित हो रही राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय रिपोर्टों में कहा जा रहा है कि वैश्विक व्यापार तनाव, टैरिफ में हुई बढ़ोतरी और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में व्यवधान जैसी चुनौतियों से भारत के सामने व्यापार घाटा बढ़ने का खतरा है। इस परिप्रेक्ष्य में उल्लेखनीय है कि हाल ही में वाणिज्य मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक अप्रैल 2025 में जहां भारत से वस्तु निर्यात बढ़कर 38.49 अरब डॉलर के स्तर पर पहुंच गए, वहीं भारत के वस्तु आयात अधिक तेजी से बढ़कर 64.91 अरब डॉलर के स्तर पर पहुंच गए हैं। ऐसे में वस्तुओं के व्यापार घाटे का आकार 26.42 अरब डॉलर पर रेखांकित हो रहा है। अतएव भारत के द्वारा व्यापार घाटे पर नियंत्रण के लिए रणनीतिपूर्वक आगे बढ़ना जरूरी है। निश्चित रूप से इस समय सूक्ष्म, लघु और मझौले उद्यम (एमएसएमई) जहां देश से निर्यात बढ़ाने में नई भूमिका निभा सकते हैं, वहीं आयात नियंत्रण में भी मददगार हो सकते हैं। इस समय नए व्यापार युग के बदलाव के दौर में भारत के एमएसएमई के लिए चुनौतियों के बीच दुनिया में आगे बढ़ने के ऐतिहासिक अवसर भी हैं और ये उद्योग वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में प्रतिस्पर्धी बन सकते हैं। इसमें कोई दो मत नहीं है कि टैरिफ वार से एमएसएमई क्षेत्र को जो झटका लग रहा है, उस झटके से एमएसएमई के उबारने के लिए जहां एक ओर सरकार के द्वारा एमएसएमई के समक्ष दिखाई दे रही चुनौतियों के समाधान के लिए रणनीति बनाकर निर्यातकों को सहारा देना होगा, वहीं एमएसएमई क्षेत्र के उद्यमियों और निर्यातकों को भी नई चुनौतियों के मद्देनजर तैयार होना होगा। इस परिप्रेक्ष्य में यह बात महत्वपूर्ण है कि सरकार निर्यातकों को सहारा देने के लिए 2250 करोड़ रुपए के निर्यात संवर्धन मिशन को तेजी से लागू करने और बिना रेहन के कर्ज दिए जाने की योजना बना रही है। साथ ही चालू वित्त वर्ष 2025-26 में एमएसएमई को दिए जाने वाले कर्ज का लक्ष्य पिछले वर्ष की तुलना में करीब 20 फीसदी बढ़ाकर 17.5 लाख करोड़ रुपए किया गया है। इसी तरह एमएसएमई क्षेत्र भी नए व्यापार युग की सच्चाइयों को समझते हुए नवाचार, प्रतिस्पर्धा, क्षमता में सुधार तथा शोध की डगर पर आगे बढ़ने की तैयारी कर रहा है। चूंकि पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान के खिलाफ भारत की कार्रवाई पर चीन पाकिस्तान के साथ खड़ा दिखाई दिया है और चीन ने न केवल पाकिस्तान को पूर्ण समर्थन दिया, वरन चीन ने पाकिस्तान को मिसाइलों सहित विभिन्न हथियारों की सीधी आपूर्ति भी की। चीन अप्रत्यक्ष रूप से भारत को तेजी से आर्थिक

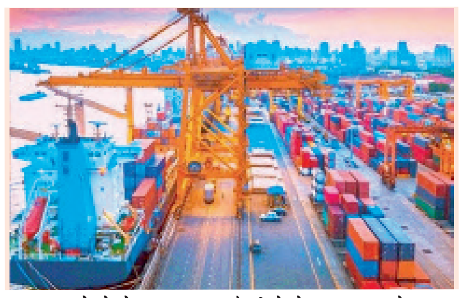

शक्ति बनने से रोकना चाहता है। ऐसे में अब भारत के साथ शत्रुपूर्ण आचरण कर रहे चीन से वर्ष-प्रतिवर्ष तेजी से बढ़ते हुए आयातों को नियंत्रित करके चीन को भी आर्थिक सबक दिया जाना जरूरी है। हाल ही में प्रकाशित नवीनतम आंकड़ों के मुताबिक चीन के साथ द्विपक्षीय कारोबार में भारत लगातार घाटे की स्थिति में बना हुआ है। पिछले वित्त वर्ष 2024-25 में चीन को भारत का निर्यात 14.5 प्रतिशत घटकर 14.25 अरब डॉलर रह गया, जबकि 2023-24 में यह 16.66 अरब डॉलर था। इतना ही नहीं, चिंताजनक यह भी है कि चीन से 2024-25 में आयात 11.52 प्रतिशत बढ़कर 113.45 अरब डॉलर हो गया, जबकि 2023-24 में यह 101.73 अरब डॉलर था। चीन के साथ व्यापार घाटा पिछले वित्त वर्ष में करीब 17 प्रतिशत बढ़कर 99.2 अरब डॉलर हो गया, जो 2023-24 में 85.07 अरब डॉलर था। चीन 2024-25 में 127.7 अरब डॉलर के द्विपक्षीय व्यापार के साथ भारत का दूसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार बना रहा। दोनों देशों के बीच 2023-24 में 118.4 अरब डॉलर का द्विपक्षीय व्यापार हुआ था। चीन पर निर्भरता कम करने के जो रणनीतिक कदम उठाए गए हैं, उनका अभी जमीनी तौर पर कोई विशेष असर नहीं दिखा है। अब आतंकी देश पाकिस्तान को विश्व मंच पर खुला समर्थन दे रहे, चीन के साथ कोई छह माह पूर्व भारत ने मित्रता की जिस राह को आगे बढ़ाया था, अब उस राह को रोकते हुए चीन के साथ कारोबार असंतुलन को कम करने के लिए हरसंभव कदम उठाने जाने जरूरी हैं। निःसंदेह भारत की नई वैश्विक व्यापार रणनीति के तहत नए मुक्त व्यापार समझौतों और द्विपक्षीय व्यापार समझौतों से व्यापार घाटे में कमी लाई जानी होगी। भारत के द्वारा ब्रिटेन के साथ किए गए मुक्त व्यापार समझौते के बाद अब अमेरिका और यूरोपीय यूनियन के साथ-साथ मुक्त व्यापार समझौतों को 31 दिसंबर 2025 तक पूर्ण किए जाने के लक्ष्य की ओर तेजी से आगे बढ़ना होगा। इस समय भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय कारोबार समझौते (बीटीए) के शुरुआती चरण के लिए वार्ता तेजी से आगे बढ़ रही है। हाल ही में अमेरिका के वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने व्हाइट हाऊस में एक प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि पूरी दुनिया में भारत एक ऐसे पहले देश के रूप में सामने आया है, जो अमेरिका के साथ सबसे पहले टैरिफ पर प्रभावी वार्ता करते हुए द्विपक्षीय कारोबार समझौते को तेजी से अंतिम रूप देने की डगर पर आगे बढ़ रहा है। भारत के द्वारा ओमान, कनाडा, दक्षिण अफ्रीका, इजराइल, भारत गल्फ कंट्रीज काउंसिल सहित अन्य प्रमुख देशों के साथ भी एफटीए को शीघ्रतापूर्वक अंतिम रूप दिया जाना होगा। इसमें कोई दो मत नहीं है कि देश से सेवा निर्यात (सर्विस एक्सपोर्ट) बढ़ाकर व्यापार घाटे में कमी लाई जा सकती है। इस समय पूरी दुनिया में भारत सेवा निर्यात की डगर पर छलांगे लगाकर आगे बढ़ रहा है। भारत को सेवा निर्यात की नई वैश्विक राजधानी के रूप में रेखांकित किया जा रहा है। हाल ही में वाणिज्य मंत्रालय के द्वारा प्रकाशित आंकड़ों के मुताबिक पिछले वित्तीय वर्ष 2024-25 में भारत का सेवा निर्यात करीब 387.5 अरब डॉलर का रहा है। भारत में बड़ी बहुराष्ट्रीय कंपनियों द्वारा ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स (जीसीसी) की तेजी से नई स्थापनाओं के कारण भी सेवा निर्यात तेजी से बढ़ रहा है। हाल ही में नैसकॉम और जिनोव की ओर से जारी इंडिया जीसीसी, लैंडस्केप रिपोर्ट के मुताबिक जीसीसी के लिए भारत दुनिया का सबसे बड़ा हब बनते हुए दिखाई दे रहा है। फिलहाल देश में 1700 जीसीसी हैं जिनसे 20 लाख से अधिक लोगों को रोजगार मिल रहा है। देश में जीसीसी का बाजार आकार 5.4 लाख करोड़ रुपए का है और यह 2030 तक 8.4 लाख करोड़ रुपए का होगा। दुनिया के 50 प्रतिशत जीसीसी सिर्फ भारत में हैं। भारतीय जीडीपी में भारत के जीसीसी का योगदान एक प्रतिशत है और 2030 तक यह 3.5 प्रतिशत हो जाएगा। ऐसे में भारत को सेवा निर्यात और तेजी से बढ़ाने की नई रणनीति के साथ आगे बढ़ना होगा। यह बात ध्यान में रखी जानी होगी कि अब सेवा निर्यात के क्षेत्र में भी लगातार प्रतिस्पर्धा बढ़ रही है। ऐसी स्थिति में भारत से डिजिटल सेवा निर्यात में तेजी से वृद्धि के लिए सेवाओं की गुणवत्ता, दक्षता, उत्कृष्टता तथा सुरक्षा को लेकर और अधिक प्रयास करने होंगे। हम उम्मीद करें कि भारत सरकार बढ़ते हुए व्यापार घाटे को नियंत्रित करने के लिए एमएसएमई की मजबूती, चीन से आयात नियंत्रण, मुक्त और द्विपक्षीय व्यापार समझौतों, सेवा निर्यात बढ़ाने तथा निर्यात के लिए संभावित नए देशों में कारगर प्रयासों की रणनीति को मुट्ठी में लेकर आगे बढ़ने का प्रयास करेगी।

राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय रिपोर्टों में कहा जा रहा है कि वैश्विक व्यापार तनाव, टैरिफ में हुई बढ़ोतरी और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में व्यवधान जैसी चुनौतियों से भारत के सामने व्यापार घाटा बढ़ने का खतरा है। इस परिप्रेक्ष्य में उल्लेखनीय है कि हाल ही में वाणिज्य मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक अप्रैल 2025 में जहां भारत से वस्तु निर्यात बढ़कर 38.49 अरब डॉलर के स्तर पर पहुंच गए, वहीं भारत के वस्तु आयात अधिक तेजी से बढ़कर 64.91 अरब डॉलर के स्तर पर पहुंच गए हैं। ऐसे में वस्तुओं के व्यापार घाटे का आकार 26.42 अरब डॉलर पर रेखांकित हो रहा है। अतएव भारत के द्वारा व्यापार घाटे पर नियंत्रण के लिए रणनीतिपूर्वक आगे बढ़ना जरूरी है।

देश दुनिया से

कश्मीरी आस को विश्वास चाहिए

जम्मू कश्मीर में जम्हूरियत ने अपनी पहली परीक्षा पास कर ली है। गुजरे बुधवार को पहले चरण के चुनाव में सर्वाधिक संवेदनशील मानी जाने वाली 24 विधानसभा सीटों के लिए मनपसंद उम्मीदवार चुनने को लोग उमड़ पडे.। यहां 61.11 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने लोकतांत्रिक हक-हुकूक का इस्तेमाल किया। पिछले 35 वर्षों में इतने वोट कभी नहीं पडे. थे। उम्मीद है, अगले दो चरणों में यह सिलसिला जारी रहेगा। इतनी बड़ी तादाद में मतदान से क्या अर्थ निकाला जाए? क्या आतंकवाद से लहूलुहान इस धरती से दहशत की विदाई हो रही है? क्या जम्मू-कश्मीर के लोग शेष देश के साथ कदमताल को तैयार हो गए हैं? क्या 'गन कल्चर' की रुखसती का रुक्का इन चुनावों के जरिये लिखा जा रहा है? इन सवालों के जवाब ढूंढ़ने में जल्दबाजी आत्मघाती साबित हो सकती है। पिछले 75 बरस के घटनाक्रम गवाह हैं कि वहां शांति की हर पहल अगली अशांति के बीज बोती है। शक, शुबहे और संशय के साथ इस वातावरण के लिए वहां का अवाम नहीं, बल्कि सियासी जमात जिम्मेदार है, जिसने कभी भी जिम्मेदारी का परिचय नहीं दिया। प्रमुखतम राजनीतिक पार्टी नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला से चर्चा शुरू करता हूं। उमर साहब कल तक फरमा रहे थे कि मैं चुनाव नहीं लड़ूंगा। उनका मानना था कि उनके चुनाव लड़ने से प्रदेश विभाजन के केंद्रीय फैसले को मान्यता मिल जाएगी, लेकिन वह अब एक नहीं, दो सीटों से चुनाव लड़ रहे हैं। कोई उनसे पूछता है कि क्या आप चुनाव के बाद मुख्यमंत्री की कुर्सी भी संभालेंगे, तो उनका जवाब होता है कि मैं भविष्य के बारे में कुछ नहीं कहना चाहता। सियासत समझने वाले समझते हैं कि उमर अब्दुल्ला को यह चुनाव मजबूरी में लड़ना पड़ रहा है। अगर वह नहीं लड़ते, तो भला किस मुंह से जनता से वोट मांगने जाते? वह कैसे कहते कि हमारे प्रत्याशियों को जिताओ? अगर उनका गठबंधन जीतता है, तो ना-नुकूर के बाद इस 'अधूरे' राज्य का मुख्यमंत्री पद भी स्वीकार कर सकते हैं। राजनीति में राम और भरत नहीं होते। अब्दुल्ला पिता-पुत्र अपनी पार्टी में कोई जीतनराम मांझी अथवा चंपाई सोरेन नहीं पनपने देना चाहेंगे। बात यहीं खत्म नहीं होती। नेशनल कॉन्फ्रेंस ने पहले अनुच्छेद-370 को मुख्य मुद्दा बनाने से इनकार किया था। ऐसा उन्होंने कांग्रेस के साथ चुनावी जुगलबंदी के लिए किया होगा। राष्ट्रीय पार्टी होने के नाते कांग्रेस शेष देश में यह मुद्दा भारतीय जनता पार्टी को नहीं सौंपना चाहती कि वह कश्मीर के मुद्दे पर तुष्टिकरण की राजनीति कर रही है। उमर यहां भी अपनी बात से पीछे हट चुके हैं। अब उन्हें पूर्ण राज्य के दर्जे की बहाली के साथ अनुच्छेद-370 की वापसी भी चाहिए। हालांकि, पूर्ण राज्य का दर्जा सभी बहाल करना चाहते हैं। भारतीय जनता पार्टी भी इससे इनकार नहीं करती, लेकिन नेशनल कॉन्फ्रेंस के तौर-तरीके ने उस पर सवाल खडे.कर दिए हैं। इससे कांग्रेस के सामने वैचारिक दुविधा खड़ी हो गई है। क्या यह विरोधाभास उन क्षेत्रीय दलों का रास्ता हमवार करेगा, जो बातों ही बातों में अलगाव का मुद्दा परोस जाते हैं? इस सवाल के जवाब के लिए इंजीनियर राशिद के बयानों पर नजर डाल देखिए। राशिद उमर अब्दुल्ला को हराकर संसद में पहुंचे हैं। उन्होंने वह चुनाव तिहाड़ जेल से लड़ा और जीता। जेल से छूटने के दूसरे ही दिन राशिद ने अपने निर्वाचन क्षेत्र में एक जनसभा की। देर शाम आयोजित इस सभा में उमड़ी भीड़ ने लोगों को हैरत में डाल दिया है। सवाल उठ रहे हैं, क्या इंजीनियर राशिद इस चुनाव में बहुत बड़ा उलट-फेर करने जा रहे हैं? जवाब के लिए हमें अक्तूबर की आठ तारीख का इंतजार करना पडेग़ा, उस दिन नतीजे घोषित होने हैं। हालांकि, राशिद अपने तईं यही कोशिश कर रहे हैं। इसी वजह से वह राष्ट्रीय पार्टियों, नेशनल कॉन्फ्रेंस और पीडीपी सहित सभी के निशाने पर हैं। उमर अब्दुल्ला उन पर सवाल उठाते हैं कि जिस यूएपीए कानून के तहत इंजीनियर राशिद गिरफ्तार थे, उसमें आमतौर पर जमानत नहीं होती। उन्हें कैसे मिल गई? राजनीतिक बिरादरी में यह भी चर्चा है कि जिस कश्मीर में शाम ढलते ही नाके लगा दिए जाते हैं, वहां बारामूला जैसे जिले में देर शाम भला इतनी भीड़ जुटने कैसे दी गई? जमात-ए-इस्लामी से राशिद के गठबंधन पर भी सवाल उठ रहे हैं। उनके विपक्षियों को शक है कि राशिद अपने प्रत्याशियों के साथ निर्दलीय उम्मीदवार को जिताने की कोशिश करेंगे। जरूरत पड़ने पर निर्दलीय विधायक 'कहीं भी' यानी भाजपा के पाले में भी जाने को स्वतंत्र होंगे। इस शक-शुबहे का खात्मा खुद इंजीनियर राशिद को करना चाहिए, पर वह भी पहेलियां बुझा रहे हैं। वह अनुच्छेद-370 और जनमत संग्रह जैसे संवेदनशील मुद्दों पर सीधा जवाब देने के बजाय, प्रश्नकर्ता को इतिहास की कंदराओं में भटकाने का प्रयास करते हैं। उनका निशाना नेशनल कॉन्फ्रेंस के आदि पुरुष शेख अब्दुल्ला से लेकर 'मैडम' यानी महबूबा मुफ्ती तक होते हैं? वह यहां तक कहते हैं कि महबूबा मुफ्ती की पार्टी का जन्म एक 'मिलिट्री कैंप' में हुआ था। राशिद ने भी कश्मीर के वरिष्ठ नेताओं की तरह संदेहों के नए बबूल रोपना सीख लिया है। सज्जाद लोन और चुनावी समर के अन्य योद्धा भी इसी रास्ते पर चल रहे हैं। कश्मीर और कश्मीरियों को इन प्रवृत्तियों ने ही लहूलुहान किया है। पीढ़ी-दर-पीढ़ी चली आ रही इस रवायत ने वहां के सामाजिक कार्यकर्ताओं और पत्रकारों पर भी असर डाला है। मैं खुद ऐसे तमाम लोगों से मिला हूं, जो दिल्ली में कुछ, जम्मू में कुछ और श्रीनगर में बिल्कुल उल्टा बोलने के अभ्यस्त हैं। प्रवंचनाओं के इस सतत अभ्यास ने वहां के साधारण जन को भी दोहरे मानदंड जीने पर मजबूर कर दिया है। यहां ऐसे लोगों की बड़ी जमात है, जो आम मजलिसों में अलगाववाद के समर्थन की दावेदारी करते हैं और रात के अंधेरे में सुरक्षा बलों व खुफिया दस्तों को जरूरी 'टिप्स' बांटते फिरते हैं। इनके लिए दहशतगर्द और बंदूकधारी पुलिस के जवान एक बराबर हैं।

कुछ अलग

सचिवालय का डस्टबिन

वह डस्टबिन अलोम-विलोम करता हुआ मिला। वह अपनी सांसें रोकने का प्रयास कर रहा था ताकि दुर्गन्ध से आसपास का माहौल न बिगड़े। इस डस्टबिन ने कभी साफ-सुथरा कूड़ा तो कभी साफ सुथरे लोगों के गंदे हाथ देखे थे। उसे हर तरह का कूड़ा कुछ न कुछ कहता हुआ मिला। समाज कितना बदल गया, देश कितना बदल गया और आइंदा कितना बदलेगा, यह डस्टबिन से बेहतर और कौन जान सकता है। कितना आश्चर्य है कि हर डस्टबिन एक जैसा पैदा होता है, लेकिन किसी घर और किसी दफ्तर में घुसते ही इसका रंग-रूप और आचरण बदल जाता है। डस्टबिन को लोगों की नीयत, क्षमता, उपयोगिता और मूल्यों का पता है। देश में कौन खा और कौन कितना खा रहा है, इससे बेहतर और कौन जान सकता। डस्टबिन घर-घर के किचन से डरता है। यह रोटियों-बोटियों से डरता है। सास-बहू की लड़ाई से डरता है। खाने के सलीके और काटने के तरीके से डरता है। डस्टबिन अपने मालिक के नाम से डरने लगा है। लोग धर्म की पहचान में डस्टबिन छानने लगे हैं। दायित्व के प्रति सचेत डस्टबिन, हमेशा इस्तेमाल होने की मुद्रा में अपने अस्तित्व की सफाई में व्यस्त रहने लगा है। उस दिन सचिवालय के भीतर का डस्टबिन बाहर वाले से भिड़ गया, 'देख! मेरे भीतर पूरे सचिवालय का चरित्र रहता है, जबकि तू लोगों के गिरे हुए सामान से अटा रहता है। सचिवालय में आती इच्छाओं, दरख्वास्तों, सिफारिशों और मीडिया की रपटों को मैं करीने से छुपा लेता हूं। मैं अरमानों भरा, सचिवालय के किरदार की तरह, हर दिन को छानकर सरकारी फाइलों की चिंता मिटाता हूं। याद रखना सचिवालय का डस्टबिन हूं, इसलिए आम नागरिक की आशाओं से कहीं अधिक साफ सुथरा रहता हूं। प्रदेश की स्वच्छता का राज मैं हूं।' बाहर वाला डस्टबिन यह सुनकर मायूस हुआ कि उसकी मेहनत को कचरा माना जा रहा है, जबकि जो राज्य की मेहनत को बर्बाद कर रहा है, उसे पुचकारा जा रहा है। सचिवालय का डस्टबिन रौब मार रहा था, उसे बाहर वाले से कोई मुकाबला मंजूर नहीं। सचिवालय वाले को गुरूर था, 'मैं सत्ता का डस्टबिन हूं, चुटकी में उठाकर नाले में फिंकवा दूंगा।' बाहर वाला गिड़गिड़ा रहा था, 'मेरी वजह से तुम साफ लगते हो, वरना मैं जनता के बीच, जनता के करीब हूं।' सचिवालय के डस्टबिन पर सत्ता की चमक का असर इतना था कि उसे भरोसा था कि पूरे पांच साल चलेगा, लेकिन अचानक सरकार गिरने की गाज उसके ऊपर पड़ी। नई सरकार ने नए डस्टबिन आर्डर देकर पुनः दोनों को एक जैसा कर दिया। सारे पुराने डस्टबिन गंगा के करीब कबाडख़ाने पहुंच गए। सचिवालय का डस्टबिन वहां रोने लगा, लेकिन बाहर वाला मान चुका था कि कबाडख़ाने में उसे सारी गंदगी से मुक्ति मिल जाएगी। वह दूर गंगा घाट पर पवित्र होते लोगों को अपने जैसा मानने लगा था। उसे लग रहा था कि डस्टबिन का अंत अगर कबाडख़ाना है, तो इनसान भी जीवन के कबाडख़ाने को गंगा के सामने देखता है। उसने देखा कबाड़ी ने गंगा में डुबकी लगाने के बाद, एक-एक करके डस्टबिन पानी में खाली कर दिए। पहली बार बाहर वाला डस्टबिन पूरी तरह खाली था।

आप का नजरिया

पुलिस जांच के काले सफदे

फिर एक जांच के दरवाजे सीबीआई के शो केस में खुलेंगे और हिमाचल पुलिस के संदर्भ मुखौटे बन जाएंगे। फिर मुखौटे खुल रहे हैं और जिन परिस्थितियों में विमल नेगी मौत का मामला सीबीआई तक पहुंच रहा है, वहां माननीय हाई कोर्ट की टिप्पणियां पूरे पुलिस महकमे की चादर में अनेक छेद ढूंढ लेती हैं। पुलिस मुख्यालय की अकड़ में और शिमला के एसपी जांच की पकड़ के बीच कई पलटबाजियां और जांच के विरोधाभास सामने आ रहे हैं। विमल नेगी मौत जांच से पहले भी गुडिया कांड और उस दौरान हिरासत में मौत के चिथड़ों ने एक पूरी एसआईटी को जेल में ठूंस दिया था, तो अब ऐसा ही भयावह परिदृश्य पुनः उभरा है। माननीय अदालत ने पुलिस बनाम पुलिस की मलिनता, अफसरों के बीच एक दूसरे को पटकनी देने की साजिशें और जांच में होते विषयांतर को गहनता से पकड़ कर आइंदा के लिए सीबीआई के हवाले पूरे प्रकरण को कालिमा समेत सौंप दिया है। इस कसूर की गवाही में पुलिस कितनी कसूरवार होगी, यह अब एक अलग कहानी के रूप में सामने आएगी। एक मौत के पीछे हजारों दुश्मन हिमाचल की ही व्यवस्था को कुतर रहे थे या एक निजी मामले की गर्त में पुलिस के सितारे डूब रहे हैं। संदेहों की मोटी परत पावर कारपोरेशन की उन फाइलों से निकल चुकी है, जिनसे होकर ओंकार शर्मा की रिपोर्ट निकली है। यहां कई सफे काले हैं, हाथ साफ करने वालों के सबूत काले हैं। एक मौका था, जांच का एहसास था और एक होनहार अधिकारी की मौत का सदमा अगर व्यवस्था को पुकार रहा था, तो अदालत में पुलिस की फजीहत न होती। मृतक नेगी के घरवालों की अपील और दलील ने अगर पुलिस जांच के कान न पकड़े होते, तो केस में रूपांतरित आशंकाएं कई धड़ों में न बंटती। अदालत के सख्त लहजे का सारांश केवल सीबीआई जांच नहीं, बल्कि पुलिस बनाम पुलिस भी है। आश्चर्य यह कि एसपी शिमला अदालत से बाहर निकल कर विभागीय वीरता पर निशाने साध रहा है। पुलिस अधिकारी की प्रेस वार्ता को बहादुरी का सबूत या ईमानदारी का सर्टिफिकेट मानें या बिलासपुर की झील में डूबी कहानी को खोज के लाएं। जांच के कई जिन्न मंडरा रहे हैं, तेरे कातिल पर्दे में किसे डरा रहे हैं। पावर कारपोरेशन की असली 'पावर' की गुत्थियों में ओंकार शर्मा की रिपोर्ट जहां पहुंची थी, वहां असली और नकली चेहरों के बीच सीबीआई शायद किसी रहस्य को पकड़ लाए या विरोधाभास की पुलिस जांच के बीच पुलिस के 'रंग' का भेद हटा पाए। जो भी हो हिमाचल में पुलिस की वर्दी बार-बार सीबीआई के घाट पर धोई जा रही है। ऐसे में पुलिस को ही पुलिस की पड़ताल करनी पड़ेगी। बड़े रैंक के अधिकारियों के बीच महकमा बार-बार इंगित कर रहा है कि बेड़े में सवार ही खुद नैया को डुबो रहे हैं। पुलिस की प्रतिबद्धता, तौर-तरीकों, अनुशासन व कत्तव्य परायणता पर फिर एक बार चोट लगी है। ऐसे में सरकार के लिए भी जांच के आने वाले लम्हे सियासत से भरे होंगे। कुछ तो हाथ जलेंगे, इस धुएं को जब-जब कुरेदा जाएगा। अदालत ने मामले के मर्म से निकाल कर नेगी परिवार को राहत का पैगाम, न्याय का नया आयाम और निष्पक्ष जांच के आधार सौंपे हैं।

दृष्टि कोण

प्रदेश की वर्तमान स्थिति : एक चिंतन

स्वर्गीय विमल नेगी जी की मृत्यु जिन परिस्थितियों में हुई है और इसके बाद जो हालात हमारे प्रदेश में बने हैं, उनसे प्रदेश की आम जनता का विश्वास व्यवस्था के प्रति चरमरा गया है। व्यवस्था परिवर्तन की नीति का ढिंढोरा पीटते-पीटते हिमाचल में व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं। स्वर्गीय विमल नेगी की मृत्यु आत्महत्या है या हत्या, यह अभी तक प्रदेश पुलिस जांच नहीं कर पाई है। लेकिन 18 मार्च के बाद 22 मई को जब यह शोर मच गया कि स्वर्गीय विमल नेगी की जेब से एक पेन ड्राइव मिला है और उसे पुलिस द्वारा ही न केवल गायब कर दिया गया बल्कि उसे फॉरमैट भी कर दिया गया। 18 मार्च से 24 मार्च तक जब पूरी सरकार के चार-चार मंत्री स्वर्गीय विमल नेगी की मृत्यु के आक्रोश से उत्पन्न आंदोलन को शांत करवाने के लिए विशेष अन्वेषण दल के गठन का आश्वासन दे रहे थे, उसी समय विमल नेगी की पेन ड्राइव, जिसमें डाईंग डिक्लेरेशन या भ्रष्टाचार की तमाम कडियों की जानकारी हो सकती थी, उसे गायब करने के जुगाड़ में कुछ लोग लगे थे। यह भी नहीं कि माननीय उच्चतम न्यायालय में हिमाचल सरकार ने दोषियों की जमानत रद्द करने का आग्रह ही नहीं किया। ऐसी परिस्थितियों में जब विमल नेगी की पत्नी ने सीबीआई से जांच मांगी, तो सरकार और उसके मंत्रियों की अनर्थक बयानबाजी से स्पष्ट था कि सरकार की मंशा लीपापोती करने की ही है। आज, यह लेख लिखते समय मुझे स्पष्ट लग रहा है कि बाड़ ही खेत को खा रही है। प्रदेश की पुलिस का महानिदेशक अपनी सेवानिवृत्ति के 15 दिन पहले माननीय उच्च न्यायालय में एक शपथ पत्र अपने जिला पुलिस अधीक्षक की कार्यप्रणाली के बारे में देता है। उसके बाद जिला पुलिस अधीक्षक प्रेस कान्फ्रेंस कर दो-दो पुलिस महानिदेशकों, प्रदेश के मुख्य सचिव, पूर्व जिलाधीश और यहां तक कि संविधान के पद पर बैठे सर्वोच्च व्यक्तित्वों पर भी आरोप लगा देता है। वह किसी राजनीतिक दल की चर्चा करने का प्रयास करता है। भारत संविधान से चलने वाला देश है। संविधान में कार्यपालिका के लिए कुछ कंडक्ट रूल तय किए गए हैं। गलत को गलत बोलने के लिए व्यवस्था स्थापित की गई है, इसीलिए न्यायालय भी स्थापित किए गए हैं। लेकिन जब जिला पुलिस अधीक्षक आरोपों की झड़ी लगा कर प्रदेश सरकार के सभी बड़े अधिकारियों के खिलाफ गंभीर आरोप लगा देता है, तो इससे प्रदेश की जनता के मन में कई सवाल खड़े होते हैं। जैसे, अगर चिट्टा तस्करी में पुलिस महानिदेशक के निजी स्टाफ की मिलीभगत है, तो आम जन किस पर विश्वास करे? पुलिस महानिदेशक के शपथ पत्र का जवाब प्रेस वार्ता क्या हो सकती है? खैर, इन बहुत सारे प्रश्नों को फिर पूछ लेंगे, लेकिन इस प्रकरण से यह स्पष्ट हो गया है कि प्रदेश की पुलिस और प्रशासन की छानबीन में बड़े-बड़े छिद्र हो गए हैं। हिमाचल पुलिस के शिमला जिला के कप्तान की प्रेस वार्ता सुक्खू सरकार की नाकामी का प्रशस्ति पत्र लगती है। हिमाचल, जो दो-ढाई वर्ष पहले पूरे भारत में सबसे अच्छा, शांत और पारदर्शी प्रदेश था, उसकी हालत वर्तमान सरकार में कमजोर हो गई है। शिक्षा बोर्ड से परीक्षा ढंग से नहीं ली जा रही है। बच्चे खतरनाक कदम शिक्षा बोर्ड की लापरवाही के कारण उठा रहे हैं। पत्रकारों पर एक के बाद एक एफआईआर (प्रथम सूचना रिपोर्ट) पुलिस द्वारा दर्ज की जा रही हैं, जिससे लोकतंत्र के चौथे स्तंभ को डराया जा रहा है। प्रदेश के निर्भीक प्रशासनिक अधिकारियों, जैसे ओंकार शर्मा, पर दबाव बनाए जा रहे हैं। भर्ती प्रक्रिया ढाई वर्ष से ठप्प है। ठेकेदारों को भुगतान न मिलने से आर्थिक दबाव का सामना करना पड़ रहा है। कर्मचारियों को प्रताड़ित किया जा रहा है, ट्रांसफर माफिया फल-फूल रहा है, और खनन माफिया को सरकार का संरक्षण मिलने के आरोप हैं। वहीं, भ्रष्टाचार के मामलों को रफा-दफा करने का प्रयास इस सरकार की विश्वसनीयता पर संकट है। आरोप लग रहे हैं कि झूठी गारंटियों के दम पर बनी यह सरकार हिमाचल को बर्बाद करने पर ही उतारू है। हिमाचल की वर्तमान दुर्दशा के लिए केवल पुलिस और प्रशासन की खींचतान ही जिम्मेदार नहीं है, बल्कि यह व्यवस्था के पतन की ओर संकेत है, ऐसी धारणा बन रही है। समय रहते, हिमाचल की जनता को सोचने की आवश्यकता है। हमें यह विचार करना होगा कि हम आने वाली पीढियों को किस प्रकार का हिमाचल सौंपेंगे। क्या पुलिस अधीक्षक अनुशासनहीनता का पाठ पढ़ाएंगे? क्या चिट्टे के स्मगलर पुलिस के बड़े कार्यालयों पर कब्जा कर लेंगे? क्या पुलिस के जवान मृतक से रिकवर हुई पेन ड्राइव को गायब कर, फॉरमैट कर, जांच को मोडऩे और किसी को बचाने के तरीके सिखाएंगे? भारत ने ऑपरेशन सिंदूर से सेना के तीनों अंगों के शौर्य और अनुशासन को प्रदर्शित किया है।

‘डीजलगेट’ घोटाला : वोल्क्सवैगन के चार पूर्व प्रबंधक धोखाधड़ी के दोषी करार, दो को जेल की सजा

ब्राउनश्वेग (जर्मनी) , 27 मई (एजेंसियां) ।

करीब एक दशक पहले शुरू हुए ‘डीजलगेट’ उत्सर्जन घोटाले में वोल्क्सवैगन के चार पूर्व वरिष्ठ प्रबंधकों को धोखाधड़ी का दोषी पाया गया है। जर्मनी के ब्राउनश्वेग शहर की अदालत ने सोमवार को फैसला सुनाते हुए दो अभियुक्तों को जेल की सजा, जबकि दो को निलंबित सजा (सस्पेंडेड सेंटेंस) सुनाई।

अदालत ने जिन चार लोगों को दोषी पाया है, उनमें हाइन्ज–याकब न्यूसर, जो वोल्क्सवैगन में विकास प्रमुख थे, को 01 वर्ष 03 महीने की निलंबित सजा सुनाई गई। हैनो जे, जो कंपनी में ड्राइव इलेक्ट्रॉनिक्स प्रमुख थे, को 02 वर्ष 07 महीने की जेल की सजा दी गई। जेंस एच, जो डीजल मोटर विकास प्रमुख थे, को सबसे कड़ी सजा 04 वर्ष0 6 महीने की जेल दी गई। जबकि चौथे अभियुक्त को 01 वर्ष 10 महीने की निलंबित सजा सुनाई गई। इन सभी को अपील का अधिकार प्राप्त है। इस मामले में अमेरिका में पहले ही दो वोल्क्सवैगन अधिकारियों को जेल हो चुकी है। वोल्क्सवैगन की सहयोगी कंपनी ऑडी के पूर्व प्रमुख रूपर्ट स्टैडलर को 21 महीने की निलंबित सजा और €1.1 मिलियन का जुर्माना लगाया गया, जिसकी अपील अभी विचाराधीन है। इस केस में वोल्क्सवैगन के पूर्व सीईओ मार्टिन विंटरकोर्न को भी आरोपित बनाया गया था, लेकिन स्वास्थ्य कारणों से उनके खिलाफ प्रक्रिया स्थगित कर दी गई है। विंटरकोर्न ने अपने ऊपर लगे आरोपों से इनकार किया है। फिलहाल जर्मनी में इस घोटाले से जुड़े 31 अन्य संदिग्धों के खिलाफ जांच और कानूनी कार्यवाही अब भी जारी है।

क्या था ‘डीजलगेट’ घोटाला

यह घोटाला सितंबर 2015 में सामने आया था जब अमेरिकी पर्यावरण संरक्षण एजेंसी (ईपीए) ने वोल्क्सवैगन पर आरोप लगाया कि कंपनी ने इंजन नियंत्रण सॉफ्टवेयर में हेरफेर कर वाहन परीक्षणों में कम उत्सर्जन दिखाया, जबकि वास्तविक ड्राइविंग में गाड़ियां कई गुना ज्यादा प्रदूषण छोड़ रही थीं। इस खुलासे के बाद वोल्क्सवैगन को वैश्विक स्तर पर 33 अरब डॉलर (करीब 2.75 लाख करोड़ रुपये) से ज्यादा के जुर्माने और मुआवजे चुकाने पड़े।

न्यूज ब्रीफ

दुनिया को डरा रहीं बाबा वेंगा की साल 2025 को लेकर ये भविष्यवाणियां

सोफिया। बुल्गारिया की नेत्रहीन भविष्यवक्ता बाबा वेंगा ने बिना आंखों के ही दुनिया का जो भविष्य देखा, वो

उनकी मौत के दशकों बाद भी सच हो रही हैं। बाबा वेंगा ने साल 2025 में दुनिया भर में युद्ध के साथ ही आर्थिक संकट की भविष्यवाणी की थी। वैश्विक बाजारों को अस्थिर करने वाली नीतियों से भू–राजनीतिक अस्थिरता पैदा हो सकती है। ऐसे में जब दुनिया आर्थिक उथल–पुथल का अनुभव कर रही है, उनकी भविष्यवाणी पहले से अधिक प्रासंगिक हो गई है। उदाहरण के लिए अमेरिका और चीन में टैरिफ युद्ध के चलते वैश्विक अर्थव्यवस्था अस्थिर हो गई है। आपूर्ति श्रृंखला में रुकावटें आ रही हैं। आज वैश्विक अर्थव्यवस्था आपस में इतनी जुड़ी हुई है कि एक प्रमुख अर्थव्यवस्था में पतन से वैश्विक स्तर पर वित्तीय अस्थिरता फैलने की संभावना है। बाबा वेंगा ने साल 2025 में आर्थिक पतन की भी भविष्यवाणी की है। उनकी भविष्यवाणी के अनुसार, यह एक विश्वव्यापी आर्थिक तबाही होगी जिसके कारण बैंकिंग प्रणाली ध्वस्त हो सकती है और अन्य देशों में फैल सकती है। इससे हिंसा शुरू होगी जिसे उन्होंने मानवता के पतन के रूप में संबोधित किया है।बाबा वेंगा के सबसे विचित्र दावों में टेलीपैथी है। उन्होंने अनुमान गाया कि साल 2025 तक मनुष्य सीधे मन से मन तक संवाद करने में सक्षम हो जाएगा। मस्तिष्क–मशीन इंटरफेस ने इस तरफ ध्यान खींचा है। एलन मस्क का न्यूरालिंक ऐसी क्षमताओं की ओर एक संभावित कदम है। ये देखना दिलचस्प होगा कि ये नई तकनीकें बाबा वेंगा की भविष्यवाणी पर खरे उतरते हैं। भूकंप की भविष्यवाणी सत्य हुई बाबा वेंगा ने साल 2025 में विनाशकारी भूकंप का जिक्र किया है। हाल की कुछ घटनाओं को देखते हुए यह भविष्यवाणी सटीक लगती है। 28 मार्च को म्यांमार में 7.7 तीव्रता का बड़ा भूकंप आया था।

पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने युनूस पर लगाया आरोप, कहा देश अमेरिका को बेच दिया

ढाका। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने अंतरिम सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस पर देश को अमेरिका को बेचने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि मेरे पिता अमेरिका की सेंट मार्टिन द्वीप को लेकर रखी गई मांगों से सहमत नहीं हुए थे। उन्हें उसकी कीमत अपनी जान देकर चुकानी पड़ी। मैंने कभी सत्ता में बने रहने के लिए देश बेचने की कल्पना तक नहीं की। सरकार की बागडोर आतंकियों के हाथ में, यूनुस ने उन्हें जेलों से रिहा किया दरअसल पिछले हफ्ते अमेरिकी सेना की एक टुकड़ी ने बांग्लादेश का दौरा किया था। इस दौरान दोनों देशों के सैन्य अधिकारियों के बीच मुलाकात भी हुई थी। इसके अलावा अमेरिकी सैनिकों ने कॉक्स बाजार के बीच पर बांग्लादेशी सैनिकों के साथ अभ्यास भी किया था। हसीना का आरोप देश की कमान आतंकियों को सौंपी हसीना ने दावा किया कि यूनुस ने सरकार की बागडोर आतंकियों के हाथ में सौंप दी है। पूर्व पीएम ने अपनी पार्टी के फेसबुक अकाउंट पर किए पोस्ट में कहा कि यूनुस ने आतंकियों की मदद से सत्ता पर कब्जा किया है। हसीना ने दावा किया कि उन्होंने जिन प्रतिबंधित आतंकियों को गिरफ्तार किया था, यूनुस ने उन्हें रिहा कर दिया है। आज जेलें खाली हैं।

पूर्व अमेरिकी कांग्रेस सदस्य चार्ल्स रैंगल का 94 वर्ष की आयु में निधन

न्यूयॉर्क। कांग्रेशनल ब्लैक कॉकस के संस्थापक सदस्यों में शुमार और अमेरिकी कांग्रेस की ताकतवर हाउस वेज

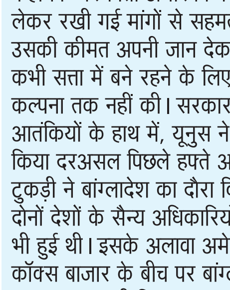

एंड मीन्स कमेटी के पहले अफ्रीकी–अमेरिकी अध्यक्ष चार्ल्स रैंगल का सोमवार को निधन हो गया। वह 94 वर्ष के थे। उनके निधन की पुष्टि सिटी कॉलेज ऑफ न्यूयॉर्क द्वारा जारी एक बयान में की गई। चार्ल्स रैंगल का राजनीतिक जीवन अद्वितीय रहा। वह कोरियन युद्ध के अनुभवी सैनिक थे, और उन्होंने 1970 में प्रसिद्ध हार्लेम नेता एडम क्लेटन पॉवेल को हराकर अमेरिकी कांग्रेस में प्रवेश किया। इसके बाद रैंगल ने लगातार 45 वर्षों तक न्यूयॉर्क के लोगों की सेवा की और 2016 में सार्वजनिक जीवन से संन्यास लिया। सीनेट अल्पसंख्यक नेता चक शूमर ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर रैंगल को श्रद्धांजलि दी और कहा, चार्ल्स रैंगल एक महान व्यक्ति, सच्चे मित्र और वह नेता थे जो कभी अपने मतदाताओं के लिए लड़ना नहीं छोड़ा। शूमर ने आगे कहा कि रैंगल की उपलब्धियां अनगिनत हैं और उन्होंने दुनिया को पहले से बेहतर बना दिया। उन्होंने सामाजिक न्याय, नस्लीय समानता और कर प्रणाली सुधारों के क्षेत्र में अमिट छाप छोड़ी।

दुनिया को भारत दिखा रहा है पाकिस्तान का आतंकी चेहरा, प्रतिनिधिमंडल ने की वैश्विक नेताओं से मुलाकात

जॉर्ज टाउन (गुयाना) , 27 मई (एजेंसियां) ।

कांग्रेस सांसद शशि थरूर के नेतृत्व में भारतीय संसदीय सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल ने गुयाना के राष्ट्रपति मोहम्मद इरफान अली से मुलाकात की है। इन दिनों अलग-अलग भारतीय नेताओं के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल कई देशों की यात्रा पर है। भारतीय प्रतिनिधिमंडल दुनिया भर के नेताओं को पहलगाम पर हुए पाकिस्तान पोषित आतंकी हमले और उसके जवाब में भारत के ऑपरेशन सिंदूर की जानकरी दे रहा है। साथ ही वैश्विक नेताओं को आतंकवाद के खात्मे के लिए भारत की प्रतिबद्धता से अवगत कराया जा रहा है। अब तक हुई मुलाकातों में वैश्विक नेताओं ने आतंकवाद के खिलाफ भारत की लड़ाई में साथ खड़े होने का संकल्प दोहराया है।

सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात के बाद गुयाना के राष्ट्रपति मोहम्मद इरफान अली ने कहा कि भारत और गुयाना के बीच असाधारण संबंध हैं। भारत से उनका खून का रिश्ता है। आर्थिक और राजनीतिक दृष्टिकोण से भारत हमारा बहुत करीबी साझेदार रहा है। पिछले कुछ वर्षों में हमने भारत से बड़े पैमाने पर निवेश देखा है। हमें उम्मीद है कि और अधिक भारतीय निवेशक, भारतीय तकनीक, डिजिटल उत्पाद हमारे अपने विकास का हिस्सा होंगे। वह आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत के साथ हैं। शशि थरूर ने कहा कि गुयाना के प्रधानमंत्री ब्रिगेडियर मार्क एंथनी फिलिप्स के साथ रात्रि भोज पर विचारों का आदान–प्रदान करना सुखद अनुभव रहा। उनकी पत्नी ने भारत में छह सप्ताह बिताए थे। उन्होंने अहमदाबाद में उद्यमिता और एनजीओ प्रबंधन का प्रशिक्षण लिया था।

दोहा में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) सांसद सुप्रिया सुले के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल में शामिल पूर्व विदेश राज्यमंत्री वी. मुरलीधरन ने कहा, भारत आतंकवाद के खिलाफ एक स्वर में आवाज उठाना चाहता है। हम दो साल पहले सुरक्षा परिषद में थे और भारत ने सुरक्षा परिषद की आतंकवाद निरोधक समिति का एक विशेष सत्र मुंबई में आयोजित किया था। दुनिया के हर देश ने एक स्वर में आतंकवाद के सभी रूपों की निंदा की लेकिन इसके बावजूद भारत को इस तरह के आतंकवादी कृत्यों का सामना करना पड़ रहा है। मुझे खुशी है कि कतर के नेतृत्व के साथ हमारी बातचीत के दौरान आतंकवाद के प्रति जीरो टॉलरेंस के अपने विचार व्यक्त किए।

किंशासा (कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य) में भारतीय समुदाय से बातचीत के दौरान बीजू जनता दल सांसद सस्मित पात्रा ने कहा, भारत एकजुट है। यह एक महत्वपूर्ण संदेश है। पाकिस्तान का आतंकवाद सिर्फ भारत की समस्या नहीं, पूरी दुनिया की समस्या है। हमें सावधान रहने की जरूरत है। ऑपरेशन सिंदूर ने आतंकवाद के खिलाफ भारत की लड़ाई की पूरी धारणा को बदल दिया है और भारत पर आतंकवाद की कार्रवाई को युद्ध की कार्रवाई के रूप में लिया जाएगा।

सिंगापुर में जदयू सांसद संजय कुमार झा के नेतृत्व में सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल ने सिंगापुर में अधिकारियों और थिंक टैंक के साथ बैठक से पहले सिंगापुर में भारत के उच्चायुक्त, राजदूत शिल्पक अम्बुले के साथ बैठक की। स्लोवेनिया में डीएमके सांसद कनिमोझी के नेतृत्व में सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल ने जुब्लजाना में भारतीय प्रवासियों से बातचीत की।

वायरल वीडियो पर बोले मैक्रों- हां पत्नी ने थप्पड़ मारा है ये सही है पर.....

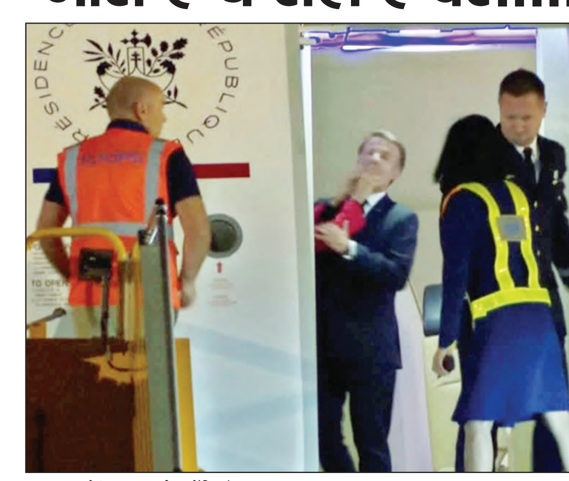

पेरिस ,27 मई (एजेंसियां) ।

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों का एक वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुआ। इस वीडियो में उनकी पत्नी उन्हें कथित तौर पर थप्पड़ लगाती नजर आ रही हैं। अब इस वीडियो पर मैक्रों ने अपनी चुप्पी थोड़ी है। मैक्रों ने कहा है कि यह वीडियो असली है, लेकिन इसे जिस संदर्भ में प्रसारित किया जा रहा है वह बेहद गलत है।

वायरल क्लिप पर बात करते हुए फ्रांसीसी राष्ट्रपति ने कहा, एक वीडियो है जिसमें मैं पत्नी के साथ मजाक कर रहा हूं और उसे चिढ़ा रहा हूं। किसी तरह यह एक वैश्विक स्तर की एक आपदा बन गई है।

यहां तक कि लोग इसे समझाने के लिए अपने सिद्धांत भी लेकर आ रहे हैं।मैक्रों ने कहा है कि वीडियो को हथियार के रूप में इस्तेमाल किया गया।

हालांकि उन्होंने यह भी कहा है कि वीडियो सही था। उन्होंने कहा, वीडियो असली हैं लेकिन लोग उसे बकवास बातों के साथ जोड़ रहे हैं। इससे पहले इमैनुएल के कार्यालय के सूत्रों ने इसे दंपति के बीच का निजी पल बताया था। बता दें कि फ्रांसीसी राष्ट्रपति इन दिनों एशियाई देशों के दौरे पर हैं। इस दौरान सोमवार को वियतनाम के हनोई में उतरते समय की एक क्लिप वायरल हो गई। इस वीडियो में विमान का दरवाजा खुलते ही उनकी पत्नी ब्रिजिट उनके चेहरे को हाथों से धक्का देते नजर आ रही थीं। वहीं एक और क्लिप ने सबका ध्यान खींचा जब उनकी पत्नी सबके सामने उनका हाथ पकड़ने से इनकार कर देती हैं। अब हनोई में मीडिया से बात करते हुए मैक्रों ने वीडियो की वजह से फैली अफवाहों को खारिज किया है।

यूक्रेन पर हवाई हमले के बाद ट्रम्प बोले पुतिन पूरी तरह पागल हो गए

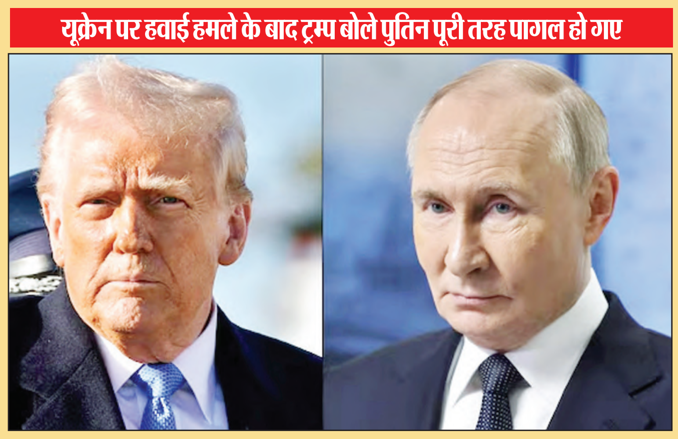

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि पुतिन पूरी तरह पागल हो गए हैं। ट्रम्प ने यह बयान अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर पोस्ट कर दिया। उन्होंने लिखा कि मैंने हमेशा रूस के व्लादिमीर पुतिन के साथ बहुत अच्छे संबंध रखे हैं, लेकिन उनके साथ कुछ तो हुआ है। वो पूरी तरह पागल हो गए हैं। ट्रम्प ने कि वह बेवजह यूक्रेन के शहरों में मिसाइल और ड्रोन दागे जा रहे हैं। इसमें बहुत से लोग मारे जा रहे हैं। मैं उनसे खुश नहीं, बेवजह लोगों की जान ले रहे ट्रम्प ने लिखा कि मैंने हमेशा कहा है कि वह यूक्रेन का सिर्फ एक टुकड़ा नहीं, बल्कि पूरा यूक्रेन चाहते हैं, और शायद यह सही साबित हो रहा है, लेकिन अगर वह ऐसा करते हैं, तो इससे रूस का पतन हो जाएगा। अमेरिकी राष्ट्रपति ने रूस पर और प्रतिबंध लगाने की धमकी दी। ट्रम्प ने यूक्रेन के राष्ट्रपति की भी आलोचना की। उन्होंने कहा कि जेलेंस्की जिस तरह से बात करते हैं, उससे वह अपने देश का भला नहीं कर रहे। उनके मुंह से निकलने वाली हर बात परेशानियां पैदा करती है, मुझे यह पसंद नहीं है, और बेहतर होगा कि इसे रोक दिया जाए। ट्रम्प का यह बयान यूक्रेन पर 3 साल में रूस के सबसे बड़े हवाई हमले के बाद आया है। यूक्रेनी एयरफोर्स के मुताबिक, शनिवार रात रूस ने कीव पर 9 बैलिस्टिक मिसाइलों, 60 क्रूज मिसाइलों और 298 ड्रोन से हमला किया था।

एएलएस के इलाज में मिली बड़ी सफलता

वॉशिंगटन, 27 मई (एजेंसियां) ।

जानलेवा बीमारी एमियोट्रोफिक लेटरल स्क्लेरोसिस (एएलएस) के उपचार के लिए एक नई दवा उलेफनेर्सन (जिसे पहले जैकीफ्यूसेन के नाम से जाना जाता था) के परीक्षण से कुछ मरीजों में चौंकाने वाला सुधार देखा गया है। अमेरिका की कोलंबिया यूनिवर्सिटी के न्यूरोलॉजिस्ट डॉ. नील श्नाइडर और उनकी टीम ने इस नई दवा का परीक्षण ऐसे 12 मरीजों पर किया, जिन्हें एएलएस की एक खास और दुर्लभ किस्म थी।

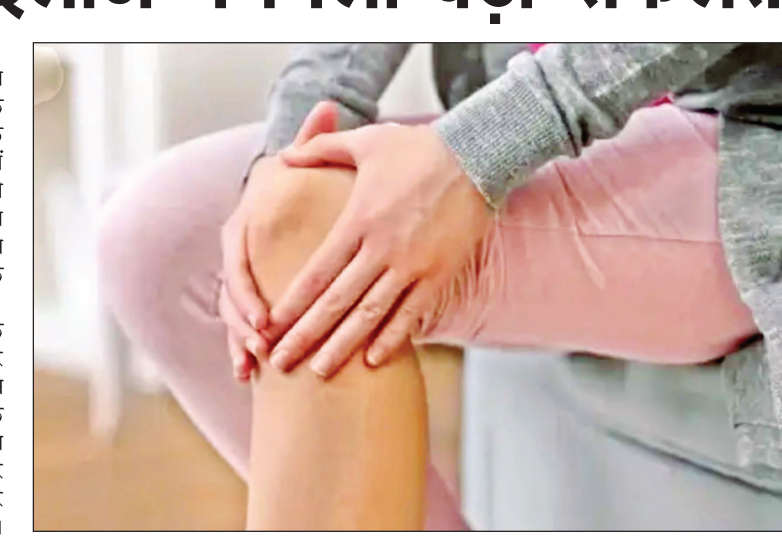

इस प्रकार की एएलएस ‘एफयूएस’ नामक जीन में खराबी के कारण होती है और यह आमतौर पर युवाओं या किशोरों में तेजी से बढ़ती है। इस परीक्षण के नतीजे काफी उत्साहजनक रहे। एक महिला मरीज, जो 2020 में इस दवा का हिस्सा बनी, पहले चलने में असमर्थ थी और वेंटिलेटर पर निर्भर थी। अब वह बिना सहारे चल सकती है और सांस लेने में भी किसी उपकरण की जरूरत नहीं है।

वहीं एक 35 वर्षीय पुरुष मरीज में, जिसमें बीमारी के शुरुआती लक्षण भी नहीं थे लेकिन मांसपेशियों में कमजोरी के संकेत मिले थे, उसे लगातार तीन साल से यह दवा दी जा रही है और अब तक उसमें कोई भी लक्षण विकसित नहीं हुए हैं। इस दवा का असर सिर्फ लक्षणों पर नहीं, बल्कि शरीर में हो रहे अंदरूनी नुकसान पर भी पड़ा है। छह महीने की दवा के बाद मरीजों के शरीर में मौजूद न्यूरोफिलामेंट लाइट नामक प्रोटीन का स्तर 83 प्रतिशत तक घट गया, जो नसों को हो रहे नुकसान का संकेतक माना जाता है। यह साफ दर्शाता है कि दवा ने प्रभावी ढंग से काम किया। हालांकि सभी मरीजों को इसका समान लाभ नहीं मिला, लेकिन कई मामलों में बीमारी की गति धीमी हुई और जीवन प्रत्याशा में सुधार आया।

वैज्ञानिकों का मानना है कि अगर सही समय पर उपचार शुरू किया जाए और लक्षित थेरेपी दी जाए, तो न सिर्फ बीमारी की रफ्तार रोकी जा सकती है बल्कि कुछ हद तक नुकसान को पलटना भी संभव है। अब इस दवा को वैश्विक स्तर पर बड़े पैमाने पर परीक्षण के लिए आगे बढ़ाया जा रहा है।

बता दें कि एएलएस एक प्रोग्रेसिव न्यूरोलॉजिकल बीमारी है, जिसमें दिमाग और रीढ़ की हड्डी की मोटर नसें धीरे–धीरे काम करना बंद कर देती हैं। इससे मरीजों की मांसपेशियां कमजोर होती जाती हैं, जिससे चलना, बोलना और यहां तक कि सांस लेना भी मुश्किल हो जाता है। यह बीमारी आमतौर पर लाइलाज मानी जाती है और इससे पीड़ित लोगों की जीवन प्रत्याशा बहुत कम होती है।

कम समय में फिट और एक्टिव रहने की ‘जापानी वॉकिंग’ हुई लोकप्रिय

लंदन, 27 मई (एजेंसियां) ।

कम समय में फिट और एक्टिव रहने की ‘जापानी वॉकिंग’ दुनियाभर में लोकप्रिय हो चुकी है। जापानी वॉकिंग एक आसान लेकिन असरदार तरीका है, जिसे हर उम्र का व्यक्ति अपनाकर स्वस्थ और युवा बना रह सकता है।जापान में तैयार किया गया यह वॉकिंग पैटर्न अब एक इंटरवल वॉकिंग ट्रेनिंग यानी आईडब्ल्यूटी के नाम से जाना जाता है, जिसे वैज्ञानिक आधार पर एंटी–एजिंग और फिटनेस बढ़ाने वाला रूटीन माना जा रहा है। अब तक लोग हर दिन 10,000 कदम चलने को सेहत के लिए सबसे बेहतर मानते थे, लेकिन जापानी वॉकिंग इस धारणा को एक नई दिशा देती है। इसमें हाई इंटेंसिटी इंटरवल ट्रेनिंग की तर्ज पर 30 मिनट की वॉकिंग को खास तकनीक से किया जाता है।

इस रूटीन में 3 मिनट तेजी से चलना और फिर 3 मिनट आराम से वॉक करना होता है। यह पैटर्न लगातार पांच बार दोहराया जाता है, जिससे न केवल मेटाबॉलिज्म तेज होता है बल्कि फैट बर्निंग भी बेहतर तरीके से होती है। जापान में हुए शोधों के अनुसार, इस वॉकिंग स्टाइल को अपनाने वालों के ब्लड प्रेशर, शुगर, कोलेस्ट्रॉल लेवल और मसल्स स्ट्रेंथ में बड़ा सुधार देखा गया। एक 68 वर्षीय प्रतिभागी ने इस वॉकिंग के दौरान अपनी हार्टबीट 130 तक बढ़ा ली, जो कि एक मध्यम स्तर की साइकिलिंग जितनी प्रभावी थी। तेज और धीमी चाल के इस क्रम में शरीर की ऊर्जा जाग्रत होती है और मेटाबॉलिक प्रोसेस एक्टिव हो जाता है। यह न सिर्फ हृदय गति को नियंत्रित करता है, बल्कि बुजुर्गों में बैलेंस और कोआर्डिनेशन भी सुधारता है।

इससे रक्त संचार बढ़ता है, अंगों का डिटॉक्स बेहतर होता है, पोषक तत्वों का अवशोषण सुधरता है और मानसिक स्पष्टता भी बढ़ती है।

पहलगाम हमले के आतंकियों की ढाल बना चीन, यूएन को एक्शन लेने में आ रही मुश्किल

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में पलने वाले और भारत के खिलाफ साजिश करने वाले आतंकवादियों को संयुक्त राष्ट्र में आतंकी संगठन का टैग मिलना भी मुश्किल हो जाता है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का स्थायी सदस्य होने के नाते चीन हर बार इसमें अड़ंगा लगाता है और लश्कर–जैश जैसे आतंकी संगठनों का बचाव करता है। इस बार भी पहलगाम में मासूमों की जान लेने वाले लश्कर–ए–तैयबा के मुखौटा संगठन द रेसिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) को आतंकी संगठनों की सूची में शामिल करने के लिए भारत ने कोई कसर नहीं छोड़ी। भारत के प्रतिनिधिमंडल ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की समिति को टीआरएफ के खिलाफ पुख्ता सबूत दिए हैं। 1267 नाम की इस समिति का गठन 1999 में किया गया था। इसका काम आतंकियों की संपत्तियों को फ्रीज करना और संगठन पर बैन लगाना है। एनआईए ने जो डोजियर तैयार किया है उसमें 26/11 का आतंकी हमला, पुलवामा आतंकी हमला, 2016 का पठानकोट हमला और 2001 का संसद पर होने वाला हमला शामिल है। चीन–पाकिस्तान दोनों पक्के दोस्त हैं और चीन आतंक के मामले में भी पाकिस्तान का ही साथ देता है। ऊपर से भले ही वह आतंकियों की निंदा करने का दिखावा करे लेकिन जब बात आती है यूएन में आतंकी संगठनों की सूची में शामिल करने की तो वह अड़ंगा लगा देता है। पहलगाम हमले के बाद भी चीन के विदेश मंत्री ने पाकिस्तान के विदेश मंत्री से बात करके उनका समर्थन जताया था।

कार्लो एंसेलोटी ने ब्राज़ील की पहली टीम का किया ऐलान, नेमार बाहर, कासेमीरो की वापसी

रियो डी जेनेरियो,27 मई (एजेंसियां) । ब्राज़ील के नए कोच कार्लो एंसेलोटी ने सोमवार को अपनी पहली 25 सदस्यीय टीम का ऐलान किया, जिसमें सबसे बड़ा नाम गायब रहा नेमार चोट से जूझ रहे नेमार हाल ही में सैंटोस क्लब में लौटे हैं, लेकिन एंसेलोटी ने बताया कि वो अभी राष्ट्रीय टीम में वापसी के लिए पूरी तरह फिट नहीं हैं।

एंसेलोटी ने कहा, दुर्भाग्य से हमारे कई खिलाड़ी चोटिल हैं, जिनमें नेमार भी शामिल हैं। लेकिन हम उन पर भरोसा करते हैं। मैंने आज सुबह उनसे बात की और वह पूरी तरह सहमत हैं।

कासेमीरो की वापसी, अनुभव पर जोर

टीम में मिडफील्डर कासेमीरो की वापसी हुई है, जो पिछले लगभग डेढ़ साल से टीम से बाहर चल रहे थे। 2022 विश्व कप में टीम के कप्तान रहे कासेमीरो की वापसी को एंसेलोटी ने नेतृत्व और बलिदान की जरूरत से जोड़ा।

कोच ने कहा, राष्ट्रीय टीम को ऐसे खिलाड़ियों की जरूरत है जिनमें करिश्मा, टैलेंट और समर्पण हो — कासेमीरो उन खिलाड़ियों में से हैं।

रियल मैड्रिड छोड़ने के बाद ब्राज़ील की कमान संभालने वाले एंसेलोटी ने अपने पुराने शिष्य विनीसियस जूनियर पर पूरा भरोसा जताया। उन्होंने कहा, मैं पूरी तरह से मानता हूं कि विनीसियस राष्ट्रीय टीम में भी अपना सर्वश्रेष्ठ रूप दिखाएंगे। फिर उन्होंने मजाक में कहा, जैसे मैड्रिड में... लेकिन इस साल वाला नहीं, पिछले साल वाला।

ब्राज़ील के कोच बने पहले विदेशी, एंसेलोटी ने मीडिया को किया प्रभावित

65 वर्षीय एंसेलोटी ब्राज़ील की राष्ट्रीय टीम के पहले पूर्णकालिक विदेशी कोच हैं। उन्होंने अपने प्रेस कॉन्फ्रेंस में करीब 200 मीडिया कर्मियों को अपने जवाबों से प्रभावित किया।

न्यूज़ ब्रीफ

भारतीय खेल प्राधिकरण शाखा काशीपुर उत्तराखंड में आशीष सिंह का चयन

मुरादाबाद। भारतीय खेल प्राधिकरण शाखा काशीपुर उत्तराखंड द्वारा ताइक्वांडो खेल में खिलाड़ियों का चयन प्रक्रिया जनवरी माह में कराई गई थी जिसमें देशभर के 300 से अधिक खिलाड़ियों ने चयन प्रतिभाग किया था। इस प्रक्रिया में मुरादाबाद जिले से ताइक्वांडो खिलाड़ी आशीष सिंह का एकमात्र चयन हुआ है। जिला ताइक्वांडो एसोसिएशन मुरादाबाद के सचिव व आशीष सिंह के कोच शाहवेज़ अली ने मंगलवार को बताया कि मुरादाबाद के इतिहास में पहली बार भारतीय खेल प्राधिकरण में किसी खिलाड़ी का चयन ताइक्वांडो खेल में हुआ है, जिसमे आशीष सिंह पिछले चार वर्षों से इस चयन प्रक्रिया में हिस्सा ले रहा था परंतु हर बार किसी न किसी कारणवश उसका चयन नहीं हो पा रहा था, लेकिन आशीष सिंह ने हार न मानते हुए अपना प्रयास जारी रखा और सफलता हासिल की। इस मौके पर जीके पब्लिक स्कूल की प्रधानाचार्य ने आशीष सिंह की आगे की शिक्षा को नि:शुल्क रूप से प्रदान करने की घोषणा की है। जिला ताइक्वांडो स्पोर्ट्स एसोसिएशन के सभी पदाधिकारियों ने आशीष सिंह को मिठाई खिलाकर बधाई दी व उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की ।

अपने प्रदर्शन के बाद नीलामी के लिए बेहद उत्साहित हूं: रेडर देवांक दलाल

मुंबई। इस बार 31 मई और 1 जून को होने वाली प्रो कबड्डी लीग सीजन 12 की नीलामी इतिहास की सबसे ब्लॉकबस्टर साबित हो सकती है, क्योंकि कई स्थापित सितारे नीलामी पूल में शामिल हो रहे हैं। इस स्टार-स्टडेड लाइनअप का नेतृत्व सीजन 11 के बेस्ट रेडर देवांक दलाल कर रहे हैं , जिन्होंने 426 रेड्स में 301 रेड प्वाइंट्स, 8 सुपर रेड्स और 18 सुपर प्वाइंट्स हासिल किए और पटना पाइरेट्स को फाइनल तक पहुंचाया। अपने शानदार प्रदर्शन के बावजूद पटना पाइरेट्स ने उन्हें रिटेन नहीं किया, जिससे दलाल अब सबसे बड़े फ्री एजेंट्स में से एक बन गए हैं। उन्होंने एक बयान में कहा, इतने शानदार प्रदर्शन के बाद यह मेरी पहली नीलामी है, इसलिए मैं बहुत उत्साहित हूं। उन्होंने कहा, सीजन की शुरुआत में मेरा 26 प्वाइंट्स वाला मैच मेरे जीवन का टर्निंग प्वाइंट था। मुझे उस प्रदर्शन से बहुत प्रोत्साहन मिला। उस मैच ने मुझे पूरे सीजन में विकास करने में मदद की। अपनी अगली टीम को लेकर उत्साहित दलाल ने कहा, मैं किसी भी टीम के साथ अच्छा प्रदर्शन कर सकता हूं, लेकिन यह निश्चित नहीं है कि कौन सी टीम सफल होगी – कुछ भी पूर्व निर्धारित नहीं है। उन्होंने कहा, अगर पटना पाइरेट्स अपना फाइनल बिड मैच विकल्प इस्तेमाल करते हैं, तो मैं उस टीम में लौट सकता हूं। उन्होंने कहा, हर टीम में सपोर्टिंग रेडर्स होते हैं, लेकिन आयान को मिस करूंगा क्योंकि हमारे बीच शानदार समन्वय था। मूल्य टैग से जुड़ी दबाव के बारे में बात करते हुए युवा रेडर ने परिपक्वता का परिचय दिया। उन्होंने कहा, कितना पैसा जुड़ा है, इस पर कोई दबाव नहीं है। पुरस्कार राशि एक अच्छी बात है, लेकिन अगर दबाव है, तो प्रदर्शन प्रभावित होता है। जो हमारी किस्मत में है, वही मिलेगा।

आईपीएल 2025: पंजाब ने मुंबई को 7 विकेट से हराकर क्वालिफायर-1 में बनाई जगह

जयपुर। श्रेयस अय्यर की कप्तानी में खेल रही पंजाब किंग्स ने सोमवार को मुंबई इंडियंस के खिलाफ जोरदार जीत दर्ज करते हुए आईपीएल 2025 के प्लेऑफ में टॉप-2 में जगह पक्की कर ली है। जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में खेले गए इस अहम मुकाबले में पंजाब ने मुंबई को 7 विकेट से मात दी और पहले क्वालिफायर में प्रवेश कर लिया। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी मुंबई इंडियंस ने तेज शुरुआत की। रोहित शर्मा (24 रन) और रायन रिकल्टन (27 रन) ने पावरप्ले में रन बटोरे, लेकिन बड़ी पारी नहीं खेल सके। इसके बाद सूर्यकुमार यादव (57 रन) ने एक बार फिर अपनी शानदार फॉर्म जारी रखते हुए टीम को संभाला। कप्तान हार्दिक पांड्या ने 26 और नमन धीर ने 20 रन का योगदान दिया। आखिरी ओवर में अर्शदीप सिंह ने महज 3 रन देकर 2 विकेट झटके और मुंबई को 200 रन तक पहुंचने से रोक दिया। मुंबई ने निर्धारित 20 ओवर में 185/8 का स्कोर खड़ा किया। पंजाब की ओर से अर्शदीप सिंह, मार्को यानसेन और विजयकुमार व्यशाक को दो-दो सफलता मिली। जबकि एक विकेट हरप्रीत बरार के खाते में गया।

क्वालिफायर-1 में बेंगलूरू की एंट्री, लखनऊ को छह विकेट से हराया

कोहली-जितेश और मयंक चमके

लखनऊ,27 मई (एजेंसियां) । रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु 9 साल बाद आईपीएल में पहला क्वालिफायर खेलेगी। क्वालिफायर-1 में जगह बनाने के लिए आरसीबी को किसी भी कीमत पर लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ जीत चाहिए थे।

पहले खेलते हुए लखनऊ ने 3 विकेट पर 227 रन बना दिए। आरसीबी ने आईपीएल इतिहास का तीसरा सबसे बड़ा रन चेज करके मुकाबला अपने नाम कर लिया। कप्तान जितेश शर्मा विस्फोटक फिफ्टी लगाकर जीत के हीरो रहे। आरसीबी ने 19वें ओवर में ही 8 विकेट से मुकाबला अपने नाम किया। टीम अब पहले क्वालिफायर में पंजाब किंग्स से भिड़ेगी। गुजरात और मुंबई के बीच एलिमिनेटर खेला जाएगा। आरसीबी ने टेबल में दूसरे नंबर पर फिनिश किया।

आरसीबी के लिए जितेश शर्मा ने कमाल की बैटिंग की। छठे नंबर पर बैटिंग करने उतरे जितेश ने 85 रनों की पारी खेली। उन्होंने 33 गेंद पर 8 चौके और 6 छक्के मारे। मयंक अग्रवाल के बल्ले से 23 गेंद पर 41 रनों की नाबाद पारी निकली। मयंक और जितेश के बीच 45 गेंद पर 107 रनों की साझेदारी हुई। इसमें 33 गेंद पर 85 रन जितेश के थे। मयंग ने 12 गेंद पर साझेदारी में 20 रनों का योगदान दिया।

कप्तान ऋषभ पंत ने लखनऊ के लिए शतक लगाते हुए नाबाद 118 रन की आक्रामक पारी खेली। पूरे सीरीज में खराब लय के कारण आलोचना झेलने वाले पंत ने 61 गेंद की नाबाद पारी में 11 चौके और आठ छक्के लगाने के साथ दूसरे विकेट के लिए मिचेल मार्श के साथ 78 गेंद में 152 रन की साझेदारी कर के बड़े स्कोर की नींव रखी। मार्श ने 37 गेंद में चार चौके और पांच छक्के की मदद से 67 रन बनाये।

आरसीबी के लिए नुवान तुषारा ने चार ओवर में 26 रन देकर एक विकेट लिया। भुवनेश्वर कुमार और रोमारियो शेफर्ड को भी एक-एक सफलता मिली लेकिन दोनों काफी महंगे साबित हुए।

बल्लेबाजी का न्योता मिलने पर मार्श ने तुषारा के खिलाफ शुरुआती ओवर में चौका लगाया तो वही सत्र का अपना पहला मैच खेल रहे मैथ्यू ब्रिट्जके (14) ने कृणाल पंड्या की गेंद पर छक्का जड़ दिया। वह हालांकि तुषारा की यॉर्कर गेंद पर बोल्ड हो गये।पूरे सत्र में खराब बल्लेबाजी के कारण आलोचना झेलने वाले पंत ने यश दयाल के खिलाफ छक्का और दो चौके के साथ चौथे ओवर से 18 रन बटोर कर अपने तेवर दिखाये। पंत ने 10वें ओवर में सुयश शर्मा के खिलाफ छक्का और दो चौके लगाकर 30 गेंद में अर्धशतक पूरा किया। इस बीच मार्श ने शेफर्ड की गेंद को लांग ऑन के ऊपर से गेंद को दर्शकों के पास भेज कर मौजूदा सत्र में अपने 600 रन पूरे किये। मार्श ने अगले ओवर में सुयश के खिलाफ छक्के के साथ 31 गेंद में अपना पचासा पूरा किया।

मार्श ने 16वें ओवर में भुवनेश्वर की शुरुआती दो गेंदों पर छक्के जड़े लेकिन अगली गेंद पर विकेट के पीछे लपके गये। पंत ने भुवनेश्वर के अगले ओवर में चौके के साथ 54 गेंद में अपना शतक पूरा करने के साथ टीम के स्कोर को 200 के पार पहुंचा दिया।

निकोल्स पूरन (13) बड़े शॉट खेलने में संघर्ष कर रहे थे लेकिन पंत ने शतक पूरा करने के बाद आखिरी दो ओवरों में यश दयाल और शेफर्ड के खिलाफ छक्के लगाकर टीम के स्कोर को 225 रन के पार पहुंचाया।

आईपीएल 2025: जोश हेजलवुड बने आरसीबी के जसप्रीत बुमराह

नई दिल्ली,27 मई (एजेंसियां) ।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के लिए जोश हेजलवुड उसी तरह अहम बन चुके हैं जैसे जसप्रीत बुमराह मुंबई इंडियंस और टीम इंडिया के लिए हैं। अपनी सटीक गेंदबाजी से हेजलवुड ने आरसीबी की गेंदबाजी इकाई को मजबूती दी है और अब लखनऊ सुपर जाएंट्स (एलएसजी) के खिलाफ अहम मुकाबले में उनसे बड़ी उम्मीदें होंगी।

ऑस्ट्रेलियाई पेसर हेजलवुड ने इस सीजन पावरप्ले में 7 विकेट और डेथ ओवर्स (आखिरी 4 ओवर) में 6 विकेट चटकाए हैं। उनका इकॉनमी रेट क्रमश: 7.22 और 9.04 रहा है, जो इस फेज में किसी भी गेंदबाज के लिए शानदार माना जाता है। खास बात ये है कि हेजलवुड ने पावरप्ले में अपनी टीम के कुल रन का सिर्फ 26.86 प्रतिशत ही खर्च किया, जबकि वह हर मैच में कम से कम दो ओवर इस फेज में जरूर डालते हैं।

मंगलवार को इकाना स्टेडियम में जब आरसीबी का सामना एलएसजी से होगा, तो हेजलवुड की वापसी टीम के लिए राहत लेकर आएगी। अहमदाबाद में गुजरात टाइटंस के खिलाफ जबरदस्त बल्लेबाज़ी करने वाली एलएसजी की टीम को रोकने के लिए आरसीबी को अपने इस स्टार तेज़ गेंदबाज़ से शुरुआती विकेट की दरकार होगी। सीज़न के सस्पेंड होने से पहले हेजलवुड ने पावरप्ले में सबसे ज़्यादा 6 विकेट अपने पहले ही ओवर में चटकाए थे। सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 42 रन की हार के बाद इंग्लिश बल्लेबाज फिल सॉल्ट ने माना कि आरसीबी जीत के करीब थी। उन्होंने कहा, हमने लक्ष्य का पीछा करने में कई अच्छी चीजें कीं। ज़्यादातर समय मार्जिन बहुत बारीक थे। लेकिन आज गलती की कोई गुंजाइश नहीं थी। आरसीबी के लिए ये मुकाबला प्लेऑफ की तैयारी और टॉप-2 में पहुंचने की उम्मीद को ज़िंदा रखने का मौका है। इसके लिए टीम को मंगलवार को हर मोर्चे पर सटीक रणनीति के साथ उतरना होगा और हेजलवुड की भूमिका एक बार फिर से निर्णायक होगी।

नॉर्वे शतरंज 2025 : कार्लसन ने उद्घाटन मुकाबले में गुकेश को हराया

नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट 2025 की धमाकेदार शुरुआत हो चुकी है। पहले ही दिन पूर्व विश्व चैंपियन मैग्नस कार्लसन ने मौजूदा विश्व चैंपियन डी. गुकेश को मात देकर बड़ा संदेश दे दिया। यह मुकाबला सोमवार को नॉर्वे के स्टावेंगर में खेला गया। खास बात यह रही कि यह गुकेश और कार्लसन के बीच पहला क्लासिकल मुकाबला था, जब से गुकेश ने सिंगापुर में विश्व खिताब जीता है। वहीं, एक अन्य रोमांचक मुकाबले में भारत के अर्जुन एरिगैसी ने चीन के वे यी को आर्मागेडन में हराया। क्लासिकल मुकाबला ड्रॉ रहने के बाद टाईब्रेक में अर्जुन ने बाजी मारी। महिला वर्ग में भी भारतीयों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला, जहां कोनेरु हम्पी ने आर. वैशाली को हराते हुए अभियान की शानदार शुरुआत की। पहले दौर के बाद अंक स्थिति : ओपन वर्ग में मैग्नस कार्लसन और हिकारू नाकामुरा 3-3 अंकों के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर हैं।

रोनाल्डो ने अल नास्त्र को छोड़ने के दिए संकेत, अंतिम मुकाबले के बाद सोशल मीडिया पोस्ट से अटकलें तेज़

25 गोलों के सीज़न के बाद भविष्य पर सस्पेंस बरकरार, ब्राज़ीलियन क्लब से ऑफर का दावा

नई दिल्ली,27 मई (एजेंसियां) । सऊदी प्रो लीग के आखिरी मुकाबले में अल नास्त्र की ओर से गोल दागने वाले क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने मैच के बाद सोशल मीडिया पर ऐसा मैसेज पोस्ट किया जिससे उनके क्लब छोड़ने की अटकलें तेज़ हो गई हैं। रोनाल्डो ने अपनी अल नास्त्र जर्सी में एक तस्वीर साझा करते हुए लिखा , यह चैप्टर खत्म हुआ। कहानी अभी बाकी है। सभी का आभार। गौरतलब है कि रोनाल्डो का अल नास्त्र के साथ अनुबंध जून में समाप्त हो रहा है। इस सीज़न में उन्होंने 25 गोल दागे और सऊदी प्रो लीग के टॉप स्कोरर रहे, लेकिन इसके बावजूद अल नास्त्र टीम एएफसी चैंपियंस लीग के लिए क्वालिफाई नहीं कर सकी।

अंतिम मुकाबले में 99वां गोल, टीम को मिली हार – अल फतेह के खिलाफ खेले गए अंतिम लीग मुकाबले में रोनाल्डो ने एक गोल दागा, जो उनके क्लब करियर का 801वां और अल नास्त्र के लिए 99वां गोल था। हालांकि, अल नास्त्र को इस रोमांचक मुकाबले में 3-2 से हार का सामना करना पड़ा।

ब्राज़ीलियन क्लब से मिला ऑफर – कुछ रिपोर्ट्स के अनुसार, रोनाल्डो को एक ब्राज़ीलियन क्लब से आकर्षक प्रस्ताव मिला है, जिसमें उन्हें आगामी फीफा क्लब वर्ल्ड कप में खेलने का मौका मिल सकता है। यह टूर्नामेंट 14 जून से 13 जुलाई तक अमेरिका में आयोजित होना है। ब्राज़ील की ओर से बोटाफोगो, फ्लूमिनेंस, फ्लैमेंगो और पामेइरस जैसे बड़े क्लब इसमें हिस्सा लेंगे।

क्या अब अगला कदम क्लब वर्ल्ड कप – अब देखना दिलचस्प होगा कि क्या रोनाल्डो क्लब वर्ल्ड कप में खेलने के लिए ब्राज़ील की ओर रुख करेंगे या फिर उनके करियर की कहानी में कोई और बड़ा मोड़ आने वाला है। फिलहाल उन्होंने संकेत दे दिया है – कहानी अभी जारी है।

ड्रीम यूटीटी जूनियर्स का पहला संस्करण 29 मई से अहमदाबाद में शुरू होगा

अहमदाबाद,27 मई (एजेंसियां) । देश की उभरती टेबल टेनिस प्रतिभाओं को मंच देने के उद्देश्य से ड्रीम यूटीटी जूनियर्स प्रतियोगिता का पहला संस्करण 29 मई से 8 जून तक अहमदाबाद स्थित ईका एरिना में आयोजित किया जाएगा। यह टूर्नामेंट अंडर-15 खिलाड़ियों के लिए एक ऐतिहासिक पहल मानी जा रही है, जिसे ड्रीम स्पोर्ट्स फाउंडेशन (ड्रीम खेल फाउंडेशन) और अल्टीमेट टेबल टेनिस के सहयोग से शुरू किया गया है। ड्रीम खेल फाउंडेशन इस प्रतियोगिता में युवा विकास साझेदार की भूमिका निभा रहा है।

देश के 16 सर्वश्रेष्ठ अंडर-15 खिलाड़ी होंगे मुकाबले में

इस प्रतियोगिता में देश के 16 सर्वश्रेष्ठ युवा खिलाड़ी (8 लड़के और 8 लड़कियां) हिस्सा ले रहे हैं, जिनका चयन मार्च में समाप्त हुई ड्रीम स्पोर्ट्स चैंपियनशिप टेबल टेनिस 2025 के प्रदर्शन के आधार पर किया गया है। इस प्रतियोगिता में चंडीगढ़ के साहिल रावत और मुंबई की दिव्यांशी भौमिक ने विजेता बनकर सबका ध्यान खींचा था।

8 टीमों में बांटे गए खिलाड़ी

इन 16 खिलाड़ियों को अल्टीमेट टेबल टेनिस लीग की आठ टीमों में शामिल किया गया है:

अहमदाबाद एसजी पाइपर्स: अभिक कश्यप, मौबोनी चटर्जी

स्टेनलीज चेन्नई लॉयंस: सिद्धांत धारीवाल, दिव्यांशी भौमिक

दबंग दिल्ली टी.टी.सी.: आकाश रजवेलु, धानी जैन

देम्पो गोवा चैलेंजर्स: साहिल रावत, आर्या रेडकर

जयपुर पैट्रियट्स: त्रिशाल सुरापुरेड्डी, श्रेया धर

कोलकाता थंडरब्लेड्स: ऋत्विक गुप्ता, स्वरा कर्मकार

पीबीजी पुणे जैगुआर्स: अथर्व नवरंगे, तुष्टि सूद

यू मुंबा टीटी: प्रतीक तुलसानी, अनन्या मुरलीधर

लीग प्रारूप में खेला जाएगा टूर्नामेंट, फाइनल 8 जून को

यह 11 दिनों तक चलने वाला टूर्नामेंट लीग प्रारूप में खेला जाएगा, जिसमें प्रारंभिक चरण में कुल 20 मुकाबले होंगे। इसके बाद सेमीफाइनल 7 जून को और फाइनल मुकाबला 8 जून को होगा। प्रत्येक दिन सुबह 9:00 बजे से मुकाबले शुरू होंगे और सभी मैचों का सीधा प्रसारण फैनकोड डिजिटल मंच पर किया जाएगा।

पहले दिन के मुकाबले (29 मई) – स्टेनलीज चेन्नई लॉयंस बनाम कोलकाता थंडरब्लेड्स – सुबह 9:00 बजे

यू मुंबा टीटी बनाम दबंग दिल्ली टी.टी.सी. – सुबह 10:00 बजे

अहमदाबाद एसजी पाइपर्स बनाम देम्पो गोवा चैलेंजर्स – सुबह 11:00 बजे

जमीनी स्तर से अंतरराष्ट्रीय मंच तक ले जाएगी यह पहल

इस प्रतियोगिता का उद्देश्य जमीनी स्तर और पेशेवर टेबल टेनिस के बीच की दूरी को पाटना है। इससे इन युवा खिलाड़ियों को उच्च स्तर का अनुभव मिलेगा, जिससे वे भविष्य में अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए तैयार हो सकें। ड्रीम खेल फाउंडेशन और अल्टीमेट टेबल टेनिस की यह साझेदारी भारतीय टेबल टेनिस को मजबूती देने में सहायक सिद्ध होगी। इनका लक्ष्य है कि 2030 युवा ओलंपिक और 2036 ग्रीष्मकालीन ओलंपिक में भारत को पदक दिलाने वाले खिलाड़ी इसी प्रणाली से निकलें।

एलआईसी ने नेस्ले इंडिया में बढ़ाई अपनी हिस्सेदारी

नई दिल्ली, 27 मई (एजेंसियां)।

भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने घोषणा की कि उसने नेस्ले इंडिया में अपनी हिस्सेदारी बढ़ा दी है। एलआईसी के पास अब कंपनी की 5 फीसदी से ज़्यादा हिस्सेदारी है, जिसके बाद निवेशकों को नेस्ले इंडिया के शेयर खरीदने में ज़्यादा दिलचस्पी दिखाई।

शेयर मार्केट रेग्यूलेटर सेबी को सौंपी गई रिपोर्ट में एलआईसी ने कहा कि उसने 23 मई 2025 को नेस्ले इंडिया के 1,49,000 और शेयर सीधे शेयर बाजार से खरीदे हैं। इस खरीद के साथ एलआईसी के पास अब नेस्ले इंडिया के कुल 4,82,24,710 शेयर हैं। यानी कि एलआईसी के पास अब कंपनी का 5.001 फीसदी हिस्सा है, जो 5 फीसदी के निशान से थोड़ा ज़्यादा है, एक महत्वपूर्ण स्तर जिसे पार करने पर कंपनियों को रिपोर्ट करना ज़रूरी होता है। नए शेयर खरीदने से पहले एलआईसी के पास पहले से ही नेस्ले इंडिया के 4,80,75,710 शेयर थे, जो कंपनी का 4.986 फीसदी था। अब ये अतिरिक्त शेयर खरीदने के बाद एलआईसी का स्वामित्व 5 फीसदी से थोड़ा ऊपर चला गया।

जियो ब्लैकरॉक एसेट मैनेजमेंट को म्यूचुअल फंड कारोबार के लिए सेबी की मंजूरी

नई दिल्ली। जियो ब्लैकरॉक एसेट मैनेजमेंट को भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) से भारत में अपने म्यूचुअल फंड कारोबार के लिए निवेश प्रबंधक के रूप में परिचालन शुरू करने के लिए विनियामक मंजूरी मिल गई है। इस मंजूरी के साथ ही अब कंपनी जल्द ही भारतीय म्यूचुअल फंड बाजार में कदम रख देगी। कंपनी ने मंगलवार को जारी बयान में बताया कि जियो फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड (जेएफएसएल) और ब्लैकरॉक की संयुक्त उद्यम जियो ब्लैकरॉक एसेट मैनेजमेंट को म्यूचुअल फंड कारोबार के लिए सेबी की मंजूरी मिल गई है। ये जियो ब्लैकरॉक एसेट मैनेजमेंट, जियो फाइनेंस सर्विसेज लिमिटेड और ब्लैकरॉक कंपनी का 50-50 का सयुंक्त उद्यम है। जियो फाइनेंशियल सर्विसेस लिमिटेड की गैर-कार्यकारी निदेशक ईशा अंबानी ने जारी बयान में कहा कि ब्लैकरॉक के पास वैश्विक निवेश विशेषज्ञता है, तो जियो के पास डिजिटल-फर्स्ट इनोवेशन, ब्लैकरॉक के साथ हमारी यह साझेदारी एक सशक्त साझेदारी है।

न्यूज़ ब्रीफ

सेबी ने एमसीएक्स पर लगाया 25 लाख का जुर्माना

नई दिल्ली। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने सॉफ्टवेयर सेवाओं के लिए भुगतान के संबंध में अपर्याप्त खुलासे के लिए मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज ऑफ इंडिया (एमसीएक्स) पर 25 लाख रुपये का जुर्माना लगाया। सेबी ने अपने आदेश में कहा कि जुर्माना राशि 45 दिन के भीतर जमा कर दी जानी चाहिए। यह मामला ट्रेडिंग सॉफ्टवेयर अनुबंध के लिए 63 मून्स टेक्नोलॉजीज को किए गए भुगतान के संबंध में खुलासा चूक से संबंधित है। एमसीएक्स ने 2003 में 63 मून्स टेक्नोलॉजीज के साथ एक ट्रेडिंग सॉफ्टवेयर अनुबंध किया था। उस समय 63 मून्स के ही पास एमसीएक्स का पूर्ण स्वामित्व था। वर्ष 2020 में एमसीएक्स ने एक नए ट्रेडिंग मंच पर जाने का फैसला किया और इसका अनुबंध टीसीएस को दिया था। हालांकि, समय पर यह मंच नहीं शुरू हो पाने से एमसीएक्स ने 63 मून्स के साथ ही अधिक लागत पर सेवाओं का विस्तार करने का फैसला किया। हालांकि, उसने किए जा रहे उच्च भुगतानों का खुलासा नहीं किया।

टाटा मोटर्स का घरेलू ईवी बाजार में हिस्सेदारी बढ़ाने का लक्ष्य

मुंबई। टाटा मोटर्स ने घरेलू इलेक्ट्रिक पैसेंजर व्हीकल मार्केट में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाया है। कंपनी के अधिकारी ने बताया कि टाटा मोटर्स अपनी आगामी हैरियर.ईवी और सिएरा.ईवी के साथ 20 लाख रुपये से ऊपर के बाजार में उतरने की योजना बना रही है। कंपनी का लक्ष्य है लॉन्ग टर्म में बाजार में 50 फीसदी से अधिक हिस्सेदारी हासिल करना। हालांकि, इस क्षेत्र में मार्केट से मिल रही तगड़ी कंपटीशन के चलते टाटा मोटर्स को चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। अधिकारी ने दावा किया कि कंपनी अपने बेड़े में ईवी स्वामित्व की कुल लागत को सीएनजी वाहन के समान स्तर पर लाने के लिए काम कर रही है ताकि वॉल्यूम हासिल किया जा सके। इस नजरिये से देखा जाए तो, टाटा मोटर्स की इलेक्ट्रिक व्हीकल मार्केट में प्रवेश के प्रयासों का सफलतापूर्ण होना संभव है, लेकिन उन्हें चुनौतियों का सामना करते हुए चुस्त रहने की आवश्यकता है।

राकेश गंगवाल ने इंडिगो में 5.7 प्रतिशत हिस्सेदारी बेची

नई दिल्ली। भारतीय विमानन उद्योग के अंदर एक बड़ी परिवर्तनकारी घटना हुई है, जहां इंडिगो में 5.7 प्रतिशत हिस्सेदारी को बेच दिया गया है। इस लेनदेन में विमानन कंपनी इंडिगो के प्रवर्तक राकेश गंगवाल और उनके पारिवारिक ट्रस्ट ने यह कदम उठाया है। सूत्रों के मुताबिक इस ब्लॉक डील के माध्यम से क़रीब 11,385 करोड़ रुपये का सौदा हुआ है। इस कदम के साथ गंगवाल परिवार के अलावा चिन्करपू फैमिली ट्रस्ट भी इंडिगो में अपनी हिस्सेदारी बेचने में शामिल हो गये हैं। यह सौदा निवेश बैंकिंग कंपनियों गोल्डमैन सैक्स, मॉर्गन स्टेनली, और जेपी मॉर्गन द्वारा नियोजित किया गया है। राकेश गंगवाल और उनके परिवार के पास पहले से ही इंडिगो में 13.5 प्रतिशत हिस्सेदारी थी, जिसे अब इस लेनदेन के जरिए बेच दिया गया है। इस लेनदेन के बाद गवाल अब केवल 5.24 प्रतिशत हिस्सेदारी रखते हैं। ब्लॉक डील के माध्यम से क़रीब 11,385 करोड़ का सौदा हुआ शेयर बिक्री गंगवाल द्वारा फरवरी 2022 में सह-संस्थापक राहुल भाटिया के साथ कथित कामकाज के मुद्दों पर हुए विवाद के बाद अपनी शेयरधारिता को कम करने के निर्णय का हिस्सा है। आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक गंगवाल और उनकी पत्नी शोभा गंगवाल फरवरी 2022 से इंडिगो में अपने शेयर बेच रहे हैं। राकेश और शोभा ने सितंबर 2022 में 2.74 प्रतिशत हिस्सेदारी 2,005 करोड़ रुपये में बेची।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

तीसरी...

हमारा देश महान संस्कृति परंपरा को लेकर चला है। वसुधैव कुटुंबकम हमारा संस्कार है। हमारी रग-रग में है। हमारा चरित्र है। हमने इसे जिया है। वे भी सुख-चैन से जीएं और हमें भी जीने दें। हजारों वर्षों से यही हमारा चिंतन रहा है। हम निष्ठा भाव के साथ कोटि-कोटि भारतीयों के कल्याण के लिए काम कर रहे हैं। इसके बावजूद जब बार-बार हमारे सामर्थ्य को ललकार जाए तो यह देश वीरों की भी भूमि है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि मैं नई पीढ़ी को बताना चाहता हूं कि कैसे हमारे देश को बर्बाद कर दिया गया। अगर आप 1960 की सिंधु जल संधि का अध्ययन करेंगे, तो आपको झटका लगेगा। यह तय हुआ था कि जम्मू-कश्मीर की नदियों पर बने बांधों की सफाई नहीं की जाएगी। गाद निकालने का काम नहीं किया जाएगा। गंदगी साफ करने के लिए नीचे के गेट बंद रहेंगे। 60 साल तक ये गेट कभी नहीं खोले गए। जिन जलाशयों को 100 प्रतिशत क्षमता तक भरना था, वे अब केवल 2 प्रतिशत या 3 प्रतिशत तक ही सीमित रह गए हैं। अभी, मैंने कुछ नहीं किया है और लोग वहां (पाकिस्तान) पसीना बहा रहे हैं। हमने बांधों की सफाई के लिए छोटे-छोटे गेट खोले हैं और वहां पहले से ही बाढ़ आ गई है।

देश के लिए...

(रिसर्च इंस्टीट्यूट ऑफ क्रोनोलॉजी एंड हिस्ट्री) के निदेशक के रूप में कार्यरत हैं। उनके पास चिकित्सा, पुरातत्व, पुरालेखशास्त्र और इतिहास में योग्यताएं हैं।

उपराष्ट्रपति ने कहा, डॉ. राजा एक बहुआयामी विद्वान हैं, जिनकी विशेषज्ञता नेत्र रोग, पुरातत्व, और इतिहास में है। उन्होंने प्राचीन भारतीय खगोलशास्त्र और ऐतिहासिक कालक्रम पर कई किताबें लिखी हैं। यह पुरस्कार उनके भारतीय इतिहास और संस्कृति के क्षेत्र में अमूल्य योगदान को दर्शाता है। यह पुरस्कार उनके भारतीय इतिहास और संस्कृति में योगदान के लिए है। राज्यसभा की तरफ से 2009 में स्थापित इस चेयर का उद्देश्य संसदीय लोकतंत्र पर शोध को बढ़ावा देना है।

उपराष्ट्रपति धनखड़ ने कहा, मैं आज विशेष रूप से उनका स्वागत करता हूं, जिनकी उपस्थिति मैंने आग्रहपूर्वक चाही थी और वे हैं डॉ. एमएल राजा। यह चेयर भारत माता के एक महान सपूत, पहले उपराष्ट्रपति जो बाद में राष्ट्रपति बने. डॉ. एस. राधाकृष्णन की स्मृति में स्थापित की गई थी। उन्होंने कहा कि वे एक दार्शनिक, शिक्षक तथा अकादमिक प्रतिबद्धता के प्रतीक थे। यह चेयर 2009 में पहली बार शुरू की गई थी। तकनीकी रूप से, डॉ. एमएल राजा इसके तीसरे प्राप्तकर्ता हैं, लेकिन वास्तविक रूप से दूसरे, यह चेयर मेरे कार्यकाल के दौरान सक्रिय हुई। जब जम्मू-कश्मीर राज्य के प्रख्यात पत्रकार जवाहर कौल को यह सम्मान प्राप्त हुआ और अब तमिलनाडु से डॉ. एमएल राजा को यह सम्मान मिला है।

उपराष्ट्रपति ने कहा, 1962 में 5 सितंबर को शिक्षक दिवस घोषित किया गया, जो डॉ. एस राधाकृष्णन का जन्मदिन है। इससे यह स्पष्ट होता है कि आप किसी भी पद पर हों राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, दार्शनिक या लेखक लेकिन समाज में मान्यता शिक्षक के रूप में ही मिलती है। इसे सदैव याद रखें। जैसे माता-पिता का सम्मान करते हैं, वैसे ही अपने शिक्षकों का भी करें। उपराष्ट्रपति ने कहा कि डॉ. एमएल राजा एक बहुआयामी विशेषज्ञ हैं। नेत्र रोग विशेषज्ञ, अभिलेखविद, पुरातत्ववेत्ता और इतिहासकार हैं। वे वर्तमान में एवीएनएएसएच (राष्ट्रीय कलाओं एवं वैज्ञानिक धरोहर पर केंद्रित अकादमी) तथा आरआईसीएच (कालक्रम और इतिहास पर शोध संस्थान) के निदेशक हैं। चिकित्सा (एमबीबीस, डीओ), पुरातत्व और अभिलेख विद्या (डीआईएई), तथा इतिहास (एमए) में योग्यता रखते हैं। उन्होंने प्राचीन भारतीय खगोलशास्त्र से लेकर ऐतिहासिक कालक्रम तक पर 13 पुस्तकें प्रकाशित की हैं, जिनमें आर्यभट्ट की तिथि: एक विश्लेषणात्मक अध्ययन और महाभारत युद्ध की तिथि का खगोलशास्त्रीय प्रमाण जैसी प्रमुख कृतियां शामिल हैं। डॉ. राजा को तमिलनाडु के राज्यपाल की तरफ से तमिल साहित्यिक कार्यों और कंब रामायणम् पर शोध के लिए हाल ही में सम्मानित किया गया है। वे एआईसीटीई के भारतीय ज्ञान प्रणाली प्रभाग के साथ संरक्षक और विशेषज्ञ मूल्यांकन के रूप में सक्रिय रहे हैं। उनका वर्तमान शोध भारतीय इतिहास की सटीक कालक्रम निर्धारण पर केंद्रित है, जिसमें आदि शंकराचार्य, चंद्रगुप्त मौर्य जैसी ऐतिहासिक विभूतियों की तिथि-निर्धारण और खगोलीय ग्रंथों का विश्लेषण शामिल है। वे तमिल, संस्कृत, तेलुगु और अंग्रेजी भाषाओं में पारंगत हैं, जिससे वे विविध ऐतिहासिक स्रोतों का समग्र अध्ययन कर पाते हैं।

सैन्य समन्वय...

यहीं से ऑपरेशन सिंदूर की पूरी योजना बनाई गई और उस पर निगरानी रखी गई। इस किताब से सेना ने साफ कर दिया है कि यह ऑपरेशन पूरी तरह से सबकी जानकारी और तालमेल के साथ किया गया था, और तीनों सेनाओं के बड़े अधिकारी हर पल की खबर रख रहे थे।

भारतीय सेना ने हाल ही में ऑपरेशन सिंदूर नाम से एक बेहद गोपनीय और सफल सैन्य कार्रवाई को अंजाम दिया, जिसमें पाकिस्तान समर्थित 9 प्रमुख आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया गया। इस ऑपरेशन में 100 से ज़्यादा आतंकवादी मारे गए, जो भारत की आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति का स्पष्ट प्रमाण है। जारी की गई तस्वीरों में, भारतीय सशस्त्र बलों के शीर्ष अधिकारी, जिनमें थलसेनाध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी भी शामिल हैं, ऑपरेशन रूम से इस हमले की सीधी निगरानी करते हुए दिख रहे हैं। एक तस्वीर जो रात 1:05 बजे की है, वह ऑपरेशन सिंदूर के शुरू होने के समय को दर्शाती है। इन तस्वीरों में जनरल द्विवेदी और अन्य वरिष्ठ अधिकारी ड्रोन फुटेज और सैटेलाइट तस्वीरों के लाइव प्रसारण को बेहद बारीकी से देखते हुए नजर आ रहे हैं।

यह ऑपरेशन भारतीय वायुसेना के लड़ाकू विमानों, ड्रोन और नौसेना के उपकरणों के सटीक समन्वय का नतीजा था। हमले में कथित तौर पर स्केल्प क्रूज मिसाइल, लेजर-गाइडेड बम और सशस्त्र यूएवी (अनमैन्ड एरियल व्हीकल्स) का इस्तेमाल किया गया। यह दिखाता है कि भारतीय सशस्त्र बल न केवल एकजुट हैं, बल्कि उनके पास अत्याधुनिक तकनीक भी मौजूद है, जिससे वे दुश्मन को उसके ही गढ़ में घुसकर मार गिराने में सक्षम हैं।

पहलगाम हमले की तस्वीरें और उसके बाद सरकार ने कितनी तेजी से कदम उठाए और क्या-क्या तैयारियां कीं। ऑपरेशन सिंदूर में जिन आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया गया, उनकी पूरी जानकारी। भारत की इस कार्रवाई को दुनिया भर से कितना समर्थन मिला। मीडिया ने इस बारे में क्या खबरें दीं और पाकिस्तान के गिराए गए ड्रोन का मलबा। यह बुकलेट यह भी बताती है कि भारत ने अब सीमा पार से होने वाले आतंकवाद से निपटने के लिए एक नया और पक्का तरीका अपना लिया है। कुल मिलाकर, ऑपरेशन सिंदूर की यह किताब दिखाती है कि भारतीय सेना ने अपनी रणनीति बदल ली है, तीनों सेनाएं बहुत अच्छे तालमेल से काम कर रही हैं।

नाबालिग वोट...

बलात्कार की घटनाओं से चिंतित देश बलात्कार की घटनाओं से भर जाएगा और तब सुप्रीम कोर्ट तालियां बजाएगा।

सुप्रीम कोर्ट को लगता है कि उसने केंद्र सरकार को एक अहम सलाह दी है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि किशोरों के बीच सहमति से बनने वाले प्रेम-संबंधों को अपराध की श्रेणी से बाहर करने और देश में यौन और प्रजनन स्वास्थ्य शिक्षा (सेक्स एजुकेशन) की नीति बनाने पर विचार करना चाहिए। ऐसा इसलिए ताकि किशोरों को प्रोटेक्शन ऑफ चिल्ड्रन फ्रॉम सेक्सुअल ऑफेंसेज (पोक्सो) एक्ट के तहत जेल न जाना पड़े। यह सलाह एक मामले की सुनवाई के दौरान आई, जब सुप्रीम कोर्ट ने सरकार को इस मुद्दे पर एक विशेषज्ञ समिति बनाने और 25 जुलाई 2025 तक रिपोर्ट देने को कहा। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि वह इस रिपोर्ट के आधार पर आगे के निर्देश देगा।

यह मामला पश्चिम बंगाल की एक महिला की कानूनी लड़ाई से शुरू हुआ। इस महिला के पति को पोक्सो एक्ट के तहत 20 साल की जेल हुई थी, क्योंकि जब वह 14 साल की थी, तब उनके बीच सहमति से रिश्ता था। महिला अपने पति को बचाने के लिए सुप्रीम कोर्ट पहुंची। इस मामले को देखते हुए सुप्रीम कोर्ट ने दो वरिष्ठ महिला वकीलों, माधवी दीवान और लिज मैथ्यू को इस संवेदनशील मुद्दे पर सलाह देने के लिए नियुक्त किया। इन वकीलों ने कहा कि पोक्सो एक्ट का मकसद बच्चों को यौन शोषण से बचाना है, लेकिन किशोरों के बीच सहमति वाले रिश्तों में इसका सख्ती से लागू करना कई बार गलत नतीजे देता है। इससे न सिर्फ किशोरों को, बल्कि उनके परिवारों को भी नुकसान होता है।

सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में पहले तो पति की सजा बरकरार रखी थी, लेकिन सजा के अमल पर रोक लगाकर एक कमेटी का गठन कर दिया था। सुप्रीम कोर्ट की न्यायमित्र कमेटी ने कुछ महत्वपूर्ण तथ्य सामने रखे, जिसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने महिला के पति की सजा खत्म कर दी। इस फैसले के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने बेहद लचीला रुख अपनाया। सुप्रीम कोर्ट ने महिला के संघर्षों, उसके भविष्य, दोनों के बच्चे और उनके साथ रहने को भी अपने फैसले में शामिल किया। इस मामले के बाद ही सुप्रीम कोर्ट ने सरकार से इस अहम मुद्दे पर सोच विचार करने के लिए कहा।

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से दो बड़े कदम उठाने को कहा है। इसमें शामिल है, किशोरों के सहमति वाले रिश्तों को अपराध की श्रेणी से बाहर करना। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि पोक्सो एक्ट के तहत 18 साल से कम उम्र के किशोरों के बीच सहमति से बने रिश्तों को अपराध न माना जाए। सुप्रीम कोर्ट ने सरकार से कहा कि वह इस मुद्दे की जांच के लिए एक विशेषज्ञ समिति बनाए। इस समिति में महिला और बाल विकास मंत्रालय के सचिव, वरिष्ठ सरकारी अधिकारी और कुछ विशेषज्ञ शामिल हों। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि समिति में टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज की डॉ. पेखम बसु, क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट जयिता साहा और दक्षिण 24 परगना के जिला सामाजिक कल्याण अधिकारी संजीव रक्षित को स्थायी सदस्य के तौर पर शामिल किया जाए। समिति को इस मुद्दे पर विचार करके 25 जुलाई 2025 तक अपनी रिपोर्ट देनी होगी।

सुप्रीम कोर्ट ने यूनेस्को की एक रिपोर्ट का हवाला दिया है, जिसमें कहा गया कि भारत में यौन शिक्षा सिर्फ सेकेंडरी स्कूलों में दी जाती है, और वह भी बहुत सीमित तरीके से। कोर्ट का कहना है कि अगर किशोरों को सही समय पर यौन और प्रजनन स्वास्थ्य की जानकारी दी जाए, तो वे अपने फैसलों के कानूनी और सामाजिक परिणामों को बेहतर समझ सकेंगे। कोर्ट ने सरकार से कहा कि वह इस दिशा में एक ठोस नीति बनाए। सुप्रीम कोर्ट ने कई हाईकोर्ट के फैसलों का जिक्र किया, जो इस मुद्दे पर पहले ही संवेदनशील रुख अपना चुके हैं। कोर्ट ने खास तौर पर दिल्ली, मद्रास और कलकत्ता हाईकोर्ट के फैसलों का उल्लेख किया है।

मद्रास हाईकोर्ट ने कई मामलों में कहा कि पोक्सो एक्ट का मकसद सहमति वाले रिश्तों को अपराध बनाना नहीं था। हाईकोर्ट ने यह भी माना कि सहमति वाले रिश्तों में पेनेट्रेटिव सेक्सुअल असाल्ट की परिभाषा लागू नहीं होनी चाहिए, क्योंकि इसमें हमला जैसी कोई बात नहीं होती। 2001 में भी मद्रास हाईकोर्ट ने सुझाव दिया था कि ऐसे रिश्तों को सजा से बचाने के लिए कानून में बदलाव करना चाहिए। कलकत्ता हाईकोर्ट ने कहा है कि पोक्सो एक्ट में पेनेट्रेशन को एकतरफा हरकत माना गया है, यानी इसे सिर्फ आरोपी की हरकत माना जाता है। लेकिन सहमति वाले रिश्तों में यह जिम्मेदारी सिर्फ एक पक्ष पर नहीं डाली जा सकती। फरवरी 2024 में दिल्ली हाईकोर्ट ने एक लड़के को राहत देते हुए उसके खिलाफ पोक्सो का मामला रद्द कर दिया। हाईकोर्ट ने कहा कि कानून का मकसद शोषण और दुरुपयोग को रोकना है, न कि प्रेम को सजा देना। हाईकोर्ट ने यह भी कहा कि प्रेम एक बुनियादी मानवीय अनुभव है और किशोरों को भी सहमति से भावनात्मक रिश्ते बनाने का हक है, बशर्ते उसमें कोई दबाव या शोषण न हो।

उच्च न्यायालयों ने यह भी माना कि अगर ऐसे मामलों में कानूनी कार्रवाई की जाए, तो इससे पीड़ित (लड़की) और उसके परिवार को भी नुकसान हो सकता है। कई बार हाईकोर्ट ने ऐसे मामलों को रद्द किया, जहां आगे कार्रवाई करना पीड़ित के लिए ही हानिकारक था। सुप्रीम कोर्ट ने बीते साल एक मामले की सुनवाई करते हुए कहा था कि ज्यादातर लोग इस बात से अनजान हैं कि सहमति की उम्र (एज ऑफ कंसेंट) को 2012 में 16 साल से बढ़ाकर 18 साल कर दिया गया है। इस अनभिज्ञता की वजह से कई किशोर अनजाने में कानून तोड़ रहे हैं। पोक्सो एक्ट के तहत अगर कोई 18 साल से कम उम्र का व्यक्ति यौन संबंध बनाता है, तो उसे अपराध माना जाता है, भले ही वह सहमति से हो। इसके अलावा कोर्ट ने माना कि किशोरावस्था में हार्मोनल और जैविक बदलावों की वजह से लड़के-लड़कियां रिश्तों की ओर आकर्षित होते हैं। ऐसे में उन्हें सजा देने के बजाय, उनके माता-पिता और समाज को उनका समर्थन और मार्गदर्शन करना चाहिए। कोर्ट ने कहा कि किशोरों के फैसलों को बड़ों के नजरिए से नहीं देखा जाना चाहिए, क्योंकि इससे उनके प्रति सहानुभूति की कमी हो सकती है।

सुप्रीम कोर्ट की सलाह पश्चिमी देशों की व्यवस्था, वहां की सामाजिक स्वच्छंदता और वहां के आपराधिक माइंडसेट से प्रभावित है। जबकि सुप्रीम कोर्ट को इन मुद्दों पर भारत की सामाजिक स्थिति और उस पर पड़ने वाले असर के नजरिए से देखना होगा। पश्चिमी समाजों में जो नियम चल सकते हैं, वे भारत में भारी नुकसान पहुंचा सकते हैं। भारत में पहले से ही जबरन बाल विवाह, नाबालिग लड़कियों की निकाह, शादी के नाम पर मानव तस्करी और धर्म परिवर्तन के लिए ग्रूमिंग जैसी गंभीर समस्याएं हैं। अगर किशोरों के बीच सहमति वाले यौन संबंधों को अपराध की श्रेणी से बाहर कर दिया गया, तो ये एक कानूनी खामी बन सकती है, जिसका गलत लोग फायदा उठा सकते हैं।

पोक्सो एक्ट का मकसद प्रेम को रोकना नहीं है, लेकिन इसे इसलिए भी बनाया गया था ताकि बड़े लोग नाबालिग लड़कियों के साथ किशोर प्रेम के नाम पर शादी या रिश्ते बनाकर उनका शोषण न करें। कई बार निकाह का रास्ता अपना कर पोक्सो एक्ट से बचा जाता है। उदाहरण के लिए, जून 2022 में पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट ने शरिया का हवाला देकर कहा था कि 16 साल की मुस्लिम लड़की निकाह के लिए योग्य है। क्या ऐसी नरमी तस्करों और शोषण करने वालों को और हिम्मत नहीं देगी, जो पहले से ही सिस्टम का गलत इस्तेमाल कर रहे हैं?राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग के पूर्व चेयरमैन प्रियंक कानूनगो ने कहा, नाबालिग अपनी सरकार नहीं चुन सकते, उन्हें वोट देने का अधिकार भी नहीं है। क्या हम उनसे यह उम्मीद कर रहे हैं कि वे अपने यौन साथी को समझदारी से चुनें? सावधान रहें, इससे नाबालिग लड़कियों के साथ निकाह और बाल विवाह के अन्य रूपों को वैधता मिल सकती है। यह सिर्फ कानूनी भाषा का मामला नहीं है, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक जटिलताओं का भी सवाल है। अगर 14 या 15 साल की उम्र के बच्चों के बीच सहमति वाले रिश्तों को कानूनन मंजूरी दे दी गई, तो प्रेम और शोषण के बीच की रेखा और धुंधली हो जाएगी। सहमति की जांच कौन करेगा? गरीब और हाशिए पर रहने वाली लड़की, जो 14-15 साल की है, क्या वाकई में दबाव या लालच को प्रेम समझने की गलती से बच पाएगी? भारत में बाल विवाह अभी भी एक बड़ी समस्या है। हर साल हजारों, बल्कि लाखों बाल विवाह हो रहे हैं। अगर किशोरों के यौन संबंधों को कानूनन सामान्य कर दिया गया, तो धार्मिक संगठन, खाप पंचायतें और तस्करी करने वाले गिरोह कमजोर लड़कियों को शादी या शोषण की स्थिति में धकेल सकते हैं और वो भी कानूनी तौर पर सुरक्षित होकर। कुछ मामलों में पोक्सो एक्ट का गलत इस्तेमाल होता है लेकिन कानून में बदलाव बहुत सोच-समझकर करना होगा, न कि एकबारगी सब कुछ बदल देना चाहिए।

सांबा में पोस्ट...

बीएसएफ के सब-इंस्पेक्टर मोहम्मद इम्तियाज, कांस्टेबल दीपक कुमार और भारतीय सेना के नायक सुनील कुमार को खो दिया। हम अपनी दो पोस्ट का नाम अपने खोए हुए कर्मियों के नाम पर रखने का प्रस्ताव भेज रहे हैं और एक पोस्ट का नाम सिंदूर रखने का प्रस्ताव भेज रहे हैं। आईजी ने कहा कि आतंकियों को आगे करके पाकिस्तानी सेना घुसपैठ कराना चाहती थी। 40 से 50 आतंकी घुसपैठ की कोशिश में थे। उन्होंने बताया कि फॉरवर्ड पोस्ट को नुकसान पहुंचाने की साजिश थी। बीएसएफ की फॉरवर्ड पोस्ट पर फायरिंग का माकूल जवाब दिया गया। ऑपरेशन सिंदूर का प्रहार पाकिस्तान भूल नहीं पाएगा।

बीएसएफ के आईजी ने कहा कि आतंकियों के ठिकानों को तबाह किया गया। बीएसएफ ने ऑपरेशन सिंदूर की कार्रवाई का नया वीडियो जारी किया है। बीएसएफ आईजी ने कहा, हमें आतंकवादियों के अपने लॉन्च पैड्स और शिविरों में लौटने और एलओसी और आईबी पर संभावित घुसपैठ के बारे में कई इनपुट मिल रहे हैं। सुरक्षा बलों को सतर्क रहना होगा। सीमावर्ती गांवों में विश्वास बहाली के उपायों पर आईजी आनंद कहते हैं, हम सीमा पर लगातार निगरानी कर रहे हैं। हम सीमावर्ती गांवों में रहने वाले किसानों को अपनी फसल काटने के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं। हमारे किसान कड़ी सुरक्षा के बीच अपनी कृषि गतिविधि करते हैं। हम यह भी देख सकते हैं कि पाकिस्तानी किसान भी अब कृषि गतिविधि कर रहे हैं। हम देख रहे हैं कि सामान्य स्थिति वापस आ रही है। सीमा सुरक्षा बल के जवान सीमावर्ती गांवों का दौरा कर रहे हैं और बैठकें, चिकित्सा शिविर और नागरिक कार्रवाई कार्यक्रम आयोजित कर रहे हैं।

ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान के आतंकी लॉन्च पैड पर बीएसएफ की कार्रवाई पर आरएस पुरा सेक्टर के बीएसएफ डीआईजी चित्तर पाल ने बताया कि 9 मई को पाकिस्तान ने हमारी कई चौकियों को निशाना बनाया था। सबसे पहले उन्होंने फ्लैट ट्रैजेक्टरी हथियार और मोर्टार से हमारी चौकियों को निशाना बनाना शुरू किया। उन्होंने हमारे एक गांव अब्दुलियान को भी निशाना बनाया। हमारे बीएसएफ जवानों ने उन्हें मुंहतोड़ जवाब दिया। जब उन्होंने फायरिंग कम की तो उन्होंने ड्रोन गतिविधियां बढ़ा दीं। जवाब में बीएसएफ ने पाकिस्तानी आतंकी लॉन्च पैड मस्तपुर को निशाना बनाकर नष्ट कर दिया।

बीएसएफ के डीआईजी एसएस मंड ने बताया कि 8 मई 2025 को निगरानी के दौरान सीमा की ओर आ रहे 40-50 लोगों की हरकतों का पता चला। हमने एहतियातन हमला किया। इसके तुरंत बाद, पाकिस्तान ने इइक्र की सीमा चौकियों पर गोलीबारी शुरू कर दी, जिसका हमने भी मुंहतोड़ जवाब दिया। इनपुट्स से पता चलता है कि हमारे हमले में कई आतंकवादी, उनके समर्थक, रेंजर्स और अधिकारी घायल हुए हैं। 9 मई को अखनूर के पास के इलाकों में पाकिस्तान ने बिना उकसावे के गोलीबारी की। 9-10 मई को पाकिस्तान ने अखनूर की सीमा पर भारी गोलीबारी की। बीएसएफ ने योजनाबद्ध तरीके से पाकिस्तान के लूनी आतंकी लॉन्च पैड को निशाना बनाया।

गणेशजी की कृपा से तुला सहित अन्य राशियों के विघ्न होंगे दूर

आज 28 मई दिन बुधवार है और तिथि है ज्येष्ठ मास के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि। ऐसे में आज के दिन के स्वामी ग्रह बुध और देवता रहेंगे भगवान गणेशजी। जबकि आज चंद्रमा का गोचर वृषभ उपरांत बुध की राशि मिथुन में होने जा रहा है और ऐसे में आज गुरु और चंद्रमा की युति भी मिथुन राशि में बनेगी जिससे आज के दिन गजकेसरी योग बनेगा। जबकि दिन के पहले भाग में आज चंद्रमा, बुध और सूर्य का त्रिग्रह योग प्रभावी रहेगा। इसके साथ ही आज मृगशिरा नक्षत्र के संयोग में सर्वार्थ सिद्धि योग का भी शुभ संयोग बनने जा रहा है। जिससे आज का दिन भगवान गणेश और गजकेसरी योग से तुला सहित 5 राशि के जातकों के लिए भाग्यशाली रहेगा।

मेष राशि – मेष राशि के जातकों के लिए आज बुधवार का दिन बिगड़े कामों को बनाने वाला रहेगा। आज आपमें बुद्धिमत्ता, विवेकशीलता, वाक्पटुता और साहस का अद्भुत मिश्रण देखने को मिलेगा। जिसकी मदद से आप अपने कार्यों में आ रहीं अड़चनों को दूर करेंगे। आज के दिन आपके कार्य इच्छित लाभ दिलाएंगे। खासकर आज टीचिंग, कोचिंग, रेस्टोरेंट, होटल आदि से जुड़े जातकों को अच्छा धन लाभ कमाने को मिल सकता है। इसके साथ ही आज कारोबार के सिलसिले में आपको छोटी यात्रा पर जाने का अवसर मिल सकता है जो काफी सुखद रहेगी। आज आप अपने धन को सही जगह निवेश करने में सफल होंगे। नौकरीपेशा जातकों को कारोबार में अपनी कार्यक्षमता का फायदा मिलेगा। उनकी सराहना होगी। आज परिवार में काफी अच्छा माहौल रहेगा। छोटे भाई बहनों का साथ मिलेगा, जबकि परिवार में अन्य सदस्यों के साथ भी आपका तालमेल बना रहेगा।

उपाय : आज गाय को हरा चारा या पालक खिलाएं। इसके साथ ही आज बुधवार के दिन 108 बार ऊं गं गणपतये नमः मंत्र का जप करें। इससे आपको गणेशजी की कृपा प्राप्त होगी।

मिथुन राशि – मिथुन राशि के जातकों के लिए आज बुधवार का दिन सुख सुविधाओं में इजाफा करने वाला रहेगा। आज आपकी लंबे समय से दबी हुई इच्छा पूरी हो सकती है। इससे आपकी खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा। नौकरीपेशा जातकों को आज कहीं से अच्छी खबर सुनने को मिल सकती है। खासकर आज आपमें धैर्य और लचीलेपन का मिश्रण नजर आएगा जिससे आप किसी भी परिस्थिति में अपने लिए लाभ अर्जित कर सकेंगे। इसके साथ ही आज आध्यात्मिक कार्यों में आपका मन अधिक लगेगा। अस्पताल, मेडिआज स्टोर, विदेश से व्यापार, आयात निर्यात आदि का काम करने वालों को आज उम्मीद से बेहतर लाभ मिल सकता है। आज आपके मान सम्मान में इजाफा होगा। और घर से दूर रह रहे परिवार के सदस्य का आना हो सकता है। इससे घर में माहौल खुशनुमा रहेगा।

उपाय : आज बहते हुए जल में खाली मटका बहा दें और मूंग की दाल को रातभर के लिए भिगोकर रख दें और सुबह इसे जानवरों को खिला दें। इससे आपके दुख दूर होंगे।

सिंह राशि – सिंह राशि वालों को आज बुधवार के दिन भाग्य का सहयोग मिलेगा। आज आपके सोच हुए काम समय पर पूरे होंगे, किस्मत का साथ मिलने से आपके कार्यों में आ रहीं परेशानी दूर होगी। अगर आपका धन कहीं फंसा था तो आज उसके वापस मिलने के आसार हैं। इसके साथ ही आज कारोबार में लंबी दूरी की यात्रा पर जा सकते हैं। यात्रा आपके

लिए उत्तम रहने वाली है। यहां आपकी मुलाकात किसी प्रभावशाली शख्सियत से होगी, जो आपके कारोबार को नई ऊंचाइयों पर ले जाने में मदद कर सकता है। आज राजनीति, सामाजिक क्षेत्र, मार्केटिंग, सेल्स आदि का काम करने वाले जातकों को विशेष रूप से लाभ मिल सकता है। आज आपके काम की तारीफ होगी और आप उपलब्धि हासिल कर सकते हैं। परिवार में जीवनसाथी के साथ संबंध अच्छे रहेंगे। आपके बीच प्रेमभाव बना रहेगा।

उपाय : आज सुहागिन महिलाओं को हरी चूड़ियां, माला और वस्त्रों का दान करें। इसके साथ ही आज एक माला ऊं ब्रां ब्रीं ब्रौं सः बुधाय नमः मंत्र का जप करें। इससे आपके संकट दूर होंगे।

तुला राशि – तुला राशि वालों के लिए आज बुधवार का दिन शुभ रहने वाला है। इसके साथ ही आज आपको कारोबार में बड़े बदलाव देखने को मिलेंगे। इन्हें सकारात्मक रूप से लेंगे तो आपको बड़ा फायदा होगा। कारोबार के सिलसिले में सुखद और सफल यात्रा पर जा सकते हैं। पैतृक व्यवसाय करने वालों के लिए आज का दिन काफी मुनाफा दिलाने वाला रहने वाला है। आज आपको पद और प्रतिष्ठा का फायदा मिल सकता है। उच्च शिक्षा के सिलसिले में चली आ रही परेशानियां दूर होंगी। इसके साथ ही आज सेहत से जुड़े समस्याओं से जूझ रहे थे तो कुछ राहत मिलने के आसार हैं। परिवार में आपको पिता का सहयोग मिलेगा। जीवनसाथी के साथ भी संबंध मधुर रहेंगे।

उपाय : आज अपने पर्स में हरे रंग की कांच गोलियां रखें और आज के दिन तुलसी के पत्ते को गंगाजल से धोकर खाएं। यह बहुत शुभ माना जाता है।

मीन राशि – मीन राशि के जातकों के लिए आज का दिन बेहद स्पेशल रहने वाला है। आज के दिन आपको साहसिक फैसलों का लाभ मिलेगा। नपा तुला जोखिम लेने से आप अच्छा मुनाफा कमा सकते हैं। आज मीडिया, प्रकाशन, लेखन आदि के कार्यों से जुडे. जातकों को विशेष रूप से लाभ मिल सकता है। इसके साथ ही रियल एस्टेट और वाहनों से जुड़ा काम करने वाले भी आज फायदे में रहने वाले हैं। आज आपके परिवार में सुख समृद्धि बनी रहेगी। आपको माता की तरफ से काफी सहयोग मिलेगा। इसके साथ ही मातृ पक्ष से संपत्ति का लाभ भी मिल सकता है। विवाह योग्य जातकों के लिए आज नया रिश्ता आ सकता है। प्रेम संबंधों में हैं तो आज पार्टनर के साथ आपके संबंध और प्रगाढ़ होंगे।

उपाय : आज गणेश भगवान को मोदक का भोग लगाने के बाद बच्चों में प्रसाद बांट दें। साथ ही गणेश अथर्वशीर्ष का पाठ करें। इससे आपके कार्यों में आ रहे विघ्न दूर होंगे।

लाल किताब के इन चार विशेष उपायों से आएगा जीवन में सकारात्मक बदलाव

जीवन में कभी-कभी ऐसा होता है कि दिन बहुत ही बोझिल होते जाते हैं और कुछ भी अच्छा नहीं चलता। करियर में समस्याएं खड़ी होने लग जाती हैं। निजी जीवन में परिवार के सहयोग में कमी आती है, तो कभी जीवनसाथी के साथ गलतफहमियां होने लग जाती हैं। ऐसे में समझ नहीं आता कि हम अपने जीवन में सब कुछ ठीक कैसे करें। लाल किताब के अनुसार कुछ ऐसे विशेष उपाय हैं, जिन्हें आजमाने से आपके जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का वास होने लगता है।

हनुमान जी की आराधना से बनने लग जाएंगे बिगड़े काम

हर दिन सुबह हनुमान चालीसा पढ़ना शुरू कर दें। इसके बाद घर में सुंदरकांड का पाठ करवाएं। ये दोनों काम होने के बाद, लगभग 43 दिनों तक किसी मंगलवार या शनिवार को एक ही जगह पर बैठकर 300 बार हनुमान चालीसा का पाठ करें। पाठ करने के बाद प्रसाद बांटें और किसी एक बच्चे को खाना खिलाएं।

नारियल के उपाय से घर में आएगी सकारात्मक ऊर्जा

मंगलवार या शनिवार को यह उपाय करें। एक पानीदार नारियल लें। इसे अपने सिर के ऊपर से 21 बार घुमाएं। फिर इसे घर से बाहर ले जाकर जला दें। इससे आपके सारे संकट दूर हो जाएंगे और नारियल के धुएं से सकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा।

शनिदेव को शांत रखें

शनि देव को शांत करने के लिए कुछ खास काम करने से बचना चाहिए। जैसे, दूसरों की पत्नी पर बुरी नजर रखना, शराब पीना, ब्याज पर पैसे देना और किसी को भी तआजीफ देने से शनिदेव के प्रकोप का सामना करना पड़ता है। घर की महिलाओं की इज्जत करें। गंदे रहना, गुस्सा करना और मन में किसी के लिए गलत बातें सोचना भी शनि देव को नाराज कर सकता है।

हर शनिवार पीपल के वृक्ष के नीचे दीपक जलाएं

हर शनिवार की शाम पीपल के वृक्ष के नीचे सरसों के तेल का दीपक जरूर जलाना चाहिए। इससे नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है और देवी-देवताओं की कृपा आप पर बनी रहती है।

वृषभ राशि वालों पर कब से शुरू होगी साढ़ेसाती? इन उपायों से पाएं शनिदेव की कृपा

सनातन धर्म में शुक्रवार का दिन मां लक्ष्मी को समर्पित होता है। इस दिन मां लक्ष्मी की भक्ति भाव से पूजा की जाती है। साथ ही वैभव लक्ष्मी व्रत भी रखा जाता है। इसके अलावा, शुक्रवार के दिन सुखों के कारक शुक्र देव की भी उपासना की जाती है। शुक्रवार के दिन देवी मां लक्ष्मी की पूजा करने से कुंडली में अशुभ ग्रहों का प्रभाव समाप्त हो जाता है। साथ ही शुक्र और चंद्र समेत सभी शुभ ग्रहों की कृपा साधक पर बरसती है। सुखों के कारक शुक्र देव वृषभ राशि में स्वामी हैं। इस राशि की आराध्या जगत की देवी मां दुर्गा हैं। इसके लिए शुक्रवार के दिन मां लक्ष्मी की भक्ति भाव से पूजा की जाती है। लेकिन क्या आपको पता है कि कब से वृषभ राशि के जातकों पर शनि की साढ़ेसाती शुरू होगी?

वर्तमान समय में शनिदेव मीन राशि में विराजमान हैं। इस राशि में शनिदेव अगले ढाई साल तक रहेंगे। इसके बाद राशि परिवर्तन करेंगे। शनिदेव मार्गी चाल चलकर मेष राशि में गोचर करेंगे। शनिदेव के राशि परिवर्तन करने के साथ ही वृषभ राशि वालों पर शनि की साढ़ेसाती शुरू हो जाएगी।

शनि गोचर 2027

ज्योतिषीय गणना के अनुसार, न्याय के देवता शनिदेव गुरुवार 03 जून, 2027 को राशि परिवर्तन करेंगे। इस दिन कर्मफल दाता शनिदेव मेष राशि में गोचर करेंगे। इससे पहले शनिदेव मेष राशि में विराजमान रहेंगे। शनिदेव के राशि परिवर्तन करने से कुंभ राशि के जातकों को साढ़ेसाती से मुक्ति मिल जाएगी। वहीं, मीन राशि के जातकों पर साढ़ेसाती का अंतिम चरण शुरू होगा। शनिदेव के राशि परिवर्तन यानी वृषभ राशि में गोचर करने से सिंह और धनु राशि के जातकों को शनि की ढैय्या से मुक्ति मिल जाएगी।

ऐसे करें शनिदेव को प्रसन्न

शनिदेव को प्रसन्न करने के लिए वृषभ राशि के जातक जगत की देवी मां दुर्गा की भक्ति भाव से पूजा करें। साथ ही सोमवार और शुक्रवार के दिन महादेव का जलाभिषेक करें। आर्थिक संपन्नता होने पर कच्चे दूध से भी महादेव का अभिषेक कर सकते हैं। इसके साथ ही सोमवार और शुक्रवार के दिन सफेद चीजों का दान करें। वहीं, शनि की बाधा से मुक्ति के लिए मंगलवार और शनिवार के दिन हनुमान चालीसा का पाठ करें।

ऊंचाई से गिरना या सांप का काटना, इन सपनों को बिल्कुल भी न करें नजरअंदाज

स्वप्न शास्त्र में लगभग हर सपने का कोई-न-कोई अर्थ माना जाता है, जिसका संबंध हमारे निकट भविष्य से होता है। कई लोगों को ऊंचाई से गिरने का सपना आता है, तो कई लोगों को सपने में सांप भी दिखाई देता है। चलिए जानते हैं ऐसे ही कुछ सपनों के बारे में।

शादी का सपना

हमें कई बार सपने में खुद की या दूसरी की शादी होते हुए दिखाई देती है। अगर सपने में आपकी शादी आपके लव पार्टनर से हो रही है, तो यह एक शुभ संकेत के रूप में देखा जाता है। इसका अर्थ है कि आप जल्द ही विवाह के बंधन में बंधने वाले हैं। वहीं शादी टूटते का सपना अशुभ माना जाता है।

अशुभ है ये सपना

कई लोगों को ऊंचाई से गिरने के सपना भी आता है। स्वप्न शास्त्र में माना गया है कि यह सपना आपको भविष्य में आने वाली कुछ कठिनाइयों का संकेत देता है। वहीं यह सपना आपको धन हानि का संकेत भी देता है। ऐसे में सावधानी बरतने की जरूरत है।

यह सपना भी है शुभ

भविष्य पुराण में वर्णन मिलता है कि यदि कोई व्यक्ति सपने में खुद को सोने के गहने पहनते हुए देखता है, तो यह एक शुभ संकेत हो सकता है। यह सपना भविष्य में होने वाले आर्थिक लाभ की ओर इशारा करता है। साथ ही यह सपना इस बात का भी संकेत देता है कि आपको कोई खुशखबरी मिल सकती है।

दूर होगी परेशानी

सपने में सांप आने पर कोई भी व्यक्ति डर सकता है, लेकिन स्वप्न शास्त्र में सांप से जुड़े कुछ सपनों को शुभ माना गया है। अगर आपको सपने में रंग-बिरंगे सांप दिखाई देते हैं, तो यह अच्छा संकेत माना जाता है। इसका अर्थ है कि आपके जीवन में जल्दी ही खुशियां आने वाली हैं।

वहीं अगर आप सपने में खुद को सांप पकड़ते हुए देखते हैं, तो इसे एक बहुत ही शुभ सपने के तौर पर देखा जाता है। स्वप्न शास्त्र में इस सपने का अर्थ है कि आपकी आर्थिक परेशानियां जल्द ही दूर होने वाली हैं।

हथेली के निशान से पता चलता है धनवान बनने का योग

हस्तरेखा शास्त्र के अनुसार, हाथ में मौजूद रेखाएं और निशान जीवन के हर पहलू के बारे में जानकारी देते हैं। इन रेखाओं और निशानों के माध्यम से आप यह जान सकते हैं कि धनवान बनने के लिए किस्मत आपका साथ देगी या नहीं। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि किसी व्यक्ति के भविष्य को उसके हाथ की लकीरों से जाना जा सकता है। हमारी हाथों की रेखाएं और निशान हमारे भाग्य और जीवन के कई पहलुओं के बारे में बताते हैं। आपने अपने आसपास ऐसे कई लोग देखें होंगे जिन्होंने कम समय में ही बड़ा बिजनेस स्थापित किया और बहुत नाम कमाया। हस्तरेखा शास्त्र के अनुसार, कुछ व्यक्तियों के हाथ पर खास निशान होते हैं। ऐसे निशान व्यक्ति को सफलता दिलाते हैं। आइए जानते हैं इन रेखाओं और लकीरों के बारे में जो किसी व्यक्ति को सफल बनाती हैं। जिस व्यक्ति की भाग्य रेखा मणिबंध स्थान से शुरू हो रही हो और शनि पर्वत तक पहुंच रही हो और इस रेखा पर कोई अशुभ निशान न हो तो ऐसे व्यक्ति व्यापार में काफी उच्च स्तर पर पहुंच सकते हैं। अगर किसी व्यक्ति की मस्तिष्क रेखा में कोई दोष न हो तो साथ ही भाग्य रेखा से कोई शाखा जीवन रेखा छूकर निकल जाए तो ऐसा व्यक्ति बड़ा बिजनेसमैन बनता है। इतना ही नहीं ऐसा लोगों का व्यापार देश और विदेश दोनों जगहों पर फैलता है।

हस्तरेखा शास्त्र के अनुसार, यदि किसी व्यक्ति के हाथ में शुक्र पर्वत पर मछली का निशान बना हो तो ऐसा व्यक्ति बहुत प्रभावी और आकर्षक होता है। साथ ही ऐसा लोगों का भाग्य उनका पूरा सहयोग करता है। ऐसा व्यक्ति सेलिब्रिटी या बड़ा कारोबारी बन सकता है। इतना ही नहीं ऐसे लोग कम उम्र में ही व्यापार में अच्छी सफलता हासिल करने के साथ ही बड़े व्यापारी बन सकते हैं। साथ ही ऐसे लोगों को समाज में विशेष स्थान मिला है। साथ ही वह अपने व्यवहार के बल पर लोगों का दिल जीत लेते हैं। साथ ही ऐसे लोग अपने संबंधों को लंबे समय तक बनाए रखते हैं। यदि किसी व्यक्ति के हाथ में चंद्रमा पर्वत भाग्य रेखा से निकल रहा हो और अंगूठा पीछे की तरफ झुका हुआ रहा हो तो ऐसा व्यक्ति प्रतिष्ठित व्यवसायी होता है और खूब धन कमाता है। ऐसे लोग अपने बिजनेस में बढ़ाने के लिए नए-नए आइडिया का प्रयोग करते रहते हैं और उनके प्रयोग सफल भी होते हैं। यदि हाथ में भाग्य रेखा और जीवन रेखा एक साथ चल रहीं है तो ऐसे लोग बहुत व्यवहारिक होते हैं और हर क्षेत्र में आसानी से सफलता प्राप्त करते हैं। यदि किसी व्यक्ति की भाग्य रेखा टूटी हुई है तो उसे अपने जीवन में कई परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

विष्णुजी का मिलता है आशीर्वाद

हस्तरेखा शास्त्र के अनुसार, अगर किसी व्यक्ति की हथेली पर कमल का चिन्ह मौजूद है तो यह बहुत शुभ माना जाता है। कमल भगवान विष्णु का चिन्ह माना गया है और हथेली पर यह निशान है तो विष्णु योग कहलाता है। ऐसे व्यक्ति पर भगवान विष्णु की कृपा बनी रहती है और भाग्य भी हमेशा इनका साथ देता है। कमल का निशान होने से व्यक्ति नेतृत्व और वाकपटुता में काफी माहिर होता है और इनको जीवन में कभी भी धन की कमी का सामना नहीं करना पड़ता।

भगवान शिव की कृपा

त्रिशूल का निशान हथेली पर होना बहुत भाग्यशाली माना जाता है। अगर यह निशान किसी रेखा या पर्वत के ऊपर मौजूद है तो उस व्यक्ति पर भगवान शिव की कृपा हमेशा बनी रहती है। त्रिशूल का निशान अगर मंगल पर्वत पर मौजूद है तो इससे यह शिव योग बनता है। ऐसे व्यक्ति को जीवन में कभी किसी अड़चन का सामना नहीं करना पड़ता और जीवन में हमेशा तरक्की मिलती है।

कभी नहीं होती धन-धान्य की कमी

अगर आपकी हथेली पर सूर्य पर्वत और गुरु पर्वत ऊंचा उठा हुआ है तो ऐसे व्यक्ति को धन-धान्य की कभी कमी नहीं होती। समाज में इनकी प्रतिष्ठा बढ़ती रहती है और यह कभी पीछे मुड़कर नहीं देखते। ऐसे व्यक्ति काफी दानवीर भी होते हैं, जो हमेशा दूसरों की मदद के लिए तैयार रहते हैं। यह लोग करियर बनाने के लिए हमेशा उत्सुक रहते हैं और नई-नई चीजों में अपना दिमाग लगाते रहते हैं, जिससे सफलता इनके कदम चूमती है।

भाग्य हमेशा देता है साथ

अगर किसी व्यक्ति के मणिबंध से निकलती हुई रेखा सीधी और स्पष्ट हो और वह शनि पर्वत तक पहुंच रही हो तो ऐसा व्यक्ति काफी भाग्यशाली माना जाता है क्योंकि इस रेखा को भाग्य रेखा कहा जाता है।

ऐसे व्यक्ति काफी धनवान होता है और जीवन में कभी किसी चीज की कमी नहीं होती है। वहीं अगर किसी व्यक्ति की हथेली पर दो सूर्य रेखा बन रही हों तो ऐसे व्यक्ति को समाज में काफी सम्मान मिलता है और धन संपत्ति से काफी समृद्ध रहता है।

अचानक धन की प्राप्ति

हथेली के ऊपरी भाग में मणिबंध के पास जीवन रेखा से लगा हुआ मछली का चिन्ह मिलता है तो यह काफी शुभ माना जाता है। ऐसे व्यक्ति को अचानक धन की प्राप्ति होती है और उनको विदेशों से भी अच्छा लाभ मिलता है। इनके आसपास के लोग इनकी काफी इज्जत करते हैं और पैतृक संपत्ति भी काफी मिलती है।

मुमताज़, 77 साल की उम्र में फिर से अभिनय के लिए तैयार!

लेकिन शाहरुख खान की माँ का किरदार नहीं निभाएंगी

उनमें हमेशा से वो बात थी – चीज़ों को शान से करने की क्षमता। चाहे दो रास्ते की मोहक भूमिका हो, खिलौना की गणिका, दुश्मन की खुशमिज़ाज लड़की या अपराध की धोखेबाज महिला, मुमताज़ हर किरदार में फिट बैठती थीं और हर भूमिका को शानदार तरीके से निभाती थीं। यह कोई संयोग नहीं था कि 1960 के दशक के अंत और 1970 के दशक की शुरुआत के बीच, वह हिंदी सिनेमा की सबसे अधिक भुगतान पाने वाली अभिनेत्री थीं। रोटी, आप की कसम और प्रेम कहानी जैसी फिल्मों से उन्होंने सिनेप्रेमियों को अपने मोहक जादू में बांधे रखा। फिर, 70 के दशक के मध्य में व्यवसायी मयूर माधवानी से शादी करने के बाद उन्होंने अचानक अभिनय छोड़ दिया, केवल 1990 में आंधियां में एक उपस्थिति दर्ज कराई। अपने करियर के चरम पर, मुमताज़ अक्सर गपशप पत्रिकाओं में अपने सह-कलाकारों, शम्मी कपूर, राजेश खन्ना और फ़िरोज़ खान, और निर्देशक यश चोपड़ा के साथ लिंक-अप की ख़बरों में रहती थीं। हालांकि शम्मी कपूर और मुमताज़ दोनों अपने रिश्ते को लेकर हमेशा खुले रहे, लेकिन दूसरों के बारे में रिपोर्टें हमेशा अटकलों के दायरे में रहीं। वयोवृद्ध अभिनेत्री ने अब इस संबंध में स्थिति स्पष्ट कर दी है। उन्होंने 35 साल बाद वापसी करने की इच्छा भी व्यक्त की है। हालांकि परिपक्व भूमिकाएं निभाने को लेकर उत्सुक हैं, लेकिन बीते ज़माने की ये दिवा बड़े अभिनेताओं की माँ की भूमिका निभाने के खिलाफ हैं।

मुमताज़ इस बात से वाकिफ हैं कि आंधियां में माँ के रूप में उनकी भूमिका को दर्शकों ने स्वीकार नहीं किया था और वह गलती दोहराना नहीं चाहतीं। 77 वर्षीय अभिनेत्री को जब उनके उस बयान के बारे में याद दिलाया गया कि वह शाहरुख खान या अक्षय कुमार की मां का किरदार नहीं निभाएंगी, तो उन्होंने विक्की लालवानी शो में कहा कि वह अपनी बात पर कायम हैं क्योंकि उन्होंने एक नियम बनाया था कि वह केवल उसी अभिनेता की मां का किरदार निभाएंगी जो उनसे कम से कम 20 साल छोटा हो।

जब पूछा गया कि क्या वह जया बच्चन की तरह (शाहरुख की माँ का किरदार) निभाएंगी, तो मुमताज़ ने कहा: वह जया का फैसला हो सकता है। मैं केवल उसी अभिनेता की माँ का किरदार निभाऊंगी जो मुझसे 20 साल छोटा हो और अगर मैं अच्छी दिखूं। जब लालवानी ने पूछा कि क्या शाहरुख (जो इस साल के अंत में 60 साल के हो जाएंगे) इस मानदंड को पूरा करने में विफल रहे, तो मुमताज़ ने कहा कि शायद अभिनेता खुद ही इस विचार को अस्वीकार कर देंगे। उन्हें बताया गया कि शाहरुख ने एक टॉक शो में कहा था कि मुमताज़ उनकी पहली क्रश थीं और शायद वह उनका बेटा बनने से इनकार नहीं करेंगे।

अभिनेत्री ने कहा कि उन्होंने शायद यह बात मज़ाकिया अंदाज़ में कही होगी। शाहरुख, मैं आपसे सीधे पूछ रही हूं। अगर आपको मेरा बेटा बनने में कोई आपत्ति नहीं है, तो मैं आपकी मां बनूंगी, जैसी मैं हूं और अगर मैं अच्छी दिखूं। लेकिन वह खुद ही मना कर देंगे, मुमताज़ ने कहा, साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि वह कहेंगे कि यह अच्छा नहीं लगेगा। अभिनेत्री ने कहा कि शाहरुख एक प्यारे, बुद्धिमान और स्मार्ट व्यक्ति हैं। सिर्फ इसलिए कि उन्हें वह पसंद थीं, इसका मतलब यह नहीं कि वह कोई भी भूमिका स्वीकार कर लेंगे।

मुमताज़ ने कहा कि उनकी शादी बहुत कम उम्र में हो गई थी और उनके और उनके बच्चों के बीच उम्र का ज़्यादा फासला नहीं था। वह हॉलीवुड अभिनेत्री जेन फोंडा की मदर-इन-लॉ जैसी भूमिका निभाने के लिए तैयार हैं, जो मज़बूत और स्टाइलिश थी। वह एक खूबसूरत विषय था। दिवंगत निर्देशक यश चोपड़ा, जो उनसे लगभग 15 साल बड़े थे, कभी उनके प्यार में पागल थे, ऐसी अफवाह थी। वह अपनी सफेद कार में उनके फ्लैट पर जाते थे और उनकी मौसी और नानी से मिलते थे, मुमताज़ से शादी करने की अपनी इच्छा व्यक्त करते थे। जब उनसे इसके बारे में पूछा गया, तो उन्होंने पुष्टि की कि यश ने ऐसा किया था।

क्या निर्देशक ने कभी उनसे कहा था कि वह उनसे प्यार करते हैं, मुमताज़ ने कहा: वह मुझसे प्यार करते थे। मैं उन्हें तब से जानती थी जब मैंने उनके बड़े भाई बी.आर. चोपड़ा की फिल्म में काम किया था। तब वह एक असिस्टेंट थे, निर्देशक नहीं। हालांकि वह हमराज़ का जिक्र कर रही थीं, लेकिन उन्हें इस बात की जानकारी नहीं थी कि यश चोपड़ा तब तक एक निर्देशक बन चुके थे और धूल का फूल, धर्मपुत्र और अत्यधिक सफल वक्त जैसी फिल्में निर्देशित कर चुके थे।

विस्तार से बताते हुए उन्होंने कहा कि यश चोपड़ा ने कई बार उनसे कहा कि वह उनसे प्यार करते हैं और उनसे शादी करने के लिए कहा। लेकिन, मुझे उनसे प्यार नहीं था। किसी व्यक्ति से शादी करने के लिए, आपको उससे प्यार होना चाहिए, उसके करीब होना चाहिए और

दोनों के बीच एक निश्चित केमिस्ट्री होनी चाहिए। मुझे वह एक फि... निर्माता और एक अच्छे इंसान के रू... पसंद थे। वह एक परफेक्शनिस्ट ... लेकिन, चूंकि मुझे उनसे प्यार नहीं ... कोई केमिस्ट्री नहीं थी, इसलिए मैंने उनसे शादी नहीं की।

हालांकि, यश चोपड़ा के साथ उनके जुड़ाव की सुखद यादें थीं और उन्होंने कहा कि जब उनकी मृत्यु हुई तो वह बहुत रोई थीं। उनकी मृत्यु से पहले, यश चोपड़ा ने उन्हें लंदन में फोन किया था और उनसे मुंबई में अपने स्टूडियो आने के लिए कहा था। यश चोपड़ा की बहू रानी मुखर्जी ने भी यश की मृत्यु के बाद इस संबंध में उनसे बात की थी, लेकिन किसी तरह वह स्टूडियो नहीं जा पाईं। मुमताज़ और राजेश खन्ना ने कम से कम 10 सुपरहिट फिल्मों में एक साथ काम किया और उन दिनों अफवाह थी कि उनका अफेयर चल रहा था।

मुमताज़ ने कहा कि उन्होंने कई बार इस बात से इनकार किया कि वह राजेश खन्ना के साथ रिश्ते में थीं। काश मैं इसमें शामिल होती। सिर्फ इसलिए कि हमने इतनी फिल्मों में एक साथ काम किया, इसका मतलब यह नहीं था कि हमारा अफेयर था। अभिनेत्री अंजू महेंद्रू और राजेश खन्ना का लिव-इन रिलेशनशिप था और अंजू को तब झटका लगा था जब राजेश ने 1973 में डिंपल कपाड़िया से शादी करने का फैसला किया था। अंजू मेरी दोस्त भी थी। मुझे राजेश के फैसले पर आश्चर्य हुआ। अंजू जो एक पार्टी में थी, चौंक गई थी और उसने कहा कि उसे नहीं पता था कि राजेश के फैसले का क्या कारण था। हालांकि अंजू टूट नहीं गई थी, लेकिन वह बहुत आहत हुई थी, मुमताज़ ने कहा, और उन्होंने यह भी कहा कि अंजू ने बीमारी से जूझ रहे राजेश खन्ना का भी ख्याल रखा था। ...त यह है कि दिवंगत संगीत ... मदन मोहन की भतीजी अंजू ..., जिन्होंने मुमताज़ को बताया ... कि उन्हें राजेश खन्ना के फैसले ... आश्चर्य हुआ था, ने बाद में ...क साक्षात्कार में स्वीकार किया ... कि वह 1971 में राजेश ...न्ना के शादी के प्रस्ताव को ...स्वीकार करने के लिए ...रिपक्व थीं और उन्होंने कहा था ...गर उन्होंने प्रस्ताव स्वीकार कर ...ता, तो वह राजेश खन्ना की ...

मुमताज़ ने राजेश खन्ना के कारण उनके और शर्मिला टैगोर के बीच मतभेदों की अटकलों को भी शांत किया। उन्होंने कहा कि जब वे शीर्ष अभिनेत्रियां थीं तब उनके बीच कोई गहरी प्रतिद्वंद्विता नहीं थी। मैंने शर्मिला टैगोर से ज़्यादा फिल्में राजेश खन्ना के साथ कीं। वह पहले से ही शादीशुदा थीं और उनके खूबसूरत बच्चे थे। वह एक बड़ी हीरोइन थीं। मैं भी थी। पहले, हमने कुछ फिल्मों में एक साथ काम किया जहाँ वह मुख्य अभिनेत्री थीं और मैं सहायक अभिनेत्री थी, लेकिन हम कभी सच्चे अर्थों में दोस्त नहीं थे। जब भी हम मिलते हैं तो वह हमेशा मुझसे अच्छी तरह से मिलती हैं।

शम्मी कपूर के बारे में बात करते हुए, मुमताज़ ने कहा कि वे प्यार में थे और शादी करना चाहते थे (शम्मी की पत्नी गीता बाली की मृत्यु के बाद), लेकिन शम्मी के परिवार का एक नियम था कि उनकी बहुएं फिल्मों में काम नहीं करेंगी। राज कपूर, जो उन्हें मेरा नाम जोकर में कास्ट करने की योजना बना रहे थे, उन्होंने यह विचार छोड़ दिया, हालांकि तब तक उनका शम्मी कपूर से ब्रेकअप हो चुका था। हमारी शादी होना तय नहीं था, उन्होंने कहा।

मुमताज़ मधुबाला और उनके पिता के बहुत करीब थीं। मधुबाला के पिता मुझे छोटी मुमताज़ कहते थे क्योंकि मधुबाला का असली नाम भी ममताज़ था। वह यूसुफ साहब (दिलीप कुमार) के प्यार में पागल थीं। उन्होंने उनसे अपना रिश्ता नहीं तोड़ा। कहा जाता था कि यूसुफ साहब ने मधुबाला, जिन्हें दिल की गंभीर बीमारी थी, से अपना रिश्ता तोड़ लिया था क्योंकि डॉक्टरों ने उन्हें बताया था कि वह शादी के बाद गर्भधारण नहीं कर पाएंगी। जब उनसे पूछा गया कि क्या मधुबाला ने उन्हें भी इसके बारे में बताया था, तो मुमताज़ ने मधुबाला को अपने अंतिम दिनों में यह कहते हुए उद्धृत किया कि यूसुफ (दिलीप कुमार) ने इसी वजह से उनसे शादी नहीं की।

हरभजन सिंह और उनकी पत्नी लेकर आ रहे नया चैट शो हू इज द बॉस, जाने क्या होगी थीम?

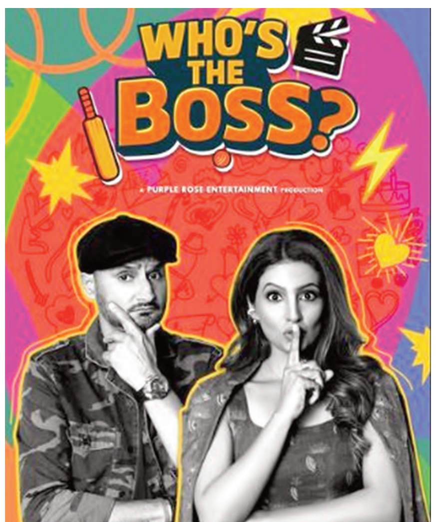

भारतीय क्रिकेट खिलाड़ी हरभजन सिंह और उनकी पत्नी गीता बसरा ने हाल ही में अपनी नई प्रोडक्शन कंपनी पर्पल रोज एंटरटेनमेंट शुरू की है। अब उन्होंने इस बैनर के तले एक नया चैट शो हू इज द बॉस शुरू किया है। हरभजन सिंह ने बताया कि इस शो को बनाने का आइडिया उन्हें महिलाओं से मिला। उन्होंने कहा, लोग क्रिकेटरों को तो जानते हैं, लेकिन उनकी पत्नियों को नहीं जानते। इन महिलाओं की अपनी एक पहचान है, एक अलग कहानी है। ये अपने आप में बेहद खास हैं, और हम चाहते हैं कि इनकी कहानियां सबके सामने आएं। इसी सोच के साथ इस शो को शुरू करने का आइडिया आया।

वहीं गीता बसरा ने भी बात की और घर में असली बॉस कौन है?, इसका जवाब देते हुए कहा, मुझे लगता है कि हम दोनों मिलकर बराबरी से जिम्मेदारियां निभाते हैं।उन्होंने कहा, मैं ज्यादातर बच्चों की देखभाल करती हूं, उनकी रोज की एक्टिविटी, क्लासेस, खाना और घर के छोटे-मोटे काम भी देखती हूं। हरभजन पैसे से जुड़े फैसले लेते हैं कि क्या खरीदना है और क्या नहीं खरीदना है। हरभजन ने गीता की बात से सहमति जताते हुए कहा, हां, मैं आमतौर पर पैसों से जुड़े काम संभालता हूं, लेकिन घर में क्या ठीक करवाना है और क्या नहीं, उसमें गीता की भी राय होती है। कह सकते हैं हमारे बीच एक पार्टनरशिप है।

जब गीता बसरा से पूछा गया कि क्या उनका शो हू इज द बॉस कॉमेडियन कपिल शर्मा के शो से प्रेरित है, तो इस पर उन्होंने जवाब दिया, ऐसा नहीं है। कपिल शर्मा का शो कई सालों से चल रहा है और उसमें लाफ्टर, जोक्स, मस्ती-मजाक ज्यादा होता है। हमारे शो में भी मजेदार बातें हैं, लेकिन यह शो उससे काफी अलग है। हरभजन सिंह ने कहा, हमारा शो इस बात पर ज्यादा आधारित है कि जो लोग पब्लिक में फेमस हैं, उनकी असली जिंदगी कैसी है। जैसे सभी रोहित शर्मा को एक क्रिकेटर के तौर पर जानते हैं, लेकिन असल जिंदगी में वह कैसे इंसान हैं.. इस बारे में लोग नहीं जानते, और उनकी पत्नी के बारे में तो और भी कम लोग जानते हैं। हम उनका असली जीवन दिखाना चाहते हैं, वो कपल के तौर पर कैसे हैं, और उनका साथ में सफर कैसा रहा है। गीता बसरा ने आखिर में कहा, हमारा शो सेलिब्रिटीज के पीछे छुपी इंसानी कहानियों को दिखाने के लिए बना है, और यही बात इसे कपिल के शो से अलग बनाती है। लेकिन हां, हम चाहते हैं कि हमारा शो कपिल शर्मा शो के जितना पॉपुलर हो, और हम तो ये भी चाहेंगे कि एक दिन कपिल शर्मा खुद हमारे शो में मेहमान बनकर आएं।

अक्षरा सिंह को मिला बीजेएएनए यूएसए अवॉर्ड, कहा यह मेरे सपनों की जीत

भोजपुरी सिनेमा की मशहूर अभिनेत्री अक्षरा सिंह को हाल ही में अमेरिका में एक खास सम्मान से नवाजा गया है। एक्ट्रेस की प्रतिभा, मेहनत और कला को देखते हुए उन्हें बिहार झारखंड एसोसिएशन ऑफ नॉर्थ अमेरिका (बीजेएएनए यूएसए) द्वारा एप्रिसिएशन अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। यह अवॉर्ड भारतीय संस्कृति और भोजपुरी सिनेमा में अक्षरा के योगदान को दर्शाता है। इस सम्मान को पाकर अक्षरा सिंह बेहद खुश नजर आईं और उन्होंने सोशल मीडिया पर भी अपने फैंस के साथ इस खुशी को साझा किया। अक्षरा सिंह ने इंस्टाग्राम पर अवॉर्ड लेते हुए अपनी एक फोटो शेयर की। इस फोटो में वह ब्लैक कलर की ड्रेस में नजर आ रही हैं। इस पोस्ट के कैप्शन में अक्षरा ने लिखा, कभी सोचा नहीं था कि बिहार के एक छोटे से कोने से चलकर अमेरिका की धरती पर अपने राज्य और देश का प्रतिनिधित्व करूंगी। आज जब बीजेएएनए यूएसए से मुझे एप्रिसिएशन अवॉर्ड मिला, तो वह सिर्फ एक अवॉर्ड नहीं था, वह मेरी मेहनत, संघर्ष और सपनों की जीत थी।

उन्होंने कैप्शन में आगे लिखा, भारत से इतनी दूर आकर जब लोग बिहार का नाम सम्मान और सराहना के साथ लेते हैं, तो लगता है जैसे वर्षों की तपस्या रंग लाई है। उस मिट्टी से जुड़ाव, जिसने मुझे सब कुछ सिखाया और आज उसी मिट्टी की खुशबू को मैंने अमेरिका तक पहुंचाया। यह अवॉर्ड सिर्फ मेरा नहीं है, यह हर उस लड़की का है जो बड़े सपने देखती है, हर उस इंसान का है जो अपनी जड़ों से जुड़े रहकर आगे बढ़ता है। उन्होंने पोस्ट के आखिर में लिखा, दिल से धन्यवाद बीजेएएनए यूएसए को, इतनी दूर होकर भी अपने लोगों को जोड़ने, पहचान देने और सम्मानित करने के लिए। आज एक भारतीय, एक बिहारी होने पर पहले से कहीं ज़्यादा गर्व महसूस हो रहा है। बीजेएएनए बिहार झारखंड एसोसिएशन ऑफ नॉर्थ अमेरिका (बीजेएएनए) एक गैर-लाभकारी संगठन है, जिसका उद्देश्य बिहार की संस्कृति, शिक्षा, और समुदाय को बढ़ावा देना है।

खतरनाक राक्षस से भिड़ी काजोल बताया कब जारी होगा फिल्म मां का ट्रेलर?

बॉलीवुड स्टार काजोल ने अपनी नई फिल्म मां से अपना पहला पोस्टर जारी किया, जिसमें वह एक बहादुर योद्धा के अवतार में नजर आ रही हैं। इस फिल्म में वह एक ऐसे किरदार में हैं जो अपने परिवार को खतरनाक और बुरी ताकत से बचाने के लिए लड़ती हैं। पोस्टर के साथ एक्ट्रेस ने ट्रेलर के रिलीज होने की डेट का भी खुलासा किया। काजोल ने इंस्टाग्राम पर फिल्म का नया पोस्टर शेयर किया है। पोस्टर में काजोल और एक शैतान नजर आ रहा है, जिसकी लाल आंखें चमक रही हैं और शरीर बेहद डरावना है। दोनों एक-दूसरे पर चिल्लाते हुए नजर आ रहे हैं। बैकग्राउंड में आकाशीय बिजली चमकती नजर आ रही है। कुल मिलाकर पोस्टर काफी डरावना है।

पोस्टर पर लाल रंग में लिखा है, रक्षक, भक्षक और मां, पोस्टर में दमदार ऑडियो सुनाई दे रहा है। यह ऑडियो काफी जोशीला है। ऐसा लगता है काजोल शैतान से लड़ने को पूरी तरह तैयार हैं। इस पोस्टर को शेयर करते हुए काजोल ने कैप्शन में लिखा- रक्षक, भक्षक, मां। बचाने वाली। बर्बाद करने वाली। चार के दिन के बाद ट्रेलर आएगा। फिल्म का निर्देशन विशाल फुरिया ने किया है। वह छोरी और छोरी 2 जैसी फिल्मों के लिए जाने जाते हैं। फिल्म मां को अजय देवगन और ज्योति देशपांडे प्रोड्यूस कर रहे हैं। फिल्म में काजोल के अलावा इंद्रनील सेनगुप्ता, रोनित रॉय और जितिन गुलाटी अहम किरदारों में नजर आएंगे। यह एक महिला की कहानी है, जो अपनी बेटी को बुरी ताकतों से बचाने के लिए किसी भी हद तक जाती है।वर्कफ्रंट की बात करें तो काजोल की झोली में एक्शन थ्रिलर फिल्म महारागनी: क्वीन ऑफ क्वींस है, जिसका निर्देशन चरण तेज उप्पलपति ने किया है। इस फिल्म में काजोल के साथ प्रभु देवा भी नजर आएंगे। बता दें कि दोनों ने पहले भी साथ में काम किया था। 1997 में तमिल फिल्म मिनसारा कनवु में प्रभु देवा और काजोल ने एक साथ अभिनय किया था। अब 27 साल बाद फिर से दोनों साथ में नजर आएंगे।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

इस राशि के कुछ लोगों को आज संतान पक्ष से आर्थिक लाभ होने की उम्मीद है। आज आपको अपनी संतान पर गर्व महसूस होगा। आपके जीवन–साथी की लापरवाही संबंधों में दूरी बढ़ा सकती है। आपका प्रतिस्पर्धी स्वभाव आपको दूसरों से आगे रखने में मदद करेगा। जो चीजें आपके लिए आवश्यक नहीं हैं उनपर आज अपना अधिकतर समय आप जाया कर सकते हैं। जब आपका जीवनसाथी जब सारे मनमुटाव भुलाकर प्यार के साथ आपके पास फिर आएगा, तो जीवन और भी सुन्दर लगेगा।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

धन आपके लिए जरुरी है लेकिन धन को लेकर इतने संजीदा न हो जाएं कि अपने रिश्तों को ही खराब कर दें। एक पारिवारिक आयोजन में आप सभी के ध्यान का केन्द्र होंगे। आपके ज़हन में काम का दबाव होने के बावजूद आपका प्रिय आपके लिए ख़ुशी के पलों को लाएगा। आज कार्यालय में आपको कुछ अच्छा समाचार सुनने को मिल सकता है। अपने समय की कीमत समझें, उन लोगों के बीच रहना जिनकी बातें आपके समझ में नहीं आती हैं गलत है। ऐसा करना भविष्य में आपको परेशानियों के अलावा कुछ नहीं देगा।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

अपना तनाव दूर करने के लिए परिवार वालों की मदद लें। उनकी सहयता को खुले दिल से स्वीकारें। आज के दिन निवेश करने से बचना चाहिए। आपके माता–पिता की सेहत चिंता और घबराहट का कारण बन सकती है। आज का दिन बहुत ख़ूबसूरत रहेगा। आज आपकी कलात्मक और रचनात्मक क्षमता को काफ़ी सराहना मिलेगी और इसके चलते अचानक लाभ मिलने की संभावना भी है। यह आपके पूरे वैवाहिक जीवन के सबसे ज़्यादा स्नेहपूर्ण दिनों में से एक हो सकता है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज के दिन आप ऊर्जा से लबरेज़ रहेंगे और मुमकिन है कि अचानक अनदेखा मुनाफ़ा भी मिले। पारिवारिक तनावों को अपना ध्यान भंग न करने दें। काम की अधिकता के बावजूद भी आज कार्यक्षेत्र में आपमें ऊर्जा देखी जा सकती है। आज आप दिये गये काम को तय वक्त से पहले ही पूरा कर सकते हैं। आज अपने प्रेमी के साथ वक्त बिता पाएंगे और उनके सामने अपने जज्बातों को रख पाएंगे। अपने जीवनसाथी की नुक़्ताचीनी से आप आज परेशान हो सकते हैं, लेकिन वह आपके लिए कुछ बढ़िया भी करने वाला है।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आपकी माता पक्ष से आज आपको धन लाभ होने की पूरी संभावना है। हो सकता है कि आपके मामा या नाना आपकी आर्थिक मदद करें। अगर आप पार्टी करने की सोच रहे हैं, तो अपने अपने अच्छे दोस्तों को बुलाएँ। ऐसे कई लोग होंगे, जो आपका उत्साह बढाएंगे। एकतरफ़ा लगाव आपके लिए सिर्फ दिल तोड़ने का काम करेगा। मानसिक स्पष्टता आपको व्यवसाय में प्रतिस्पर्धियों पर बढ़त दिलाएगी। आप सारी पुरानी दुविधाएँ ख़त्म करने में भी सफल रहेंगे। चीज़ों और लोगों को तेज़ी–से परखने की क्षमता आपको दूसरों से आगे बनाए रखेगी।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आपको काफ़ी समय से चल रही बीमारी से छुटकारा मिल सकता है। धन आपके लिए जरुरी है लेकिन धन को लेकर इतने संजीदा न हो जाएं कि अपने रिश्तों को ही खराब कर दें। आपका मज़ाकिया स्वभाव आपके चारों ओर के वातावरण को ख़ुशनुमा बना देगा। दफ़्तर में आपको कुछ ऐसा काम मिल सकता है, जिसे आप हमेशा से करना चाहते थे। व्यस्त दिनचर्या के बावजूद भी आज आप अपने लिए समय निकालपाने में सक्षम होंगे। आज के दिन आपका वैवाहिक जीवन एक ख़ूबसूरत बदलाव से गुज़रेगा।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

धैर्य बनाए रखें, क्योंकि आपकी समझदारी और प्रयास आपको सफलता ज़रूर दिलाएंगे। आज आपको अपने भाई या बहन की मदद से धन लाभ होने की संभावना है। आपका जीवनसाथी आपकी सहायता करेगा और मददगार साबित होगा। आज आप अपने प्रेमी के साथ कहीं घूमने का प्लान बनाएंगे लेकिन किसी जरुरी काम के आने की वजह से यह प्लान कामयाब नहीं हो पाएगा जिसकी वजह से आप दोनों के बीच कहासुनी हो सकती है। नए ग्राहकों से बात करने के लिए बेहतरीन दिन है। घर के छोटे सदस्यों के साथ गप्पें लगाकर आज आप अपने खाली समय का अच्छा इस्तेमाल कर सकते हैं।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

अचानक आए ख़र्चे आर्थिक बोझ बढ़ा सकते हैं। घरेलू ज़िन्दगी में कुछ तनाव का सामना करना पड़ सकता है। आपका रचनात्मक काम आस–पास के लोगों को अचरज में डाल देगा और आपको काफ़ी सराहना मिलेगी। लोग आपके बारे में क्या सोचते हैं आज आपको इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ेगा। बल्कि आज आप खाली समय में किसी से मिलना जुलना भी पसंद नहीं करेंगे और एकांत में आनंदित रहेंगे। जीवनसाथी से आपको अपने दिल की सारी बातें करने का भरपूर समय मिलेगा।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

उधार मांगने वाले लोगों को नज़रअन्दाज़ करें। आपका मज़ाकिया स्वभाव सामाजिक मेल–जोल की जगहों पर आपकी लोकप्रियता में इज़ाफ़ा करेगा। दिन को ख़ास बनाने के लिए स्नेह और उदारता के छोटे–छोटे तोहफ़े लोगों को दें। कारोबारी जितना हो अपने कारोबार से जुड़ी बातों को किसी से शेयर न करें। अगर आप ऐसा करते हैं तो आप बड़ी मुश्किल में पड़ सकते हैं। दिन उम्दा है, आज के दिन अपने लिए समय निकालें और अपनी कमियों और खुबियों पर गौर फर्माएं। इससे आपके व्यक्तित्व में सकारात्मक परिवर्तन आएंगे।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

प्राप्त हुआ धन आपकी उम्मीद के मुताबिक़ नहीं होगा। व्यक्तिगत मामलों को सुलझाते समय उदारता दिखाएँ, लेकिन अपनी जुबान पर क़ाबू रखें ताकि उन्हें चोट न पहुँचे जो आपसे प्यार करते हैं और आपकी परवाह करते हैं। बैंकिंग क्षेत्र से जुड़े लोगों को कोई अच्छी ख़बर मिल सकती है। पदोन्नति की काफ़ी संभावना है। आप अपनी ख़ुशी दुगनी करने के लिए सहकर्मियों से बांट सकते हैं। आज काफ़ी दिमाग़ी कसरत मुमकिन है। मुश्किल हालात से उबरने में आपके जीवनसाथी की तरफ़ से ज़्यादा सहयोग नहीं हासिल होगा।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज आपके पास अपनी सेहत को सुधारने के लिए पर्याप्त समय होगा। इस राशि के कुछ लोगों को आज जमीन से जुड़े किसी मुद्दे को लेकर धन खर्च करना पड़ सकता है। दिन के दूसरे हिस्से में आप आराम करना और अपने परिवार के साथ समय बिताना पसंद करेंगे। जो भी बोलें, सोच–समझकर बोलें। क्योंकि कड़वे शब्द शांति को नष्ट करके आपके और आपके प्रिय के बीच दरार पैदा कर सकते हैं। मुश्किल मामलों से बचने के लिए आपको अपने संपर्क उपयोग करने की ज़रूरत है। इस राशि वाले जातकों को आज खाली वक्त में आध्यात्मिक पुस्तकों का अध्ययन करना चाहिए।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

रियल एस्टेट सम्बन्धी निवेश आपको अच्छा–ख़ासा मुनाफ़ा देंगे। परिवार के सदस्यों की ज़रूरतों को तरजीह दें। उनके सुख–दु:ख के भागीदार बनें, ताकि उन्हें महसूस हो कि आप वाक़ई उनका ख़याल रखते हैं। किसी तीसरे इंसान का दखल आपके और आपके प्रिय के बीच गतिरोध पैदा करेगा। आज कार्यालय में आपको कुछ अच्छा समाचार सुनने को मिल सकता है। आज खाली वक्त का सही उपयोग करने के लिए आप अपने पुराने मित्रों से मिलने का प्लान बना सकते हैं। सम्भव है कि आपके जीवनसाथी की वजह से आपकी प्रतिष्ठा को थोड़ी ठेस पहुँचे।

आज का पंचांग

दिनांक : 28 मई 2025 , बुधवार
विक्रम संवत : 2082
मास : ज्येष्ठ , शुक्ल पक्ष
तिथि : द्वितीया रात्रि 01:57 तक
नक्षत्र : मृगशिरा रात्रि 12:30 तक
योग : धृति रात्रि 07:08 तक
करण : बालव सायं 03:28 तक
चन्द्र राशि : वृषभ दोपहर 01:37 तक
सूर्योदय : 05:41 , सूर्यास्त 06:45 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:52 , सूर्यास्त 06:41 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:44 , सूर्यास्त 06:35 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:34 , सूर्यास्त 06:35 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

लाभ : 06:00 से 07:30
अमृत : 07:30 से 09:00
शुभ : 10:30 से 12:00
चल : 03:00 से 04:30
लाभ : 04:30 से 06:00
राहुकाल : दोपहर 12:00 से 01:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : चन्द्रदर्शन

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

लापरवाही पर होगी सख्त कार्रवाई, ड्रेनों की सफाई को प्राथमिकता दें : नायब सिंह

चंडीगढ़, 27 मई (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने जिलों में बाढ़ सुरक्षा प्रयासों की निगरानी कर रहे सभी उपायुक्तों को निर्देश दिए कि वे अपने–अपने जिलों में मानसून सीजन से पहले ड्रेनों की सफाई को सर्वोच्च प्राथमिकता देना सुनिश्चित करें। उन्होंने इस कार्य के लिए उन्हें तुरंत एक शेड्यूल बनाने और कार्य की निगरानी के लिए अपने अधीनस्थ अधिकारियों को नियुक्त करने के निर्देश दिए ताकि ड्रेन की सफाई का कार्य हर हाल में 15 जून, 2025 से पहले पूरा हो सके।

इसके अतिरिक्त, फील्ड में कार्यरत सभी अधीक्षण अभियंताओं को यह सुनिश्चित करना होगा कि उनके संबंधित क्षेत्रों में ड्रेनों की सफाई सही तरह से की जाए।

मुख्यमंत्री आज यहां सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग तथा जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अधिकारियों के साथ अल्पकालिक बाढ़ सुरक्षा कार्यों तथा ड्रेनों की आंतरिक सफाई की प्रगति की समीक्षा के लिए आयोजित बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे।ड्रेनों की आंतरिक सफाई की वर्तमान गति पर चिंता व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि मानसून आने में बहुत कम समय बचा है और अभी यह काम शेष है। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट समय–सीमा निर्धारित करते हुए इस सम्बन्ध में सभी लंबित कार्यों को बिना देरी के पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने यह भी कहा कि मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी अन्य प्रशासनिक सचिवों के साथ 10 जून को फिर से इस कार्य प्रगति की समीक्षा करेंगे। यदि किसी अधिकारी की ओर से कोई लापरवाही पाई जाती है तो उसके खिलाफ सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई अमल में ली जाएगी।

बाढ़ सुरक्षा के व्यापक उपायों की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि अधिकारी अल्पकालिक उपायों पर फोकस करते हुए बाढ़ नियंत्रण से संबंधित चल रही योजनाओं को पूरा करना सुनिश्चित करें। उन्होंने अधिकारियों को जल निकासी के लिए आवश्यक पंपों की स्थिति और उपलब्धता का आकलन करने के भी निर्देश दिए। इसके अलावा, उन्होंने अधिकारियों को विशिष्ट क्षेत्रों में जलभराव के कारणों की पहचान करने तथा स्थायी समाधान प्रदान करने के लिए लक्षित योजनाएं बनाने के भी निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनप्रतिनिधियों और पंचायतों द्वारा अनुशंसित बाढ़ सुरक्षा कार्यों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए तथा उन्हें जल्द से जल्द पूरा किया जाना चाहिए।

बैठक में मुख्यमंत्री ने टांगरी और मारकंडा नदियों में गाद निकालने के काम की भी समीक्षा की और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

नायब सिंह ने सूर्य नमस्कार अभियान के 264 प्रतिभागियों को किया सम्मानित

चंडीगढ़, 27 मई (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने योग को जन–जन तक पहुंचाने के लिए कार्य करने वाले आयुष योग सहायकों की सेवा के दौरान दुर्घटना में मृत्यु होने पर उनके परिजनों को अपने ऐच्छिक कोष से तीन–तीन लाख रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान करने की घोषणा की। इसके अलावा, उन्होंने घोषणा करते हुए कहा कि अब योग व प्राकृतिक चिकित्सकों का भी पंजीकरण किया जाएगा, इसकी इसी वर्ष से शुरुआत की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा सरकार ने स्कूलों में पहली से 10वीं कक्षा तक योग को पाठ्यक्रम के रूप में शामिल किया हुआ है। अब एक कदम और आगे बढ़ाते हुए योग, खेल व अन्य विषयों को सम्मिलित करते हुए पाठ्यक्रम में शामिल कर औपचारिक रूप से इनकी परीक्षाएं भी आयोजित की जाएंगी। इससे बच्चों को बचपन से ही योग को समझने और जीवन का हिस्सा बनाने की प्रेरणा मिलेगी।

मुख्यमंत्री ने ये घोषणाएं आज पंचकूला में आयोजित भव्य योग महोत्सव के दौरान की। इससे पहले, मुख्यमंत्री ने विशेष रूप से 'सूर्य नमस्कार अभियान 2025' के 264 उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को सम्मानित किया।

बीएस नारा को बीबीएमबी के सिंचाई कार्यों की जिम्मेदारी

चंडीगढ़, 27 मई (एजेंसियां)। हरियाणा के वरिष्ठ अभियंता बी.एस. नारा को बीबीएमबी (भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड) के सिंचाई कार्यों का नया प्रभार सौंपा गया है। यह जिम्मेदारी उन्हें आगामी छह माह की अवधि के लिए, या नियमित नियुक्ति होने तक, अथवा अगले आदेशों तक दी गई है। बी.एस. नारा एक अनुभवी और दक्ष अभियंता हैं, जिन्होंने अपने लंबे सेवाकाल में तकनीकी से लेकर प्रशासनिक स्तर तक कई महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों को सफलतापूर्वक निभाया है। सिंचाई क्षेत्र में उनका अनुभव व्यापक रहा है, जिससे बीबीएमबी के कार्यों में न केवल गति बल्कि गुणवत्ता और कुशल प्रबंधन की भी उम्मीद जताई जा रही है।

बोर्ड से जुड़े अधिकारियों का मानना है कि नारा का नेतृत्व सिंचाई योजनाओं की निरंतरता बनाए रखने में अहम भूमिका निभाएगा। वर्तमान में जब जल प्रबंधन और कृषि आधारित सिंचाई संरचनाएं बढ़ते जल संकट और बदलते मौसम के कारण चुनौतीपूर्ण होती जा रही हैं, ऐसे में अनुभवी नेतृत्व की जरूरत पहले से कहीं ज़्यादा है।

बीबीएमबी प्रशासन ने भरोसा जताया है कि बी.एस. नारा के मार्गदर्शन में संगठन को तकनीकी कुशलता के साथ–साथ प्रशासनिक मजबूती भी मिलेगी। यह निर्णय भविष्य की जल योजनाओं और क्षेत्रीय सिंचाई जरूरतों को सुचारु बनाए रखने की दिशा में एक सकारात्मक और दूरदर्शी कदम माना जा रहा है।

पंचकूला में एक ही परिवार के 7 लोगों ने किया सुसाइड

कार में मिले शव, कर्ज़ और आर्थिक तंगी बनी वजह

पंचकूला, 27 मई (एजेंसियां)। हरियाणा के पंचकूला से एक दिल को झकझोर देने वाली घटना सामने आई है, जहां एक ही परिवार के सात लोगों ने सामूहिक रूप से आत्महत्या कर ली। सभी शव एक गाड़ी के अंदर संदिग्ध हालात में पाए गए। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि सभी ने ज़हर खाकर अपनी जीवनलीला समाप्त की। पुलिस के अनुसार, यह परिवार मूल रूप से उत्तराखंड की राजधानी देहरादून का रहने वाला बताया जा रहा है।

गाड़ी में मिले दस्तावेज़ और पहचान पत्र से मृतकों की शिनाख्त हो रही है। शवों की हालत देखकर आशंका जताई जा रही है कि यह आत्महत्या देर रात की गई होगी।

मौके पर पहुंचे जांच अधिकारियों ने बताया कि कार का अंदरूनी हिस्सा पूरी तरह बंद था और खिड़कियां भी ढकी हुई थीं। गाड़ी से एक सुसाइड नोट भी बरामद हुआ है, जिसमें परिवार ने अपनी आत्महत्या की वजह कर्ज़ और लगातार बिगड़ती आर्थिक स्थिति को बताया है। परिवार के मुखिया, जो कि एक छोटा व्यवसाय चलाते थे, नोट में लिखा कि पिछले कुछ वर्षों से व्यापार में घाटा हो रहा था और ऊपर से लगातार बढ़ते कर्ज़ ने मानसिक तनाव को असहनीय बना दिया था। उन्होंने लिखा कि हर रास्ता बंद हो गया था... अब जीने की हिम्मत नहीं बची...

इस हृदयविदारक घटना ने न सिर्फ पंचकूला बल्कि पूरे क्षेत्र को सदमे में डाल दिया है। पड़ोसी और स्थानीय लोग घटना को लेकर बेहद व्यथित हैं और एक ही सवाल पूछ रहे हैं – आखिर कोई पूरा परिवार इस कदर टूट कैसे सकता है?

फिलहाल पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है और मामले की विस्तृत जांच जारी है। साइबर और फोरेंसिक टीम भी मामले की तह तक पहुंचने के लिए जुट गई है।यह घटना एक बार फिर समाज के उस कड़वे सच को उजागर करती है, जहां आर्थिक बोझ और मानसिक तनाव इंसान को जीते जी मार डालते हैं।

कोरोना वैरियंट घातक नहीं, लेकिन लक्षण नजर आएं तो चिकित्सक से परामर्श लें : गजेन्द्र सिंह खींवसर

सीएम भजनलाल शर्मा की तत्परता से क्रियान्विति हो रही सुनिश्चित

जयपुर, 27 मई (एजेंसियां)। देशभर में कोरोना के केस सामने आने के बाद चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों की बैठक लेकर आवश्यक दिशा–निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि भारत सरकार के अनुसार कोरोना का वर्तमान मे सामने आया वैरियंट घातक नहीं है, लेकिन आमजन खांसी–जुकाम या बुखार जैसे लक्षण नजर आने पर सामान्य एहतियात बरतते हुए चिकित्सा संस्थान जाकर आवश्यक परामर्श, जांच एवं उपचार लें।

खींवसर ने कहा कि संवेदनशील वर्ग जैसे बुजुर्ग, गर्भवती महिलाएं, गंभीर बीमारियों से ग्रसित रोगी एवं बच्चे कोरोना के केसेज को देखते हुए स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। आईएलआई के लक्षण नजर आने पर चिकित्सक से परामर्श लें एवं भीड़–भाड़ से बचें। उन्होंने चिकित्सा विभाग के अधिकारियों से कहा कि चिकित्सा विशेषज्ञों ने वर्तमान स्थितियों के दृष्टिगत कोरोना से ज्यादा खतरा नहीं बताया है, लेकिन चिकित्सा संस्थानों में जांच, दवा एवं उपचार के लिए आवश्यक इंतजाम रखे जाएं, ताकि आईएलआई लक्षणों के मरीजों को जरूरी जांच एवं उपचार मिल सके।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने ऑक्सीजन प्लांट्स की क्रियाशीलता पर बल देते हुए कहा कि प्रदेश में विभिन्न चिकित्सा संस्थानों में स्थापित ऑक्सीजन प्लांट्स की नियमित मॉनिटरिंग की जाए। इनकी क्रियाशीलता सुनिश्चित करने के साथ ही बंद ऑक्सीजन प्लांट्स को शीघ्र ठीक करवाएं। उन्होंने कहा कि भारत सरकार की ओर से कोरोना के संबंध में समय–समय पर जारी दिशा–निर्देशों की पालना की जाए।

निदेशक जनस्वास्थ्य डॉ. रवि प्रकाश शर्मा ने बताया कि प्रदेश में मंगलवार को कोरोना के 9 केस सामने आए हैं। उन्होंने बताया कि 2 केस एम्स जोधपुर में, 2 सवाई मानसिंह अस्पताल जयपुर में तथा 4 केस बी लाल लैब जयपुर एवं 1 केस अनाविक डायग्नोस्टिक सेंटर जयपुर में आया है। इस वर्ष अब तक 32 केस सामने आ चुके हैं। इनमें अजमेर में 2, बीकानेर में एक, डीडवाना में 3, जयपुर में 13, जोधपुर में 6, फलौदी में 1, सवाई माधोपुर में एक, उदयपुर में 4 एवं एक अन्य केस सामने आया है।

खाटू श्यामजी के भक्तों को ट्रोले ने कुचला, 3 की मौके पर मौत

जयपुर, 27 मई (एजेंसियां)। राजधानी से सटे मनोहरपुर–दौसा नेशनल हाईवे (एनएचए–148) एक बार फिर मौत की पटरियों में तब्दील हो गया। रविवार सुबह गठवाड़ी मोड़ के पास हुए भीषण सड़क हादसे में तीन श्रद्धालुओं की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि दो लोग गंभीर हालत में ज़िंदगी से संघर्ष कर रहे हैं। सभी श्रद्धालु खाटूश्यामजी के दर्शन के लिए निकले थे, लेकिन घर से निकले तो लौटकर लाश बनकर आए।

हादसा उस वक्त हुआ जब श्रद्धालुओं से भरी तेज रफ्तार कार ओवरटेक करते हुए सामने से आ रहे ट्रोले से भिड़ गई। टक्कर इतनी भयंकर थी कि कार के परखच्चे उड़ गए और उसमें बैठे लोग बुरी तरह फंस गए। क्षत–विक्षत शव देखकर मौके पर मौजूद लोग सिहर उठे। हादसे के बाद घटनास्थल पर ग्रामीणों की भारी भीड़ जमा हो गई। लेकिन हैरानी की बात यह रही कि पुलिस और हाईवे चेतक करीब आधे घंटे बाद मौके पर पहुंचे। देरी से पहुंची पुलिस को देखकर गुस्साए ग्रामीणों ने लापरवाही पर नाराजगी जताई और मौके पर ही हंगामा कर दिया।

ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत कर कार में फंसे शवों और घायलों को बाहर निकाला। कुछ ने एंबुलेंस की व्यवस्था की, तो कुछ घायलों को संभालते रहे। इस मंजर को जिसने देखा उसकी आंखें नम हो गईं। किसी की बहन गई, किसी का भाई और किसी का बेटा – खाटूश्यामजी की राह पर निकले श्रद्धालु मौत की राह चले गए। रायसर थाना प्रभारी रघुवीर सिंह राठौड़ ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक तौर पर हादसे की वजह तेज रफ्तार और ओवरटेक के दौरान नियंत्रण खोना बताया जा रहा है। पुलिस ने शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है और घायलों का इलाज निम्स अस्पताल में जारी है।

मुख्यमंत्री दुग्ध संबंल योजना : पशुपालकों को 88.43 करोड़ की सहायता

पशुपालन मंत्री ने सीएम भजनलाल का जताया आभार

जयपुर, 27 मई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राज्य के दुग्ध उत्पादकों को 88.43 करोड़ रू. अनुदान राशि का भुगतान किया है। यह राशि मुख्यमंत्री दुग्ध उत्पादक संबल योजना के तहत दी गई है। राज्य सरकार की ओर से सहकारी समितियों से जुड़ी डेयरियों पर दूध देने वालों को 5 रुपए प्रति लीटर के हिसाब से भुगतान किया जाता है।

पशुपालन एवं डेयरी मंत्री जोराराम कुमावत ने बताया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल मार्गदर्शन में प्रदेश के करीब साढे चार लाख पशुपालक किसानों के बैंक खाते में यह राशि डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) के माध्यम से हस्तांतरित की गई है। उन्होंने बताया कि हमारी सरकार राजस्थान के प्रत्येक पशुपालक की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ करने, पशुपालन क्षेत्र को विकसित करने तथा किसानों की आय बढ़ाने हेतु पूर्णतः प्रतिबद्ध है।

उन्होंने इसके लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि बजट घोषणा–2025–25 में इस योजना के लिए घोषित की गई 500 करोड़ रुपए की राशि का भुगतान कर दिया गया है। अब बजट घोषणा 2025–26 के लिए घोषित अनुदान राशि में से जनवरी, फरवरी, मार्च व अप्रेल–2025 माह की बकाया अनुदान राशि 200 करोड़ रुपए की डिमांड के लिए वित्त विभाग को प्रस्ताव भेज दिया गया है, जो कि जल्द ही लाभार्थी पशुपालक किसानों को राशि डीबीटी कर दी जाएगी।

पंचायती राज और नगर निकाय उप चुनावों में भाजपा के 5 प्रत्याशी निर्विरोध जीते: दाधीच

जयपुर, 27 मई (एजेंसियां)। पंचायती राज और नगर निकाय उप चुनावों में भारतीय जनता पार्टी के 5 प्रत्याशी निर्विरोध निर्वाचित हुए। भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश दाधीच ने बताया कि पंचायती राज एवं नगरीय निकाय उप चुनावों में भाजपा के प्रत्याशियों के निर्विरोध निर्वाचन भाजपा की नीतियों और राज्य सरकार के कल्याणकारी कार्यों पर जनता की मोहर है। उन्होंने कहा कि पिछले डेढ़ साल में राज्य सरकार ने गरीब कल्याण एवं विकास को जिस तरह गति दी और भाजपा के कार्यकर्ताओं ने जनता के सुख–दूख में भागीदारी निभाई, जिसका सुखद परिणाम हमें मिला है। भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश दाधीच ने कहा कि जिन सीटों पर चुनाव होना है, वहां भी भाजपा के कार्यकर्ता पुरी प्रतिबद्धता और जन सरोकार के अपने संकल्प के साथ जुटा हुआ है, जिसके परिणाम भी ऐतिहासिक रहेंगे। उन्होंने बताया कि नगर निकाय उपचुनाव में कोटपुतली नगर पालिका के वार्ड 17 से शारदा देवी, नागौर जिले के कुचेरा नगर पालिका के वार्ड 17 से आरती देवी और गंगानगर के करणपुर नगर पालिका के वार्ड 23 से जितेंद्र सिंह (समर्थित निर्दलीय) निर्विरोध निर्वाचित हुए है। इस प्रकार पंचायती राज उपचुनाव में पंचायत समिति डीग के वार्ड 9 से रामरतन (समर्थित निर्दलीय) और करौली जिले के श्रीमहावीर जी पंचायत समिति के वार्ड 15 से विमला देवी निर्विरोध निर्वाचित हुई है।

60 फीट गहरी खाई में गिरी कार, दो युवक गंभीर घायल

उदयपुर, 27 मई (एजेंसियां)। उदयपुर जिले के बेकरिया थाना क्षेत्र में मंगलवार सुबह गोगुंदा–पिंडवाड़ा हाईवे पर एक बड़ा हादसा हो गया। तेज रफ्तार कार अचानक अनियंत्रित होकर डिवाइडर पर चढ़ गई और फिर सड़क के बीच बनी पुलिया से फिसलते हुए करीब 60 फीट गहरी खाई में जा गिरी। कार में सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए।

हादसा अकियावड़ गांव के पास स्थित सुरंग के आगे एक तीखे मोड़ पर हुआ, जहां गुजरात से उदयपुर की ओर आ रही तेज रफ्तार कार अचानक संतुलन खो बैठी। डिवाइडर पर चढ़ने के बाद कार पुलिया को पार करते हुए गहरी खाई में जा गिरी। गिरते ही कार के परखच्चे उड़ गए। हादसे की आवाज सुनकर आस–पास के ग्रामीण और राहगीर मौके पर दौड़े। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए लोगों ने बिना देर किए खाई में उतरकर घायलों को कार से बाहर निकाला। करीब आधे घंटे की मशक्कत के बाद दोनों युवकों को ऊपर सड़क तक लाया गया।

सूचना मिलते ही बेकरिया थाना प्रभारी उत्तम सिंह जाब्ते के साथ मौके पर पहुंचे। घायलों को तुरंत गोगुंदा हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां उनकी गंभीर हालत को देखते हुए डॉक्टरों ने उन्हें उदयपुर एमबी हॉस्पिटल रेफर कर दिया।हादसे में कार के परखच्चे उड़ गए हैं। वहीं दोनों युवकों को सिर, छाती और पैरों में गंभीर चोटें आई हैं।

सिवान में शिक्षकों का प्रदर्शन, 2011 की नियमावली को वापस लेने की मांग

सीवान (एजेंसियां)। सिवान जिले के जेपी चौक पर सोमवार को सैकड़ों शिक्षक इकट्ठा हुए और जोरदार प्रदर्शन किया। ये सभी शिक्षक बिहार विद्यालय परीक्षा समिति की 2011 की संबद्धता नियमावली को लेकर नाराज थे। उनका कहना था कि यह नियमावली 715 अनुदानित माध्यमिक विद्यालयों पर जबरन लागू की जा रही है, जो गलत है। प्रदर्शन कर रहे शिक्षकों ने जिला पदाधिकारी को ज्ञापन सौंपा और इस नियमावली को वापस लेने की मांग की। नाराज शिक्षकों ने नियमावली की एक प्रति जलाकर अपना विरोध जताया। इस प्रदर्शन में विजय सिंह, अरविंद कुमार सिंह, जगनारायण सिंह, बैजनाथ सिंह, नवीन कुमार राय, अजीत कुमार सिंह, यशवंत सिंह और श्याम सुंदर राम समेत लगभग दो दर्जन शिक्षक शामिल थे।

शिक्षकों ने बताया कि ये 715 स्कूल साल 1970 से 2008 के बीच खोले गए थे और इनको राज्य सरकार से स्थापना की अनुमति और मान्यता मिली हुई है। ये स्कूल 1994 की स्वत्वधारक नियमावली के तहत चलते हैं। जब 2008 में वित्त रहित शिक्षा नीति बंद हो गई, तब इन स्कूलों को अनुदान मिलने लगा और छात्रों को भी सरकारी योजनाओं का फायदा मिलने लगा। शिक्षकों का कहना है कि 1952 की परीक्षा समिति नियमावली के अनुसार मान्यता उन्हीं स्कूलों को मिलती है, जिन्हें सरकार ने अनुमति दी हो। ऐसे में 2011 की नई नियमावली को इन पर लागू करना गलत है।

शिक्षकों के मुताबिक, 2011 की नियमावली केवल परीक्षा से जुड़ी है, इसमें न तो स्कूलों के संचालन का जिक्र है और न ही शिक्षकों या छात्रों को मिलने वाली आर्थिक सहायता का कोई प्रावधान है। अगर इसे जबरन लागू किया गया तो इन स्कूलों की मान्यता और संचालन पर असर पड़ेगा और शिक्षकों-छात्रों का भविष्य खतरे में पड़ जाएगा। शिक्षकों ने चेतावनी दी कि अगर सरकार ने जल्द उनकी मांगें नहीं मानीं, तो आंदोलन और तेज किया जाएगा। फिलहाल, प्रशासन ने शिक्षकों का ज्ञापन स्वीकार कर कार्रवाई का भरोसा दिया।

जेडीयू नेता के घर में चोरी, 10 लाख की संपत्ति लेकर चोर हुए फरार

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)। मुजफ्फरपुर जिले में एक बार फिर से चोरी की बड़ी वारदात सामने आई है। इस बार चोरों ने जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) के प्रदेश सचिव कुमारेश्वर के घर को निशाना बनाया है। घटना ब्रह्मपुरा थाना क्षेत्र के अंतर्गत संजय सिनेमा बटलर रोड स्थित एक फ्लैट में घटी, जहां बीती रात अज्ञात चोरों ने करीब 10 लाख रुपये की संपत्ति चोरी कर ली।

जेडीयू नेता कुमारेश्वर के अनुसार, रात लगभग 12 बजे वे और उनकी पत्नी भोजन के बाद अपने शयनकक्ष में सोने चले गए थे। सुबह जब उठे तो देखा कि घर का एक कमरा बाहर से बंद है और दरवाजे के नीचे कपड़ा ठूंसा हुआ है। शक होने पर वे पीछे गली में गए तो देखा कि उस कमरे की खिड़की की ग्रिल काटकर बाहर फेंक दी गई है।

कमरे का दरवाजा खोला गया तो पाया गया कि अंदर रखी एक अलमारी और ट्रंक को तोड़कर उसमें रखे लगभग 75 ग्राम सोने की ज्वेलरी, कई बनारसी साड़ियाँ, नए कपड़े और महत्व-पूर्ण दस्तावेज लेकर चोर फरार हो चुके हैं। चोरी गए दस्तावेजों में उनकी पत्नी और बेटे के ओरिजिनल कागजात भी शामिल हैं।

घटना की सूचना मिलते ही ब्रह्मपुरा थाना की पुलिस मौके पर पहुंची। जांच का नेतृत्व कर रहे सब-इंस्पेक्टर संकेत कुमार ने बताया कि चोर घर के पीछे की खिड़की से दाखिल हुए और चोरी की वारदात को अंजाम दिया। घर के पीछे रेल लाइन है, जिससे आशंका जताई जा रही है कि चोर उसी रास्ते से आए और फरार हो गए। पुलिस ने आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने की प्रक्रिया शुरू कर दी है ताकि अज्ञात चोरों की पहचान की जा सके। पुलिस ने भरोसा दिलाया है कि मामले में जल्द ही ठोस कार्रवाई की जाएगी।

कुमारेश्वर ने घटना को लेकर चिंता जताते हुए प्रशासन से शीघ्र कार्रवाई और सुरक्षा बढ़ाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि इस तरह की घटनाएं आम नागरिकों के मन में डर पैदा करती हैं, लिहाजा दोषियों की जल्द गिरफ्तारी जरूरी है।

सड़क दुर्घटना में एएसआई के पिता की मौत

पूर्णिया (एजेंसियां)। पूर्णिया में एक सड़क दुर्घटना में एएसआई सुषमा कुमारी के पिता की मौत हो गई। मृतक रामस्वरूप प्रसाद (55 वर्ष) पटना जिले के मसौढ़ी के निवासी थे और सेवानिवृत्त होम गार्ड जवान थे। वह इन दिनों अपनी बेटी के साथ पूर्णिया पुलिस लाइन स्थित सरकारी क्वार्टर में रह रहे थे।

घटना सोमवार देर शाम की है। रामस्वरूप प्रसाद सब्जी लाने कचहरी की ओर गए थे और वापस लौटते समय के-हाट थाना क्षेत्र स्थित पुलिस क्वार्टर के पास अज्ञात तेज रफ्तार वाहन की चपेट में आ गए। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि वे गंभीर रूप से घायल हो गए।

आसपास के लोगों ने तत्काल उन्हें इलाज के लिए पूर्णिया जीएमसीएच पहुंचाया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही उनकी बेटी एएसआई सुषमा कुमारी, जो वर्तमान में बक्सर जिले में ट्रेनिंग पर थीं, तुरंत पूर्णिया लौट आईं। अस्पताल में पिता की लाश देखकर वह फफक पड़ीं। परिवार में मातम पसरा हुआ है। एएसआई सुषमा कुमारी ने बताया कि पिताजी होम गार्ड से रिटायर होने के बाद मेरे साथ पूर्णिया में रहते थे। सोमवार को वे शाम के समय सब्जी लाने गए थे। लौटते वक्त पुलिस क्वार्टर के पास किसी अज्ञात वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी और वाहन चालक मौके से फरार हो गया। के-हाट थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए पूर्णिया जीएमसीएच भेजा और मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। थानाध्यक्ष ने बताया कि मृतक की पहचान रामस्वरूप प्रसाद के रूप में हुई है। अज्ञात वाहन की तलाश की जा रही है। इस दुखद घटना ने पुलिस लाइन में भी शोक की लहर फैला दी है।

सीएम नीतीश कुमार का विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव के नाम संदेश, एक लाइन में बेटे के जन्म पर दी बधाई

पटना (एजेंसियां)। कोलकाता में राष्ट्रीय जनता दल अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव और बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव से मिलने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पहुंचीं तो अब बिहार के सीएम नीतीश कुमार ने तेजस्वी को बधाई संदेश भेजा है। सोशल मीडिया के माध्यम से मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने उन्हें उनके बेटे के जन्म पर बधाई और शुभकामनाएं दीं। उन्होंने लिखा कि तेजस्वी यादव जी को पुत्र के जन्म पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। बताया जा रहा है कि तेजस्वी यादव की पत्नी राजश्री पूरे गर्भावस्था के दौरान

कोलकाता में रही हैं और सोमवार को लालू भी बाकी परिजनों के साथ उनके पास पहुंचे, जहां आज सुबह बेटे का जन्म हुआ। इसके बाद सभी लोगों ने तेजस्वी समेत पूरे लालू परिवार को बधाई दी। राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद ने अपने सोशल मीडिया पर पोते और परिवार के साथ तस्वीरें साझा कीं। उन्होंने लिखा कि हमारे परिवार में छोटे पोते का हमलोग गर्व से स्वागत करते हैं।

इधर, कोलकाता में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी लालू परिवार से मुलाकात करने अस्पताल पहुंचीं। उन्होंने पहले लालू प्रसाद से मुलाकात की। उनका हाल चाल पूछा। सीएम ममता बनर्जी ने कहा कि लालू जी और तेजस्वी समेत पूरे परिवार को मेरी हार्दिक शुभकामनाएं। मैं नए मेहमान को खूब आशीर्वाद देती हूं। आज उनसे मिलकर बहुत खुशी हुई। मां और बच्चे को अच्छे स्वास्थ्य में देखकर मन में अपार खुशी हुई। उन्होंने कहा कि मुझे कुछ समय से पता था कि राजश्री कोलकाता में थीं, और तेजस्वी ने मुझे कल रात बच्चे के आगमन की खबर दी थी। मैंने वादा किया था कि मैं उन्हें देखने आऊँगा, और आज मैं प्यार और आशीर्वाद के साथ गया। यह छोटा बच्चा परिवार के लिए अच्छे भाग्य और आशा का प्रतीक बने।सीएम ममता ने लालू परिवार और राजद को आगामी चुनाव के लिए शुभकामनाएं देती हूं।

नेता प्रतिपक्ष को तेजस्वी यादव को पुत्र रत्न की प्राप्ति होने पर राष्ट्रीय जनता दल के प्रदेश कार्यालय में जश्न मनाया गया। सभी कार्यकर्ता और नेताओं ने एक-दूसरे को बधाई और शुभकामनाएं दीं। कई जिलों के पार्टी कार्यालय में भी मिठाइयां बांटी गईं। राजद ने तेजस्वी साझा करते हुए कहा कि कहा कि नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी प्रसाद यादव जी को पुत्र रत्न की प्राप्ति पर राष्ट्रीय जनता दल के राज्य कार्यालय में मिठाइयां बांटकर खुशी मनाई गई।

होटल में बीफ बिरयानी परोसने पर बवाल, मारपीट के बाद दोनों पक्षों ने दर्ज कराई एफआईआर

दरभंगा (एजेंसियां)। मब्बी थाना क्षेत्र के शीशो रोड स्थित एक होटल में मटन बिरयानी के ऑर्डर को लेकर शुरू हुआ विवाद मारपीट तक पहुंच गया। आरोप है कि ग्राहक ने मटन बिरयानी का ऑर्डर दिया था, लेकिन उसे बीफ बिरयानी परोस दी गई। जब ग्राहक ने आपत्ति जताई तो होटल कर्मियों ने उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने किसी तरह स्थिति को नियंत्रित किया। नगर पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार ने कहा है कि दोनों पक्षों द्वारा शिकायत दी गई है और मामले की जांच की जा रही है। दोषियों पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। प्राप्त जानकारी के अनुसार, रविवार शाम को मो. राशिद अपने रिश्तेदारों के साथ शीशो रोड स्थित स्पार्की रेस्टोरेंट में मटन बिरयानी खाने गए थे। आरोप है कि टेबल पर जो बिरयानी परोसी गई, उसमें बीफ होने का संदेह हुआ। जब राशिद ने इसका विरोध किया और शिकायत की, तो होटल के कर्मचारियों ने उनके साथ गाली-

गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी। घटना के बाद मो. राशिद ने मब्बी थाना में होटल कर्मियों सद्दाम, दानिश फरीद, शोएब खान, जिशान, तुफैल खान समेत करीब दो दर्जन अज्ञात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है। वहीं, होटल कर्मी मो. तुफैल ने भी मो. राशिद और उनके साथियों पर हमला करने का आरोप लगाते हुए एफआईआर दर्ज कराई है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि इस होटल में खाने को लेकर पहले भी विवाद हो चुके हैं। लोगों ने आरोप लगाया कि होटल मालिक की दबंगई के कारण कोई खुलकर शिकायत नहीं करता और प्रशासन भी अब तक मूकदर्शक बना हुआ है।

नगर पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार ने बताया कि दोनों पक्षों की शिकायत के आधार पर मामले की जांच की जा रही है। होटल में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है, ताकि सच्चाई सामने लाई जा सके। जांच के बाद जो भी दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

राजद नेता पंकज यादव को गोली मारने वाला मुख्य आरोपी मिट्ठू यादव गिरफ्तार

मुंगेर (एजेंसियां)। राजद नेता पंकज यादव पर गोली चलाने के मामले में सात महीने से फरार चल रहा मुख्य आरोपी मिट्ठू यादव आखिरकार पुलिस के हत्थे चढ़ गया। मुंगेर पुलिस और एसटीएफ की संयुक्त कार्रवाई में मिट्ठू यादव को नवटोलिया स्थित उसके घर से गिरफ्तार किया गया। इस दौरान पुलिस ने आरोपी के पास से एक देसी कट्टा और चार जिंदा कारतूस भी बरामद किए हैं।

जानकारी के मुताबिक, घटना तीन अक्तूबर की अहले सुबह की है, जब राजद नेता पंकज यादव सफियासराय हवाई अड्डा क्षेत्र में मॉर्निंग वॉक पर निकले थे। इसी दौरान बाइक सवार दो अपराधियों ने उन पर हमला कर सीने में गोली मार दी थी। गंभीर रूप से घायल पंकज यादव को तत्काल इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। इस घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई थी।

राजद नेता ने इस मामले में कासिम बाजार थाना में तीन आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई थी। पुलिस ने मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए पहले सिंटू कुमार को गिरफ्तार किया, जो इस हमले में लाइनर की भूमिका निभा रहा था। इसके बाद 25 अक्तूबर को दूसरा आरोपी नमन कुमार कोर्ट में आत्मसमर्पण कर चुका था। लेकिन मुख्य शूटर मिट्ठू यादव पुलिस की पकड़ से बाहर था।

मुंगेर एसपी सैयद इमरान मसूद ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि मिट्ठू यादव अपने नवटोलिया स्थित घर आया हुआ है। सूचना मिलते ही एसटीएफ की मदद से उसके घर पर छापामारी की गई और उसे गिरफ्तार कर लिया गया। छापामारी के दौरान एक देसी कट्टा और चार जिंदा कारतूस भी बरामद हुए हैं।

पुलिस पूछताछ में मिट्ठू यादव ने स्वीकार किया कि उसने नशे की हालत में पंकज यादव पर गोली चलाई थी। फिलहाल पुलिस उससे घटना से जुड़ी और भी जानकारियां जुटा रही है। इस गिरफ्तारी से न सिर्फ पुलिस को राहत मिली है बल्कि शहर में कानून व्यवस्था को लेकर लोगों का भरोसा भी बढ़ा है। पुलिस अब पूरे मामले में चार्जशीट दाखिल करने की तैयारी में जुट गई है।

पीएम मोदी के बिहार दौरे से पहले भारत-नेपाल बॉर्डर पर दिखीं ड्रोन जैसी चमकीली वस्तुएं

पटना (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 29 मई को पटना आ रहे हैं। इससे पहले एक चौंकाने वाली घटना हुई है। मधुबनी जिले में भारत नेपाल बॉर्डर पर एक साथ कई ड्रोन दिखे हैं।

स्थानीय लोग और सशस्त्र सीमा बल ने 15 से 20 ड्रोन दिखने की बात कही है। बताया जा रहा है कि 26 मई यानी सोमवार देर शाम करीब साढ़े सात बजे नेपाल से भारत की ओर आसमान में कई चमकती हुई वस्तुएं देखी गई। यह सभी उत्तर-पश्चिम से दक्षिण-पूर्व दिशा की ओर सीधी रेखा में जा रही थी। स्थानीय लोगों का कहना है कि पहले ऐसा लगा कि एक साथ कई विमान आ रहे हैं। 'ऑपरेशन सिंदूर' को लेकर हमलोग हमेशा अलर्ट रहे हैं। हमलोगों ने फौरन इस घटना का वीडियो बनाया और एसएसबी को जानकारी दी।

एसएसबी का कहना है कि लोगों ने करीब 40 मिनट तक इन वस्तुओं को उड़ते देखा। प्रथम दृष्टया यह सभी ड्रोन लग रहे थे लेकिन इनकी गति और आकार सामान्य ड्रोन या विमान से

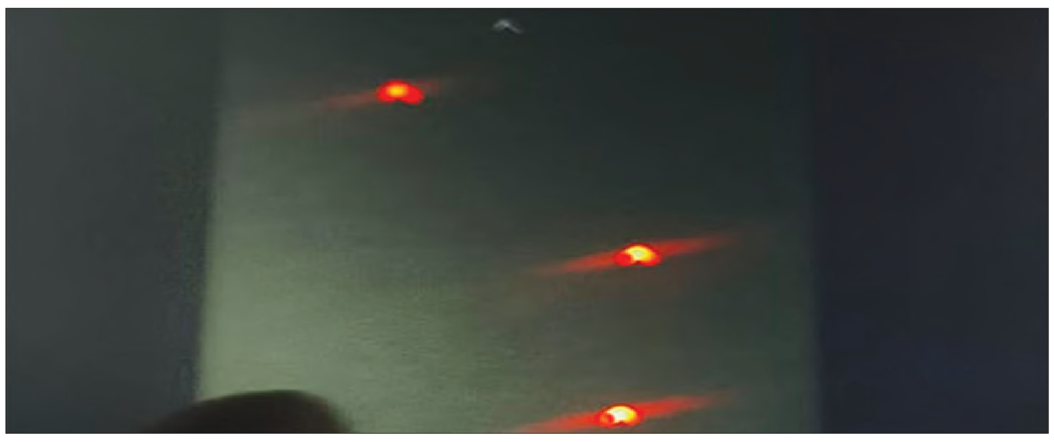

अलग थे। जानकी नगर बीओपी के निकट जवानों ने वापस जाते देखा गया। घटना की जानकारी हमलोगों ने फौरन वरीय अधिकारी को दी। सीमा पर निगरानी बढ़ा दी गई है। नेपाल की सुरक्षा एजेंसियों को भी मामले की जानकारी दी गई लेकिन उन्होंने इस बात से इनकार किया है। हमलोग मामले की जांच कर रहे हैं।

सूत्रों की मानें तो अब तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि यह असामान्य सी वस्तुएं क्या थीं? खुफिया एजेंसियां, एसएसबी, बिहार पुलिस मामले की जांच कर रहे हैं। वहीं एसएसबी ने लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की है। उन्होंने कहा है कि संदिग्ध गतिविधि दिखने पर तुरंत स्थानीय प्रशासन को सूचित करें। सीमा सुरक्षा बल की 48वीं बटालियन के वॉइस कमांडेंट विवेक ओझा ने बताया कि सोमवार देर शाम आसमान में ड्रोन जैसी चमकती हुई वस्तुएं उड़ती देखी गईं। उन्होंने हालांकि यह सभी वस्तुएं भारत से नेपाल की ओर लौट गईं। लेकिन, मामले की जांच की जा रही है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com